बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
सोमवार 02 जून 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 247
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

देश के गद्दारों को कोने-कोने में ढूंढ रही एनआईए

8 राज्यों में 15 ठिकानों पर दी दबिश

जयपुर। पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में एनआईए ने बड़ा एक्शन लिया है। एनआईए ने देश के आठ राज्यों में फैले 15 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। ये छापेमारी दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में की गई, जिन लोगों के यहां छापे मारे गए उनका संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी पाक इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओस) से बताया जा रहा है।

सीआरपीएफ के एएसआई मोतीराम जाट जिसे हाल में एनआईए ने गिरफ्तार किया था जासूसी मामले में उसी मामले में छापा मारा है। मोतीराम जाट को 20 मई को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। मोतीराम जाट पहलगाम हमले से पहले वहीं पोस्टेड था। हमले से पांच दिन पहले एएसआई मोतीराम जाट का पहलगाम से ट्रांसफर किया गया था। मोतीराम की पहलगाम हमले में भूमिका का अभी पता नहीं चल सका है। एनआईए के डीजी ने बताया है कि अभी तक की जांच में इसका पहलगाम हमले से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है।

छापेमारी में एनआईए की टीमों ने कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़, संदिग्ध दस्तावेज़ और कुछ अहम फाइनेंशियल कागजात बरामद किए हैं। ये सब जांच के लिए एनालाइज किए जा रहे हैं, ताकि इस पूरे जासूसी नेटवर्क का पता लगाया जा सके। एनआईए की जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए हैं, उनका सीधा कनेक्शन पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव्स से था। ये लोग जासूसी के लिए फाइनेंशियल चैनल के तौर पर काम कर रहे थे।

इस मामले में एनआईए ने 20 मई को मामला दर्ज किया था। इससे पहले एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था जो 2023 से पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारी भेज रहा था। इसके बदले उसे भारत में कई सोर्सेस से पैसे मिल रहा था। अब इस मामले में एनआईए ने और कड़ियां जोड़ते हुए ये छापेमारी की। मामले में कई धाराओं के तहत जांच चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के मुताबिक जासूसी के शक में राजस्थान के तीन जगहों पर छापेमारी की गई है। हालांकि, ये साफ नहीं है कि टीमें किन शहरों में पहुंची हैं। राजस्थान के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। संदिग्धों के घरों, कार्यालयों में दबिश दी गई है। तलाशी के दौरान एनआईए की टीम को कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, पैसों का ट्रांजैक्शन, मोबाइल कॉल डिटेल, मोबाइल से फोटो और मैसेज रिकवर हुए हैं। इस दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले सीडीएस- हमने 15 मिनट फेक न्यूज का मुकाबला करने में खो दिए

नई दिल्ली। फेक न्यूज और गलत सूचनाएं बहुत कुछ प्रभावित कर देती हैं। इसका असर केवल मानवीय जीवन पर ही नहीं पड़ता, बल्कि युद्ध जैसी परिस्थित पर भी पड़ता है। पिछले माह ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने ध्वस्त करने में सेना के 15 मिनट सिर्फ गलत और फेक सूचनाओं का मुकाबला करने में बर्बाद हो गए। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लगभग 15 प्रतिशत समय फेक न्यूज और गलत सूचना का मुकाबला करने में चला गया। उन्होंने इस चार दिवसीय सैन्य संघर्ष को नॉन-कॉन्टैक्ट और मल्टी-डोमेन युद्ध करार दिया, जो भविष्य के युद्धों का संकेत देता है। एक इंटरव्यू में सीडीएस ने कहा, संकट के दौरान भारत ने पूर्ण संचालनात्मक स्पष्टता और स्वायत्तता बनाए रखी, चाहे वैश्विक भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य कुछ भी रहा हो। उन्होंने बताया कि भारत ने चीन के साथ 3,488 किमी लंबी एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर कोई असामान्य गतिविधि नहीं देखी, हालांकि पाकिस्तान और चीन के बीच घनिष्ठ सैन्य संबंध हैं।

आतंकवाद के खिलाफ नई रेड लाइन खींची

सीडीएस चौहान ने कहा कि भारत ने अब आतंकवाद और प्रॉक्सी वॉर के खिलाफ एक नई रेडलाइन तय कर दी है और उम्मीद जताई कि पाकिस्तान इससे सबक सीखेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में पाकिस्तान से जुड़ा कोई भी आतंकी हमला हुआ तो भारत की प्रतिक्रिया सटीक और निर्णायक होगी। उन्होंने बताया कि फेक न्यूज़ और गलत प्रचार के खिलाफ लड़ाई में समय और ऊर्जा लगी। इसलिए उन्होंने इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर के लिए एक अलग वर्टिकल की आवश्यकता बताई। शुरुआत में दो महिला अफसरों को प्रवक्ता नियुक्त किया गया था, जबकि सीनियर सैन्य अधिकारी ऑपरेशन में व्यस्त थे। 10 मई के बाद तीनों सेनाओं के डीजीएमओ ने मीडिया को ब्रीफ किया। जनरल चौहान ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान साइबर हमले सीमित थे। हालांकि कुछ डिनायल-ऑफ-सर्विस अटैक हुए, लेकिन भारत के एयर-गैप्ड सैन्य सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित रहे।

खास खबर

विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं चिराग

पटना। लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। लोजपा रामविलास पार्टी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चिराग पासवान सुरक्षित सीट के बजाए सामान्य सीट से विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। सीटों के चयन को लेकर पार्टी मंथन करने में जुटी है। पिछले दिनों लोजपा रामविलास पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों और मोर्चा की बैठक हुई, जिसमें कई प्रस्ताव पास किए गए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण था कि चिराग पासवान को विधानसभा चुनाव लडने् का। चिराग पासवान बिहार विधानसभा का चुनाव नीतीश कुमार के अगुआई में लड़ेंगे और एनडीए की मजबूती के लिए साथ प्रचार करेंगे।

मई में दो लाख करोड़ वसूला गया जीएसटी

नई दिल्ली। जीएसटी वसूली में मई महीने में रिकॉर्ड टूट गया है। मई महीने में 2,01,050 करोड़ रुपये जीएसटी वसूली हुई। इस महीने में पिछले साल के मुकाबले 16.4 फीसदी अधिक जीएसटी संग्रह किया गया। इससे पहले अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढक़र 2.37 लाख करोड़ के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2024 में वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये था। यह 01 जुलाई 2017 से जीएसटी लागू होने के बाद दूसरा सबसे अधिक संग्रह था। मार्च 2025 में जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं मार्च में सकल जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढक़र 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढक़र 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढक़र 46,919 करोड़ रुपये हो गया।

सांसद प्रिया-क्रिकेटर रिंकू की रिंग सेरेमनी 8 को

वाराणसी। जौनपुर की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। 8 जून को लखनऊ के सेवन स्टार होटल में रिंग सेरेमनी में होगी। शादी करीब 6 महीने बाद 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी। यह जानकारी प्रिया के विधायक पिता तूफानी सरोज ने दी। उन्होंने बताया कि रिंग सेरेमनी में रिंकू और मेरे परिवार के करीबी लोग मौजूद रहेंगे। जबकि शादी में राजनेता, फिल्म स्टार और उद्योगपतियों को निमंत्रण भेजा जाएगा। शादी पारंपरिक तरीके से होगी।

जनवरी, 2025 में क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज के रोके की खबर सामने आई थी, जिसकी पुष्टि सांसद प्रिया के पिता तूफानी सरोज ने की थी। उन्होंने कहा था कि बेटी की शादी रिंकू सिंह से तय हुई है और जल्द ही रिंग सेरेमनी की जाएगी।

यूपी में 40 दिन में 3 टंकियां गिरीं

लखनऊ। यूपी में जल जीवन मिशन से लोगों को उम्मीद जगी कि अब घर तक पानी आएगा। इंतजार खत्म हुआ, लेकिन टंकियां गिरने से उम्मीद टूटने लगी। सीतापुर में 3 दिन पहले अचानक ढाई लाख लीटर की पानी टंकी तेज धमाके के साथ फट गई। कुछ सेकेंड तक बादल फटने जैसा मंजर दिखा। घरों में 1 फीट तक पानी भर गया। यह पहली बार नहीं है, 40 दिन में यूपी में गिरने वाली यह तीसरी टंकी है। लखीमपुर और कानपुर में इसी तरह से पानी की टंकियां धड़ाम हो गईं।

वोट बैंक को खुश करने ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन एक्ट का विरोध कर रही ममता - अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में एक कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन एक्ट का विरोध कर रही हैं।

लेकिन ममता ऐसा करके देश की माताओं और करोड़ों बहनों का अपमान कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य की माताएं और बहनें ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने के लिए सीएम ममता और टीएमसी को पूरा सबक सिखाएंगी। दो दिन के बंगाल दौरे के पहले दिन केंद्रीय मंत्री शाह ने विजय संकल्प कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जब पहलगाम आतंकी हमले में बंगाली पर्यटक मारे गए, तब ममता बनर्जी चुप रहीं। मुर्शिदाबाद दंगा राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित था। गृह मंत्रालय ने वहां बीएसएफ

की तैनाती की बात कही थी, लेकिन दंगाईयों को बचने में लगी ममता सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, जिससे हिंसा जारी रही। भाजपा के चाणक्य शाह ने कहा कि वक्फ संशोधन एक्ट को लेकर मुर्शिदाबाद में हुए दंगों में टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। दंगों में 3 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ममता तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कानून के खिलाफ हैं। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि टीएमसी बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि ममता ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खोल दी हैं। बंगाल की सरकार ने बीएसएफ को आवश्यक जमीन नहीं दी है। क्योंकि ऐसा करने से अवैध घुसपैठ रुक जाएगी। जो कि ममता का वोट बैंक बना चुका है। इसलिए ममता बीएसएफ को जमीन नहीं देना चाहती है।

पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले केंद्रीय मंत्री शाह ने कोलकाता के राजारहाट में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (सीएफएसएल) का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एक सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली बना रही है।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार को लगा बड़ा झटका, 7 विधायकों ने छोड़ा साथ

मुंबई,। नगालैंड की राजनीति में बड़ा सियासी भूचाल आया है, अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सात विधायकों ने सत्ताधारी एनडीपीपी में विलय कर लिया है। जिससे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को नगालैंड में बड़ा झटका लगा है। खबर है कि नगालैंड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सात विधायक अजित पवार का साथ छोड़कर सत्ताधारी एनडीपीपी में शामिल हो गए हैं। एनडीपीपी में 7 विधायकों के शामिल होने से मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के नेतृत्व में एनडीपीपी पार्टी को विधानसभा में पूर्ण बहुमत मिल गया है। अजित पवार गुट के विलय के साथ ही विधानसभा में एनडीपीपी की संख्या 32 पहुंच गई है। एनसीपी विधायकों के आने से एनडीपीपी के विधायकों की संख्या 25 से बढ़कर 32 हो गई है। एनडीपीपी को अब बीजेपी के समर्थन की जरूरत नहीं पड़ेगी।

- किन विधायकों ने छोड़ा साथ

अजित पवार का साथ छोड़ने वाले विधायकों के नाम इस प्रकार है- नमरी एनचांग- टेनिंग, पिक्टो शोहे- अतोइजू, वाई. मोहोनबेमो हम्तसोए- वोखा टाउन, वाई. मनखाओ कोन्याक- मॉन टाउन, ए. पोंगशी फॉम- लॉन्गलेंग, पी. लांगोन- नोकलाक और एस. तोइहो येप्थो- सुरुहोटो

यह विलय एनसीपी के अजित पवार गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि नागालैंड में एनसीपी के सभी विधायक पहले उनके गुट में थे। अब इस विलय से एनडीपीपी की ताकत और मजबूत हो गई है क्योंकि वर्तमान में नागालैंड विधानसभा में कोई विपक्षी दल नहीं है। इस घटनाक्रम से नागालैंड के राजनीतिक समीकरण में बड़े बदलाव आने की संभावना है। नागालैंड विधानसभा अध्यक्ष शारिंगेन लाँगकुमर ने दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4(2) और नागालैंड विधानसभा सदस्य (दल-बदल से अयोग्यता) नियम, 2019 के तहत इसे मंजूरी दी।

कव्वाल नौशाद अली की बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कर दी पिटाई...

महिला के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप

इंदौर। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मुंबई निवासी कव्वाल नौशाद अली को एक महिला के साथ कथित रूप से अश्लील हरकत करते पकड़कर पुलिस के हवाले किया। घटना सदर बाजार के गणेश कॉलोनी की है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि कव्वाल अली ने दर्जी समाज की 35 वर्षीय महिला को झांसे में लेकर अपने फ्लैट पर बुलाकर उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें की। सूचना के बाद विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी तन्नू शर्मा के नेतृत्व में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नौशाद को रंगे हाथ पकड़ा और उसकी पिटाई कर थाने ले आए। बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी गुजराती दर्जी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल सोनी को दी गई थी। इसके बाद संगठन के लोग भी थाने पहुंचे। हालांकि, पीड़िता महिला द्वारा कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई, इस लेकर हिंदूवादी संगठन देर रात तक एफआईआर दर्ज कराने के लिए मनाने में जुटे रहे। फिलहाल पुलिस ने नौशाद अली के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को अली को एसीपी कोर्ट में पेश किए जाने की संभावना है।

नासिक में होने वाले कुंभ की तारीखों का ऐलान

नासिक । महाराष्ट्र के नासिक में 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें देश भर से आए साधु-संत और प्रमुख अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सीएम फडणवीस ने त्र्यंबकेश्वर में सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 की तैयारी बैठक से पहले विभिन्न अखाड़ों के सम्मानित महंतों का पारंपरिक स्वागत किया और उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही बैठक में अमृत स्नान और प्रमुख पर्वों की तारीख निश्चित कर ली गई है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में नासिक में आयोजित बैठक में कुंभ को लेकर रूपरेखा तय की गई। इसे लेकर सीएम फडणवीस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, त्र्यंबकेश्वर, नासिक में होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले 2027 की पूर्व तैयारी बैठक में अमृत स्नान और प्रमुख पर्वों की तारीख निश्चित कर ली गई है। हमारी गोदावरी मां की निर्मल धारा अविरल बहती रहे, इस दृष्टि से कई योजना बनाई गई है। इस हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हमने 4000 करोड़ रुपये के कार्यों की शुरुआत के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं, जबकि लगभग 2000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

साधु-संतों के लिए जमीन खरीदी जाएगी। तपोवन की जमीन खाली कराई जाएगी। गोदावरी नदी की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस बार 13 अखाड़े कुंभ मेले में भाग लेंगे। श्रद्धालु जगतगुरु शंकराचार्य और साधु-संतों के दर्शन कर सकेंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ मंत्री गिरीश महाजन, दादा भुसे, महंत हरी गिरी, और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। नासिक में 2027 का सिंहस्थ कुंभ भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार कुंभ में तीन शाही स्नान और 45 कुंभ स्नान होंगे। पहला शाही स्नान 2 अगस्त 2027 को सोमवती अमावस्या के दिन होगा।

पहले ईडी अब आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा, सीबीआई की करप्शन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई का शिकंजा लगातार कस रहा है। पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया और अब आयकर विभाग के एक वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने जिस अधिकारी को गिरफ्तार किया है, उनका नाम अमित कुमार सिंघल है। वे 2007 बैच के आईआरएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वे नई दिल्ली स्थित आयकर सेवा निदेशालय में सीनियर एडिशनल डायरेक्टर जनरल के पद पर तैनात थे।

सीबीआई के अनुसार, सिंघल ने एक शिकायतकर्ता से 25 लाख रुपये की रिश्वत की मांगी थी। यह रकम कथित तौर पर एक कारोबारी के टैक्स मामलों में मदद करने के लिए मांगी गई थी। सीबीआई ने योजना बनाकर सिंघल को रिश्वत लेकर रंगे हाथों पकड़ा। मामले में केवल अधिकारी ही नहीं, बल्कि निजी व्यक्ति हर्ष कोटक को भी गिरफ्तार किया है। हर्ष कोटक इस घूसखोरी में बिचौलिए की भूमिका में था।

यह गिरफ्तारी तब हुई है, जब हाल ही में सीबीआई ने ईडी के एक अधिकारी को भी भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसमें सीबीआई की ये लगातार कार्रवाई करप्शन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का संकेत देती है। घटनाक्रम न केवल प्रशासनिक जवाबदेही को बल देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकारी सिस्टम में खुद-सुधार की प्रक्रिया सक्रिय है।

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को नहीं दी राहत

जुर्म का मकसद साबित न होना जरूरी नहीं...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले में कहा कि जुर्म का मकसद साबित न होना अहम नहीं है। अगर बाकी सभी सबूत पुख्ता हैं तो आरोपी को सजा दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक में 2006 में हुई हत्या के एक मामले में यह टिप्पणी की। आरोपी युवक को निचली अदालत ने दोषी करार दिया था, जिसे हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने भी युवक को राहत नहीं दी और उसकी याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच

ने याचिका पर सुनवाई की, जिसमें आरोपी युवक ने मृतक की गोली मारकर हत्या की थी। अभियोजन पक्ष ने अंतिम बार साथ देखा गया सिद्धांत, मामले से जुड़े सामानों की बरामदगी और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध किया। अपीलकर्ता ने तर्क देते हुए सजा को चुनौती दी थी कि अभियोजन पक्ष हत्या के पीछे के उद्देश्य को साबित नहीं कर सका। जब हत्या के पीछे का मकसद ही नहीं है तो दोषसिद्धि नहीं होनी चाहिए। अभियोजन पक्ष ने कहा कि मृतक की ओर से 4,000 रुपए का कर्ज वासप नहीं करना और पैसे मांगने पर अपीलकर्ता को अपमानित करना ही हत्या का कारण था।

सुप्रीम कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के इस तर्क को स्वीकार किया कि आरोपी के मन में मृतक के प्रति रोष था। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उनके बीच कोई वित्तीय लेनदेन नहीं भी था, तब भी यह अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर नहीं करता, क्योंकि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, जिसमें उद्देश्य का सख्त प्रमाण जरुरी नहीं होता।

कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति का उद्देश्य साबित करना कठिन होता है, क्योंकि वह व्यक्ति के मन के अंदर छिपा रहता है और अगर वह स्वयं कोई खुली घोषणा न करे, तो उसके व्यवहार और क्रियाकलापों से ही उद्देश्य का अनुमान लगाया जा सकता है।

कर्नाटक सरकार की युवाओं को नशे से दूर रखने की बड़ी पहल

कर्नाटक में हुक्का बार पर प्रतिबंध और तंबाकू पर सख्त नियम लागू

बेंगलुरू। कर्नाटक सरकार ने युवाओं को तंबाकू और नशे की आदतों से दूर रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य में हुक्का बारों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है और 21 साल से कम उम्र के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री करना अब अवैध घोषित किया गया है। यह नया कानून सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2024 में पारित किया गया है और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद प्रभावी हो गया है। इस नये कानून के अनुसार हुक्का सेवन केंद्रों को बंद करने का निर्देश दिया गया है। कोई भी बार, कैफे, पब या रेस्टोरेंट अब हुक्का सर्व नहीं कर पाएगा, और हुक्का बार चलाने वालों को अब एक से तीन साल की जेल और 50,000 से 1 लाख रुपए तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। इसके अलावा, किसी भी स्कूल, कॉलेज या अन्य शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह से बैन कर दी गई है। साथ ही, तंबाकू उत्पादों की बिक्री की न्यूनतम आयु सीमा को 21 वर्ष कर दिया गया है।

सरकार का कहना है कि इन निर्वाचनों का उद्देश्य युवा पीढ़ियों को तंबाकू और नशे की लत से बचाना और सार्वजनिक स्थानों को स्वस्थ और सुरक्षित बनाना है। स्कूलों और कॉलेजों में भी तंबाकू के संबंधित उत्पादों के विपरीत नापसंदीकरण के लिए कठोर कार्रवाई की जा रही है। ऐसे कानूनों के पालन से समाज में स्वस्थ और बेहतर माहौल बनाने के लिए सरकार ने किया है और नागरिकों से यह अपील की है कि वे भी इन उपायों का समर्थन करें।

1 माह के भीतर सर्पदंश से 12 से अधिक मौत

झाड़ फूक के चक्कर में ग्रामीण गवा रहे जान, बदलते मौसम में जहां-तहां दिख रहा सांपों का कहर , इलाज और जागरुकता के अभाव में होती है अक्सर मौतें

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पल पल में बदलते मौसम के बीच जिले भर से सर्पदंश की घटनाएं लगातार सामने आ रही है।जहां समय पर उचित और पर्याप्त उपचार न मिलने से कई बार सर्पदंश के मामलों में मौत भी हो जाती है।लगातार बढ़ती जा रही सर्पदंश की इन्ही घटनाओं के बीच, पिछले एक माह में अब तक 40 से अधिक सर्पदंश के मामले सामने आए हैं।तो वही सर्पदंश के इन्हीं मामलों में जागरूकता की कमी, झाड़ फूक का चक्कर और समय पर पर्याप्त व उचित उपचार न मिलने के चलते करीब एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है। वहीं जिले में सर्पदंश मामलों में रोजाना इजाफा देखा जा रहा है।जिससे मौते के आंकड़ों में और अधिक वृद्धि होने की आशंका जताई जा रही है। जिन्हें देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्पदंश की घटना होने पर झाड़ फूक के चक्कर में ना पड़ने हुए यथाशीघ्र सर्पदंश के शिकार व्यक्ति को अस्पताल पहुचाने, और समय पर एंटी स्नेक डोज दिलाकर इन आकड़ो में कमी लाने की अपील की गई है।

अज्ञानता के चलते झाड़-फूंक और टोटकों को प्राथमिकता दे रहे लोग

जानकारी के मुताबिक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सांप काटने पर ग्रामीण पद्धति से झाड़-फूंक और टोटकों का सहारा लिया जा रहा है। रुपझर थाना क्षेत्र लीलामेटा के श्याम मर्सकोले और लगमा की एक महिला का भी झाड़-फूंक व मंत्रोच्चार का सहारा लेकर सांप का जहर उतारने के प्रयास किया गया। लेकिन यह सब प्रयास असफल हुए और दोनों असमय ही काल के गाल में समा गए। जिले में सर्पदंश के ज्यादातर मामलों में यह बात स्पष्ट तौर पर सामने आ चुकी है कि सर्पदंश का शिकार होने पर लोग अज्ञानता और जागरूकता की कमी के चलते पहली प्राथमिकता झाड़ फूंक और टोटको को देते हैं और जब बात नहीं संभालती तो वे उपचार करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते हैं। जहां समय पर पर्याप्त उपचार न मिलने के चलते ही सर्पदंश से उक्त व्यक्ति की मौत हो जाती है।जिनके परिणाम स्वरूप जिले में एक माह के भीतर 1 दर्जन से अधिक मौत हो चुकी है और इसके आंकड़े लगातर बढ़ाते ही जा रहे हैं।

सर्पदंश से मरने वालों में सबसे अधिक ग्रामीण

नौतपा के बीच बे-मौसम बारिश होने से जहरीले जीव-जंतुओं ने बिलों से बाहर निकलना शुरु कर दिया है।जो लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इधर ग्रामीण जागरुकता के अभाव में अब भी संर्प दंश के मामलों में झाड़-फूक व घरेलू उपचार को अधिक अहमियत दे रहे हैं। परिणाम स्वरुप समय पर चिकित्सकीय उपचार नहीं मिलने से उनकी मौत हो रही है।जानकारी के अनुसार जिले की अधिकांश आबादी ग्रामीण अंचलों में बसी है। इन इलाकों में जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा अधिक होता है।कारण यहीं है कि सर्पदंश से मरने वाले आंकड़ों में ग्रामीण क्षेत्र के लोग अधिक है।चिकित्सक भी इन मौतों का कारण जागरुकता का अभाव बताते हैं। जिनके मुताबिक सर्प के डसने के बाद ग्रामीण उपचार न कराते हुए झाड़-फूक में लगे रहते हैं। इस दौरान जहर पूरे शरीर में फैल जाता है और मौत हो जाती है।आपको बताए कि अक्सर बरसात के पूर्व होने वाली बारिश के दौरान सर्पदंश के मामले बढ़ जाते है।वही हर साल जागरूकता की कमी व समय पर सही उपचार ना मिलने के चलते कुछ लोग समय पूर्व अपनी जान गवा देते है

अब तक एक दर्जन से अधिक की हो चुकी है मौते

आकड़ो पर यदि गौर किया जाए तो मई माह को मिलाकर सर्पदंश से अबतक 1 दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सर्पदंश से मरने वालों में उकवा लीलामेटा निवासी श्याम मर्सकोले, लगामा निवासी एक महिला, बालाघाट खैरी निवासी रूबीना पिता गणेश गिरी (18), मलाजखंड निवासी महिमा पिता जगतलाल कावरे (16), बिरसा नयाटोला निवासी चमारिन पिता बजरु सिंह (3), लांजी के ग्राम डाबरी भंडेरी निवासी तोमलताबाई (30), मलाजखंड पल्हेरा निवासी चुन्नीलाल (35), किरनापुर बोरेगांव निवासी महिला, खैरलांजी के भैरगढ़ निवासी एक व्यक्ति, लांजी झुनझुनवर्धा में महिला सहित लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ढुटी निवासी 40 वर्षीय पुष्पकला पति राजकुमार तरवरे की, लामता अस्पताल में ईलाज के दौरान मौत हो गई।बताया जा रहा है महिला घर पर गोबर की लीपाई कर रही थी, इस दौरान हाथ की अंगुली में महिला को जहरीले सर्प ने काट लिया। जिसके बाद परिजन, उसे सीधे अस्पताल ना लाकर, सर्पीबारी से सांप का जहर उतरने वाले के पास ले गए। जहां भी महिला के स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उसे परिजन लामता अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन घटना के बाद देरी से अस्पताल लाने के कारण, सर्प का जहर, शरीर में ज्यादा फैलने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका।

सर्पदंश के मामललो में लापरवाही ना बरते- उपलव

सर्पदंश के लगातार बढ़ते जा रहे मामलों को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सीएमएचओं डॉ परेश उपलव ने बताया कि साँपो के डसने के बाद भी उसका उपचार संभव है। लेकिन पीड़ित जागरुकता के अभाव में झाड़-फूंक और अन्य नुस्खे अपनाते हैं। इस दौरान इलाज में देरी होती है और मरीज को जान गंवानी पड़ती है। लोगों को झाड़-फूंक न कराते हुए चिकित्सकों से उपचार कराना चाहिए। उन्होंने बताया कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध है।बारिश को देखते हुए और वैक्सिन मंगवाई गई हैं। वहीं जिले के सभी सीएससी व दोनों सिविल अस्पतालों में वैक्सीन भेज दी गई है। कलेक्टर के निर्देश पर ग्रामीण अंचलों के स्वास्थ्य केन्द्रों की स्टॉफ नर्सो को भी इस वैक्सीन के उपयोग को लेकर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

एक नजर मे

1. सर्पदंश के बाद झाड़-फूक में समय न गंवाते हुए नजदीकी डॉक्टर से इलाज कराएं।
2. शाम के समय नीम की पत्ती जलाकर धुंआ करें।
3. रात के समय जमीन में न सोंए।
4.सोने के लिए पलंग का उपयोग करें व सफाई पर विशेष ध्यान दें।
5. घर की दीवारों में चूहे द्वारा किए गए बिलों को पूरी तरह बंद करें दें।
6. घर में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करके रखें।
7. घर से रात के समय निकलते समय रोशनी का उपयोग करें।

जिला स्तरीय लीग कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

खेल विभाग प्रथम, कबड्डी संघ द्वितीय, तो आजाद क्लब ने पाया तृतीय स्थान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला कबड्डी संघ के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय लीग कबड्डी प्रतियोगिता के फाईनल मुकाबले के बाद समापन किया गया। फाइनल में खेल विभाग की टीम विजेता घोषित की गई। तो वही उपविजेता जिला कबड्डी संघ टीम बालाघाट रही।इसी

तरह प्रतियोगिता में तीसरा स्थान शहीद चंद्रशेखर आजाद क्लब बालाघाट ने प्राप्त किया।प्रतियोगिता समापन पर नगर के मूलना स्टेडियम हाल में एक कार्यक्रम का आयोजन कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमलजीत छाबड़ा द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमो के अलावा प्रतियोगिता में शामिल सभी टीमो ट्राफी एवं नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।अपने उद्बोधन में उन्होने कबडडी खेल के प्रति अपनी रूचि दिखाते हुए कहा कि इस खेल में काफी शारीरिक एवं मानसिक स्थिति का संचालन करना पड़ता है।अंत मे उन्होंने भविष्य के लिये सभी खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाये प्रेषित की। इस अवसर पर जिला कबड्डी संघ महासचिव रमेश दीक्षित, रामकिशोर राहंगडाले सचिव, खेमलाल वरकडे सहसचिव, डॉ. वेदप्रकाश लिल्हारे, पूरनसिंह भाटिया, जितेन्द्र कोचर, भीमराज ठाकरे, उमेश सपाटे, राकेश सिंगारे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप उपस्थित रहे जिन्होंने सभी खिलाड़ियो को शुभकामनाये प्रेषित की।वही कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

प्लास्टिक के ड्रमों एवं बोरियों में भरा 1050 किलो लाहन जप्त

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी है। रविवार को आबकारी वृत बालाघाट के द्वारा ग्राम जागपुर में नाला किनारे अलग अलग स्थानों पर ड्रमों एवं बोरियों में भरा हुआ लगभग 1050 किलो लाहन जप्त कर 02 प्रकरण मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गया। वहीं सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया। जप्त सामग्री का बाजार मूल्य 1,05,000 रूपये बताया गया है। इस कार्यवाही मे वृत प्रभारी, उपनिरीक्षक रमाकांत बघेल, आरक्षक सुरेंद्र गजभिए, लखन चौधरी चिंतामणी उपस्थित रहे।

मई माह भर चले खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

जिले के करीब 2300 खिलाड़ियों ने पाया प्रशिक्षण

कलेक्टर श्री मीना ने शिविर समापन पर पुरुष्कृत कर दी बधाई

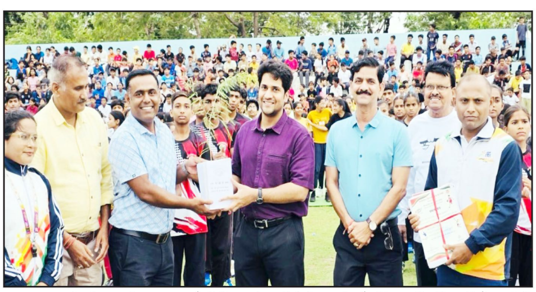

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मप्र शासन के निर्देशन एवं कलेक्टर मृणाल मीना व पुलिस अधीक्षक श्री नगेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 01 मई से 31 मई तक एक माह का खेल प्रशिक्षण शिविर मुलना स्टेडियम सहित अन्य स्थानों पर आयोजित किया गया था। इस खेल प्रशिक्षण शिविर में जिला मुख्यालय में 10 खेल और सभी विकासखंड मुख्यालयों में 2-2 खेलों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। जिसमे एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल कराते, बैडमिंटन, लॉन टेनिस क्रिकेट, हॉकी, बास्केटबॉल का आयोजन किया गया। जिसमे जिले से लगभग 2300 खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और विभाग में ऑनलाइन पंजीयन भी कराया। इस खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन कार्यक्रम 01 जून को मुलना स्टेडियम के प्रांगण में किया गया। जिसमे कलेक्टर श्री मीना द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरुष्कार स्वरूप प्रमाण पत्र वितरित किये गए। साथ ही सभी से खेलों के प्रति अपनी भूमिका को निरंतर जागरूक रखने के लिए कहा गया। चूँकि खेल व्यक्तिगत जीवन को स्वस्थ और निरन्तर क्रियाशील रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। समापन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर और जिले के समस्त खेल संघों के पदाधिकारी सभी प्रशिक्षक और अधिक से अधिक संख्या में जिले के खिलाड़ियों की उपस्थिति रहें।

रजेगांव में एक व्यक्ति विद्युत करेंट से झुलसा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रजेगांव में विद्युत करेंट लगने से एक व्यक्ति झुलस गया। विद्युत करंट झुलसे व्यक्ति रामेश्वर पिता गेंदलाल जामरे 60 वर्ष ग्राम धड़ी थाना किरनापुर निवासी है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। प्राप्त

जानकारी के अनुसार रामेश्वर जाम रे अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा खाली समय में मजदूरी भी करते हैं। 1 जून को रामेश्वर जामरे अपने गांव के दो साथियों के साथ ग्राम रजेगाव में एक व्यक्ति के मकान में कवेलू छाने के लिए आए थे। दोपहर 1:00 बजे कवेलू छाने के बाद रामेश्वर जामरे और उसके दो साथी कवेलू वाले कच्चे मकान से उतरकर बाजू में स्थित एक स्लैप वाले मकान में आ रहे थे। तभी रामेश्वर जामरे उस मकान के ऊपर से गुजरी 11 हजार केवी विद्युत लाइन के संपर्क में आने से वह विद्युत करेंट लगने से झुलस गया ।जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

देबरवेली चौकी ग्राम नरपी के गढीटिकरा जंगल में मिला नक्सली डंप

आईईडी ब्लास्ट की विस्फोटक सामग्री जप्त,पुलिस ने तेज किया सर्चिंग अभियान, मलाजखंड दलम के अज्ञात नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले को भले ही अति नक्सल प्रभावित जिले की सूची से बाहर कर दिया गया हो, लेकिन जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में नक्सली गतिविधियां बा-दस्तूर जारी है। इसी कड़ी में जिले के थाना लांजी नक्सल प्रभावित क्षेत्र देबरवेली चौकी ग्राम नरपी के गढीटिकरा जंगल में की जा रही सर्चिंग के दौरान पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।जहां बालाघाट पुलिस ने ग्राम नरपी के गढीटिकरा जंगल क्षेत्र से जमीन के अंदर गड़ा कर रखा गया नक्सली डंप बरामद किया है।जिसका उपयोग नक्सलियों द्वारा आईईडी ब्लास्ट कर पुलिस पार्टी व आमजनों को नुकसान पहुचाने के लिए किया जा सकता था।इससे पहले ही पुलिस ने नक्सली मंसूबो को ना-कामयाब करते हुए नक्सली डंप को जप्त कर लिया है।वही मलाजखंड दलम के अज्ञात नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर नक्सलियों की धरपकड़ के लिए,सर्चिंग अभियान तेज किया है।

हॉकफोर्स और बीडीडीएस टीम कर रही थी सर्चिंग

भारत सरकार के मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन के लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हुए बालाघाट पुलिस लगातार नक्सल विरोधी अभियान चला रही है। उक्त परिप्रेक्ष्य में शनिवार को पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार सीआरपीएफ 7 वी वाहिनी अल्फा कंपनी कोरका के द्वारा देबरवेली चौकी लांजी थाना अंतर्गत गढीटिकरा जंगल क्षेत्र में सर्चिंग की कार्यवाही की जा रही थी।। इस दौरान ही ग्राम नरपी के गढीटिकरा जंगल में सर्चिंग टीम की बीडीडीएस की सहायता से नक्सली डंप का पता चला। जिसे सुरक्षित तरीके से नक्सलियों ने गड्ढा खोदकर छिपाया गया था। जिसे सर्चिंग टीम में लगे जवानो ने खोदकर बाहर निकालकर बलास्टिंग के रूप में उपयोगी नक्सली सामग्रियों को जप्त किया गया है। वही अज्ञात नक्सलियों की धरपकड़ के लिए सर्चिंग अभियान तेज किया गया है।

छिपाकर रखी गई थी ये सामग्री

बताया जा रहा है कि नक्सलियों द्वारा किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जंगल के भीतर गड्ढा खोदकर बलास्टिंग के उपयोग में आने वाली सामग्री छुपा कर रखी गई थी।उन नक्सली सामग्री को पुलिस द्वारा जप्त किया गया है। बताया गया कि जवानो को सर्चिंग के दौरान जंगल क्षेत्र में दो बड़े पत्थरो के बीच कुछ जमीन उठी हुई दिखी जो शंकास्पद होने पर बीडीडीएस टीम द्वारा चेक करने पर संदिग्ध सामाग्री रखी दिखी।जिसको बाहर निकलने पर एक कंटेनर में आई0ई0डी बनाने की सामग्री जैसे इलेक्ट्रिक वायर, ट्रिप वायर, केमिकल रेड आक्साइड, पोटेशियम परमेंग्नेट, ग्लीसरीन आदि सामग्री मिली जिन्हें पुलिस द्वारा जब्त किया गया है।

नक्सली वारदातों को अंजाम देने, छुपाई थी सामग्री

मामले को लेकर देर रात पुलिस द्वारा जारी की गई प्रेस नोट में बताया गया कि इस सर्चिंग के दौरान ग्राम नरपी के गढीटिकरा जंगल क्षेत्र में पुलिस पार्टी को एक प्लास्टिक का कंटेनर दो पत्थरों के मध्य छिपा हुआ दिखा। कंटेनर शंकास्पद प्रतीत होने पर पुलिस की बीडीडीएस टीम द्वारा एसओपी का पालन करते हुए उक्त कंटेनर को चेक किया गया। कंटेनर में आई0ई0डी बनाने की सामग्री जैसे इलेक्ट्रिक वायर, ट्रिप वायर,केमिकल रेड आक्साइड, पोटेशियम परमेंग्नेट, ग्लीसरीन आदि बरामद किया गया।बताया गया कि जो नक्सली डंप बरामद किया है, उसमें जो सामग्री मिली है। उसका उपयोग नक्सली, नक्सली वारदातों को अंजाम देने के लिए कर सकते थे। ताकि सुरक्षाबलों और आम नागरिकों को जान-माल का नुकसान पहुंचा सके। नक्सलियों का डंप बरामद होने से नक्सलियों के मंसुबो में पानी फिर गया है।

अज्ञात नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज, सर्चिंग अभियान तेज

उधर नक्सली डंप मिलने के बाद मलाजखंड दलम के अज्ञात नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है।जहां थाना बिरसा अल्फा 7 वी बटालियन सीआरपीएफ कैम्प कोरका के कमांडिंग ऑफिस वनीत कुमार कपूर की शिकायत पर थाना लांजी देवरबेली चौकी पुलिस ने विस्फोटक समाग्री डंप वाले इस मामले में अज्ञात नक्सलियों के खिलाफ धारा 4-5 विस्फोटक प्रदार्थ अधिनियम 1908, एंव 13(1)ए, 13(1)बी विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1967 के तहत मामला दर्ज कर नक्सलियों की धरपकड़ के लिए जंगल क्षेत्रो में सर्चिंग अभियान तेज

आवश्यकता है
पंचकर्म थेरेपिस्ट (महिला एवं पुरूष)
योग्यता-12वीं पास या डिप्लोमा
पता-सुनेरी आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक प्रेमनगर, वार्ड नं. 25 मार्डीकर गली बालाघाट
7000293553, 9479697117

मप्र विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ प्रांतीय उपाध्यक्ष अशोक जैन और निपेन्द्र सिंह का आगमन आज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पत्रोंपाधि अभियंता संघ के अध्यक्ष सुभाष नाग, संदीप सहारे, बिरजू उइके, सरफराज, राहुल तुरकर , राजेश श्रीवास्तव अजय साहू , ललित मार्को , मनोज ठाकरे , कमलेश नेताम ने जारी बयान में बताया कि पत्रोंपाधि अभियंता संघ का बालाघाट में स्थित पुराना सरेखा 2 विद्युत वितरण केंद्र में स्थित संघ कार्यालय पुराना पावर हाउस का उद्घाटन एवं संघ की डायरी का विमोचन 2 जून को किया जाएगा। यह आयोजन शाम 4 बजे से होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता दीपक उईके , सकल भान शाह इनवाती, अध्यक्षता इंजीनियर अशोक जैन प्रातीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष जबलपुर, विशिष्ट अतिथि इंजीनियर आर के विहोने, श्रीरवि कुम्हरे , बी एल भैना , चंद्रहास चंद्राकर, पद्‌माकर गजभीये, निपेंद्र प्रताप सिंह जबलपुर शामिल होंगे। सभी संघ सदस्यों से उपस्थित होने की अपील संघ पदाधिकारी इंजीनियर सुभाष नाग अध्यक्ष मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पत्रोंपाधि अभियंता संघ बालाघाट सहित अन्य पदाधिकारियो ने की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

प्रेमनगर के प्रवेश द्वार पर शुरू हुई श्रेय लेने की राजनीति

वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद ने वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद पर लगाया प्रवेश द्वार लगाए जाने पर श्रेय लेने का आरोप

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शहर के गोंदिया रोड स्थित वार्ड क्रमांक 27 प्रेमनगर के मुख्य द्वार पर प्रवेश द्वार लगाया जा रहा है। जिसका काम अब अंतिम दौर पर चल रहा है। जिससे लगाये जाने की बात वार्ड क्रमांक 26 सहित कुछ वार्डवासी अपने द्वारा किया गया प्रयास बता रहे हैं । जबकि वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष द्वारा बताया जा रहा है कि वह बीते कुछ वर्षों से प्रेमनगर के मुख्य द्वार पर प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर अपने वार्ड के लोगों के साथ बीते कुछ वर्षों से लगे हुए हैं किंतु उनका कहना है कि वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद इस प्रवेश द्वार को लगाए जाने को लेकर श्रेय लेने का काम कर रहे हैं। जो कि गलत है , जबकि वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद द्वारा प्रवेश द्वार लगाने को लेकर कभी कोई प्रयास नहीं किया गया, सिर्फ अंतिम समय में वार्ड के कुछ लोगों के साथ आकर आवेदन देने को ही वह अपने द्वारा प्रवेश द्वार लगाए जाने की बात कर रहे हैं जो कि गलत है, उन्हें इस प्रकार से झूठा श्रेय नहीं लेना चाहिए इस विषय को लेकर आशुतोष डहरवाल द्वारा मीडिया में अपनी बात रखी गई है।

आपको बता दे की अभी कुछ दिन पहले ही वार्ड क्रमांक 26 की पार्षद योगिता बोपचे और पूर्व पार्षद विनय बोपचे सहित गायत्री मंदिर के कुछ पदाधिकारी द्वारा नगर पालिका में प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर आभार व्यक्त करने हेतु ज्ञापन दिया गया था। जिसमें प्रवेश द्वार के निर्माण को लेकर पूर्व पार्षद विनय बोपचे के साथ वार्ड क्रमांक 26 की पार्षद योगिता बोपचे द्वारा बताया गया था की प्रेम नगर के प्रवेश द्वार बनाये जाने के लिये उनके द्वारा प्रस्ताव नगर पालिका में दिया गया था। जिस पर वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष का कहना है कि जो वार्ड क्रमांक 26 के पूर्व पार्षद और वर्तमान पार्षद योगिता ,विनय बोपचे प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर झूठी वाहवाई लूट रहे हैं। जबकि उनके द्वारा बीते कुछ वर्ष पहले ही प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर वार्ड की जनता के साथ लड़ाई लड़ी गई थी। कई बार परिषद की बैठकों में प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर प्रस्ताव लाया गया था, उसी का परिणाम है कि आज प्रवेश द्वार लग रहा है । किंतु जो वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद है इन्होंने गेट के निर्माण को लेकर कोई प्रयास नहीं किया है और ना ही उनके वार्ड में यह प्रवेश द्वार आ रहा है प्रवेश द्वार वार्ड क्रमांक 27 में आता है और वह सिर्फ वह श्रेय लूटने के लिए इस प्रकार की जानकारी मीडिया में दे रहे हैं इस बात का वह विरोध करते हैं।

प्रवेश द्वार का श्रेय ही लेना चाहते हैं तो ले ले - आशुतोष

वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष द्वारा बताया गया कि पूर्व पार्षद विनय बोपचे से बीते लगभग 10 वर्षों से पार्षद और पार्षद प्रतिनिधि के रूप में वार्ड क्रमांक 26 में काम कर रहे हैं और उन्हीं की नगर सरकार उस समय भी रही थी तो उनके द्वारा इसके पहले ही नगर के प्रवेश द्वार का निर्माण करवा लिया जाना था । लेकिन ऐसा नहीं हुआ उन्होंने यह भी बताया कि वह यदि इस प्रवेश द्वार का श्रेय लेना चाहते हैं तो ले ले, लेकिन आम जनता और वार्ड वासियों के सामने जो सही बात है वह जाना चाहिए । इसलिए आज वह मीडिया के सामने आए हैं उन्होंने प्रवेश द्वार के लिए वर्ष 2022 से लड़ाई लड़ी है और कई प्रस्ताव और इसकी डिजाइन उनके द्वारा बनाकर परिषद में दी गई है । साथ ही कुछ दिन पहले जब प्रवेश द्वार बनकर आया तो उन्होंने कुछ खामी होने पर तुरंत उसे बनवाने के लिए वापस भी भेजा है। आज उनके पास पूरे प्रस्ताव की प्रति रखी हुई है जिसे वह अभी भी आमजन को दिखा सकते हैं कि उन्होंने कितने प्रयास और कितने प्रस्ताव प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर दिए हैं उन्होंने यह भी बताया कि प्रवेश द्वार का नाम रखे जाने से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन सच्चाई सभी के सामने होनी चाहिए ।

हम किसी प्रकार का श्रेय लेने की राजनीति नहीं कर रहे हैं - योगिता बोपचे

इस विषय पर जब हमारे द्वारा वार्ड क्रमांक 26 की पार्षद योगिता बोपचे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि पूर्व पार्षद विनय बोपचे द्वारा प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर अपने कार्यकाल से ही प्रयास किए गए और प्रस्ताव बनाकर नगर पालिका में दिया गया था, किंतु उस समय नाम को लेकर कुछ सहमति नहीं बन पाई थी, जिस कारण यह कार्य लंबित रह गया था, किंतु उनके पार्षद बनने के बाद उन्होंने वार्ड की जनता से किए वादे अनुसार सभी के सहयोग से प्रवेश द्वार बनाए जाने को लेकर पुनः प्रस्ताव को स्वीकृत करवाया । इसके लिए उन्होंने परिषद में भी इस विषय को रखा वह किसी प्रकार का श्रेय लेने की राजनीति नहीं कर रहे हैं । वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद ने जो आरोप लगाए हैं, वह झूठे हैं ।प्रवेश द्वार लग रहा है इसमें सभी का सहयोग और सभी का साथ है ।किसी अकेले व्यक्ति ने इसके लिए कार्य नहीं किया है।

तेरे बच्चे पैदा होते हैं और मर जाते हैं बोलकर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को प्रताड़ित कर निकाला घर से

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेहंगी के पांडयाटोला में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को तुझे बच्चे पैदा होते हैं और मर जाते है का ताना दे देकर और शारीरिक मानसिक रूप से प्रताड़ित करके घर से निकाल दिया। मलाजखंड पुलिस ने श्रीमती छमेश्वरी पति गोकुल प्रसाद गोंडाने 28 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति गोकुल प्रसाद पिता बुधराम गोंडाने ग्राम रेहंगी पांड्याटोला। निवासी के विरुद्ध जान से मारने की धमकी देकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छमेश्वरी का मायका ग्राम पोंडी थाना उगली जिला सिवनी का है। जिसने बीए द्वितीय वर्ष तक की पढ़ाई की है।16 अप्रैल 2014 को छमेश्वरी की शादी गोकुल प्रसाद गोंडाने ग्राम रेहंगी पांड्या टोला निवासी के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के बाद से छमेश्वरी अपने ससुराल आ गई थी और दोनों पति-पत्नी ठीक से रह रहे थे। छमेश्वरी के दो बच्चे हुए थे और दोनों बच्चे फौत हो गए। थे। इसके बाद 4 वर्षों से छमेश्वरी अपने पति गोकुल प्रसाद गोंडाने के साथ अलग रह रहे थे। तभी गोकुल प्रसाद पत्नी छमेश्वरी को छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान और गाली गुप्तार मारपीट करने लगा छमेश्वरी,पति द्वारा दी जा रही प्रताड़ना सहते रही। 2 नवंबर 2014 की रात 11:00 छमेश्वरी का पति गोकुल प्रसाद गोंडाने बोलने लगा कि तुझे बच्चे होते हैं तो मर जाते हैं मैं तुझे नहीं रखना और वह छमेश्वरी को ताने देकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर गाली गुप्तार मारपीट कर घर से निकल जाने के लिए बोलने लगा और घर से नहीं निकलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी ।अगले दिन सुबह 3 नवंबर 2014 को छमेश्वरी ने गांव के कोटवार राधेलाल गोंडाने के घर जाकर घटना के समय बताई और बस से अपने मायके ग्राम पोंडी उंगली आ गई और तभी से छमेश्वरी अपने मायके में रह रही है। दो माह बाद छमेश्वरी का पति गोकुल प्रसाद गोंडाने आया और बोला कि मैं तुझे नहीं रखना चाहता मुझे तलाक चाहिए, मैं दूसरी शादी करना चाहता हूं, यह बोलकर वह घर वापस चला गया। इसके बाद गोकुल प्रसाद गोंडाने अपनी पत्नि छमेश्वरी को लेने नहीं आया। 23 मई 2025 को छमेश्वरी रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना आई, तभी छमेश्वरी का पति गोकुल प्रसाद गोकुल प्रसाद गोंडाने मलाजखंड थाना आया और छमेश्वरी को अच्छे से रखूंगा कहकर लिखित आवेदन दिया था और बोला था कि मैं दो दिन बाद तुझे लेने के लिए ग्राम पोंडी आऊंगा। लेकिन गोकुल प्रसाद गोंडाने अपने पत्नी छमेश्वरी को लेने के लिए उसके मायके नहीं पहुंचा। जिसके चार दिन पहले गोकुल प्रसाद गोंडाने ने फोन करके बोला कि मैं तुझे लेने नहीं आता,तेरे से जो बनता है कर ले, मुझे तलाक चाहिए। इसके बाद 31 मई को छमेश्वरी अपने माता-पिता और भाई के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना पहुंची। मलाजखंड थाने के प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले ने छमेश्वरी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति गोकुल प्रसाद पिता बुधराम गोंडाने ग्राम रेहंगी पांड्या टोला निवासी के विरुद्ध जान से मारने की धमकी देकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में धारा 85 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

ग्राम कटंगी में एक व्यक्ति की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत

सामुदायिक भवन के सामने औंधी पड़ी थी अजय की लाश-हत्या की आशंका

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस ने ग्राम कटंगी में 1जून को सुबह सामुदायिक भवन के सामने अजय उर्फ बबलू पिता पूरनलाल बांधे 35 वर्ष का शव संदिग्ध स्थिति में बरामद की गई। कटंगी निवासी इस व्यक्ति की हत्या हुई या अन्य वजह से मौत हुई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। किंतु परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है ।ग्रामीण पुलिस ने इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। इस व्यक्ति की हत्या हुई या अन्य कारण से मौत हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है।

3 दिन पहले ही नागपुर से घर वापस आया था अजय बांधे

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कटंगी निवासी अजय बांधे फर्नीचर बनाने का काम करता था। जो दो भाई और एक बहन है परिवार में माता-पिता भी है अजय बांधे की पत्नी व दो बच्चे हैं। बताया गया कि रोजी-रोटी की तलाश में अजय पिछले 02 माह से नागपुर में रहकर काम कर रहा था। जो 3 दिन पूर्व ही ग्राम कटंगी अपने घर वापस आया था।

सामुदायिक भवन के सामने अजय की औंधी पड़ी थी लाश- सूचना मिलती ग्रामीण पुलिस पहुंची

31 मई की शाम अजय बांधे घूम कर आता हूं कहकर घर से निकला था। जो घर के सामने सभा मंच में बैठा हुआ था। परिवारों के लोगों ने उसे खाना खाने के लिए बोले तो अजय बांधे ने भूख नहीं है बोलकर खाना खाने घर नहीं आया। परिवार के लोगों ने खाना खाने के बाद अजय बांधे को देखने के लिए सभा मंच पर गए। किंतु अजय बांधे सभा मंच पर नहीं था। परिवार के लोगों ने उसे गांव मोहल्ले में तलाश किये ।किंतु वह नहीं मिला जिसके बाद परिवार के लोग घर आकर सो गए। किंतु अजय बांधे देर रात तक घर वापस नहीं आया। 1 जून को सुबह गांव के सामुदायिक भवन के ठीक सामने अजय बांधे का शव देखा गया ।जो औंधा पड़ा हुआ था। जिसके सिर मस्तक में चोट के निशान पाये गये। खबर लगते ही मौके पर ग्रामीण का हुजूम लग गया।सूचना मिलने पर नवेगांव पुलिस थाने से थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस, सहायक उप निरीक्षक प्रभुदयाल कानतोड़े सहित ग्रामीण थाना के अन्य पुलिस कर्मचारी, जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम से वैज्ञानिक गौतमा मेश्राम, उप निरीक्षक मनोज तरवरे के अलावा डॉग स्क्वाड ग्राम कटंगी पहुंचा और जांच पड़ताल की मौके पर परिजनों के बयान दर्ज किये गए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात अजय बांधे का शव पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल बालाघाट भिजवाया गया।

और डॉक्टर ने पोस्टमार्टम करने से कर दिया माना

अजय बांधे का शव पोस्टमार्टम हेतु 11:00 बजे करीब जिला अस्पताल लाया गया। इस समय जिला अस्पताल में डॉ तुषार कुमरे ड्यूटी पर थे। ग्रामीण पुलिस पीएम फार्म लेकर जब पोस्टमार्टम के लिए डॉक्टर तुषार कुमरे के पास पहुंचे। किंतु डॉक्टर तुषार कुमरे ने यह कहकर पोस्टमार्टम करने से मना कर दिया कि उसका अभी पोस्टमार्टम करने का मन नहीं है। 2बजे डॉक्टर शुभम सैयाम आएंगे वहीं पोस्टमार्टम करेंगे। ग्रामीण पुलिस द्वारा काफी मिन्नत करने के बाद भी डॉ तुषार कुमरे पोस्टमार्टम करने के लिए तैयार नहीं हुए। जब इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उप्लव और सिविल सर्जन निलेश जैन को मालूम हुआ और उन्होंने डॉक्टर तुषार कमरे से पोस्टमार्टम नहीं करने के संबंध में पूछे तब कहीं 2 घंटे बाद डॉ तुषार कुमरे पोस्टमार्टम करने तैयार हुए और उन्होंने शव विच्छेदन गृह पहुंचकर मृतक अजय उर्फ बबलू बांधे के शव का पोस्टमार्टम किये।

सिर मस्तक में गहरी चोट के निशान तो पसली टूटी पाई गई

ग्रामीण पुलिस ने मृतक अजय बांधे का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। अजय बांधे के सिर मस्तक में गहरी चोट के निशान के अलावा शरीर में भी चोट में निशान पाए गए हैं और उसकी एक तरफ की पसली भी टूटी हुई पाई गई और सामुदायिक भवन के आसपास कुछ खून के धब्बे के निशान के अलावा वहा पड़े कागज में भी खून पाये गये जैसे कि किसी ने कागज से खून साफ किया हो। सामुदायिक भवन के स्लेप के ऊपर अजय उर्फ बबलू के चप्पल, दो डिस्पोजल गिलास और अंग्रेजी शराब व्हिस्की आई बी का कार्क भी मिला है यही बताया गया है कि अजय उर्फ बबलू कच्ची शराब पीता था। अंग्रेजी शराब नही पीता था। सामुदायिक भवन भवन के स्लैब में दो डिस्पोजल गिलास मिलने से प्रतीत होता है कि अजय बांधे के साथ में और एक व्यक्ति था।

अजय बांधे की मौत बनी संदिग्ध

अजय बांधे की मौत पूर्ण रूप से संदिग्ध बनी हुई है। सामुदायिक भवन के स्लेप के ऊपर शराब के नशे में किसी व्यक्ति से विवाद के चलते मारपीट में अजय बांधे के सर मस्तक में चोटें आई जिससे उसकी औंधा मुंह नीचे गिर से मौत हुई या फिर शराब के नशे में अजय बांधे की स्लेप से नीचे गिरने से मौत हुई अभी यह रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है ।किंतु परिजनों के द्वारा अजय बांधे की हत्या किये जाने की आशंका व्यक्त की है। ग्रामीण पुलिस द्वारा इस मामले के समस्त बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

ऑपरेशन मुस्कान

कोतवाली पुलिस ने पंजाब और हरियाणा राज्य से तो लालबर्रा पुलिस ने गुजरात राज्य से दस्तयाब किए नाबालिक बालिका

7 दिन के भीतर 24 नाबालिग बालिकाओं को किया गया दस्तयाब

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार लम्बे समय से गुमशुदा बालक/बालिकाओं की प्रभावी तलाश हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस द्वारा एक सप्ताह के भीतर 24 नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब किये। इस प्रकार बालाघाट पुलिस ने एक माह में 46 नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किये ।कोतवाली पुलिस ने पंजाब और हरियाणा राज्य से तो लालबर्रा

पुलिस ने गुजरात राज्य से नाबालिक बालिकाओं को दस्तयाब कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बालाघाट पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत लालबर्रा पुलिस ने सर्वाधिक 8 नाबालिग, कोतवाली बालाघाट वारासिवनी पुलिस ने 6-6 नाबालिग तथा थाना लांजी ने 5 नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब किया है। लालबर्रा पुलिस ने बीते 12 वर्षों से लापता एक नाबालिग बालिका को गुजरात राज्य के मौरबी जिले से सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिलाया। इसी प्रकार, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा पंजाब के पटियाला एवं हरियाणा के अंबाला से नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब किये। किरनापुर पुलिस द्वारा हैदराबाद से तथा थाना हट्टा पुलिस द्वारा तेलंगाना राज्य के करीमनगर से नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा गया। इसके अतिरिक्त, बालाघाट पुलिस व्दारा अन्य राज्यों से भी कई नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों को सौंपा गया है ।

क्रीड़ा भारती की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर लिए गए निर्णय

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी में जिला स्तरीय क्रीड़ा भारती की बैठक का आयोजन किया गया ।इस जिला स्तरीय बैठक में प्रांत सह मंत्री देवेंद्र ठाकुर जो कि हॉकी के अंतरराष्ट्रीय कोच है साथ ही विभाग संयोजक सत्येंद्र भालेकर जोकि मध्यप्रदेश कबड्डी संघ एवं प्रांत प्रचारक कौशलेंद्र पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।जिसमें संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। जिसमें प्रथम चरण में लालबर्रा, वारासिवनी, बैहर में समिति का गठन करना सुनिश्चित किया गया है। साथ ही नए क्रीड़ा केंद्रों को स्थापित करना और सदस्यता अभियान के अंतर्गत नए सदस्यों को जोड़े जाने एवं आगामी अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाली क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा के लिए जिला स्तर पर समिति गठित कर ज्यादा से ज्यादा संख्या में जिले का प्रतिनिधित्व करवाने का निर्णय लिया गया ।पूर्व में बालाघाट जिला प्रांत में तृतीय स्थान में रहा था इस बार और बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करना तय किया गया है ।बताया गया कि क्रीड़ा भारती का उद्देश्य हर ग्राम में खेल मैदान और हर मैदान में खेल है साथ ही क्रीड़ा भारती का स्लोगन है खेल से निर्माण चरित्र का ओर चरित्र से निर्माण राष्ट्र का इसे पूर्ण करने के लिए क्रीड़ा भारती पूरी तरह समर्पित है इस कार्यक्रम में पदाधिकारियों द्वारा क्रीड़ा भारती जिला कार्यालय प्रमुख गौरव जयसवाल को पदभार सौंपा गया। इस कार्यकम में क्रीड़ा भारती जिला अध्यक्ष एल सी पीपलेवर, योग प्रमुख आशीष सोनकर, महिला प्रमुख भावना सोनकर, वॉलीबॉल खेल से मोहशीन कुरैशी, अंतराष्ट्रीय कराते खिलाड़ी निधि नन्हेट, एकल अभियान जिला अध्यक्ष गौरव दुबे, मयंक रावते, सरून सोनवाने, छाया नरवास, रेवा प्रसाद जतेरे, रमेश भगत आदि उपस्थित रहे। आयोजित बैठक की उक्त जानकारी क्रीड़ा भारती जिला संयोजक प्रवीण नन्हेट द्वारा दी गई।

कुएं में गिरने से एक 65 वर्षीय वृद्धा की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम देतबर्रा में इसी ग्राम की एक 65 वर्षीय वृद्धा लीला बाई पति भोजलाल बिठले की इसी ग्राम के एक खेत के कुए से लाश बरामद की गई। इस वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत होने की संभावना व्यक्त की गई है। जिसकी लाश रामपायली पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लीलाबाई बिठले के परिवार में उसका पति बेटे सहित अन्य लोग हैं ।सभी लोग खेती किसानी करते हैं। बताया गया की तीन-चार वर्ष से लीला बाई का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। 31 मई सुबह 4 बजे करीब लीला बाई अपने घर से बिना बताए निकली थी, जो वापस नहीं लौटी। 12 बजे करीब ओमकार नामक व्यक्ति अपने खेत में हार्वेस्टर चला रहा था और वह समीप कृषक शेंडे के खेत के कुएं में पानी के लिए आया। तब उसने कुएं के अंदर लीला बाई की लाश देखी और उसके बेटे शिवराम बिठले को बताया। खबर मिलते ही लीलाबाई के परिवार के अलावा मोहल्ले पड़ोस के लोग भी मौके पर पहुंच गए। जिसकी रिपोर्ट उसके बेटे शिवराम बिठले ने रामपायली पुलिस थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक जगदीश झारिया अपने स्टाफ के साथ ग्राम देतबर्रा पहुंचे और खेत के कुआ से लीला बाई का शव बाहर निकलवाये, बिना जगत के कुए में रस्सा बाल्टी भी रखी हुई थी। संभावना व्यक्त की गई है कि लीलाबाई कुएं से पानी निकलते समय अचानक फिसलने से वह कुएं के अंदर गिर गई और उसकी मौत हो गई। उप निरीक्षक श्री झारिया ने लीलाबाई का शव पंचनामा पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

नौतपा का अंतिम दिन आज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पिछले 8 दिन पूर्व 25 मई से शुरू हुए नौतपे का आज 2 जून सोमवार को अंतिम दिन है। नौतपा के बीते इन 8 दिनों में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी भीषण गर्मी नही दिखी। वही तापमान के तेवर ढीले नजर आ रहे हैं। तो वही नरम गरम मौसम, तापमान में उतार चढ़ाव और धूप छांव व बारिश के बीच जिलेभर में नौतपा का कुछ खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। आपको बताएं कि जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में जारी मौसम के उतार चढ़ाव के बीच 25 मई से नौतपा की शुरुवात हुई थी ।लेकिन अक्सर नौतपा में पड़ने वाली हलाकान कर देने वाली गर्मी पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष नही दिखी ।जहा

नौतपा के पूर्व जिले का तापमान एक दम से धराशाही हो चुका था, जो पूरे नौतपा तक देखा गया। नौतपा के बीते इन 8 दिनों में लगभग सभी दिन आसमान में समय समय पर बादल छाए रहे, तो वही हल्की बारिश से मौसम खुशनुमा रहा। आज नौतपा का अंतिम दिन है जो अन्य दिनों की तरह सामान्य रहने की बात मौसम विभाग द्वारा कही गई है। नौतपा में मौसम उतार चढ़ाव के बीच मौसम विभाग द्वारा रविवार 1 जून को नगर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया ।तो वही न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा ।वही आगामी 48 घंटे तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने सुबह के समय धूप, तो दोपहर बाद आसमान में बादल छाने और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बूंदाबादी के साथ हल्की से मध्य के बीच हल्की बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है।

जबलटोला से बिठली पहुंच मार्ग पर बने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने की उठी मांग

पुलिया की ऊंचाई कम होने एवं क्षतिग्रस्त होने पर बारिश के दिनों में आवागमन में होती है परेशानी, ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने जल्द नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम जबलटोला एवं बिठली के बीच से नाला गुजरा है। जिसके ऊपर से आने-जाने के लिए विगत वर्ष पूर्व पुलिया एवं सड़क का निर्माण किया गया है। लेकिन पुलिया की ऊंचाई कम होने एवं पिछले वर्ष नाले में बाढ़ आने पर पुलिया के साथ ही रिटर्निंगवाल भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसके कारण आसपास की मिट्टी का कटाव भी हो चुका है एवं कुछ किसानों की खेती भी बह चुकी है। साथ ही तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आ जाती है और पुलिया के ऊपर से पानी बहने के कारण दोनों ग्रामों के ग्रामीणजनों को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है एवं कृषि कार्य भी प्रभावित होता है। साथ ही इस वर्ष तेज बारिश होने के साथ ही नाले में बाढ़ आती है तो पुलिया क्षतिग्रस्त हो सकता है। जिससे पुलिया के ऊपर से आने-वाले ग्रामों के ग्रामीणजन, स्कूली बच्चें व राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से ग्राम जबलटोला से बिठली पहुंच मार्ग पर स्थित नाले पर बने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

बरसात के दिनों में होती है परेशानी, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत रानीकुठार के अंतर्गत आने वाले ग्राम जबलटोला एवं बिठली के बीच से नाला गुजरा हुआ है और पुर्व में नाले के ऊपर से आने-जाने के लिए पुलिया नही होने के कारण आने-जाने वालों को बरसात के दिनों में सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही नाले के दोनों ओर दोनों ग्राम के किसानों की खेती भी है, नाले में अधिक पानी रहने पर उनका कृषि कार्य भी प्रभावित होता था। जिससे परेशान ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से नाले के ऊपर पुलिया एवं आने-जाने के लिए सड़क का निर्माण करवाने की मांग किये थे। जिसके बाद सड़क विभाग के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से नाले के ऊपर पुलिया एवं डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया था, लेकिन पुलिया का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने एवं ऊंचाई कम होने के कारण बरसात के दिनों में एक-दो घंटे की तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आ जाती है और पुलिया के ऊपर से पानी बहने लगता है। जिससे आवागमन बाधित हो जाता है, ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई बार ग्रामीणजन व राहगीर जान जोखिम में डालकर पुलिया पार करते है। साथ ही पिछले वर्ष तेज बारिश होने एवं नाले में बाढ़ आने पर पुलिया एवं मिट्टी कटाव को रोकने के लिए बनाये गये रिटर्निंगवॉल के साथ ही पुलिया भी कुछ स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। साथ ही सड़क एक साइड से धसक रही है और सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है क्योंकि पुलिया की ऊंचाई बहुत कम है और हल्की तेज बारिश होने पर बाढ़ आ जाने पर पुलिया के ऊपर से पानी बहते रहता है। जिससे स्कूली ब%चों, ग्रामीणजन व किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा लंबे समय से पुलिया की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने जबलटोला एवं बिठली ग्राम के बीच नाले पर बने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

पुलिया की ऊंचाई कम होने से होती है परेशानी - दिनेश

दिनेश चौधरी ने बताया कि जबलटोला से बिठली के बीच से नाला गुजरा है जिसके ऊपर से आने-जाने के लिए विगत वर्ष पूर्व पुलिया एवं सड़क का निर्माण किया गया है। लेकिन ऊंचाई कम होने के कारण एवं एक घंटे की तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आने पर पुलिया के ऊपर से पानी बहता है जिससे आवागमन बाधित हो जाता है। साथ ही बाढ़ का पानी ग्राम के अंदर तक आ जाता है जिससे सभी को परेशानी होती है। श्री चौधरी ने बताया कि अगर निरंतर बारिश होती है तो नाला से पानी कम नही होने पर नाला के दुसरे साइड में रहने वाले लोग अपने गांव व घरों में कैद हो जाते है एवं कृषि कार्य भी प्रभावित होता है और सबसे अधिक परेशानी स्कूली ब%चों एवं किसानों को होता है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि पुलिया की ऊंचाई बढ़ाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

पुलिया का निर्माण करवाये प्रशासन - लालचंद

लालचंद जामरे ने बताया कि पुलिया की ऊंचाई कम होने के कारण हल्की तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आ जाती है एवं पुलिया के ऊपर से पानी बहने लगता है। ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है और सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है। श्री जामरे ने बताया कि नाला के दोनों साइड में जबलटोला एवं बिठली के ग्रामीणजनों की खेती है और पुलिया के ऊपर से पानी बहने पर कृषि कार्य भी प्रभावित होता है एवं किसी की तबियत खराब हो जाये तो एम्बुलेंस भी नही पहुंच पाती है। साथ ही पुलिया भी कुछ स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुका है, जल्द नवीन पुलिया का निर्माण नही किया गया तो इस वर्ष की तेज बारिश व नाले में बाढ़ आने पर पुलिया ढह सकता है और नाला किनारे स्थित खेतों की मिट्टी का भी कटाव होता है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया एवं मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवाल का निर्माण करवाये।

इनका कहना है-

ग्राम जबलटोला एवं बिठली के बीच स्थित नाले पर बना पुलिया की ऊंचाई कम होने के कारण बारिश के दिनों में नाले में बाढ़ आने पर पुलिया के ऊपर से पानी बहने पर ग्रामीणजनों सहित सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, सड़क विभाग को मांग पत्र भेजकर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की जायेगी।

श्रीमती अनिता लिल्हारे
सरपंच
ग्राम पंचायत नगपुरा

आम आदमी पार्टी के विधानसभा सह प्रभारी बने फिरोज नियाजी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी निवासी फिरोज नियाजी को आम आदमी पार्टी के बालाघाट विधानसभा सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिससे कार्यकर्ता एवं समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। आम आदमी पार्टी विधानसभा बालाघाट के नवनियुक्त सहप्रभारी फिरोज नियाजी ने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेता, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पार्टी के शीर्ष नेता है जिनके नेतृत्व में पार्टी काम कर रही है एवं आम आदमी पार्टी बालाघाट के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल के द्वारा मुझे बालाघाट विधानसभा का सहप्रभारी नियुक्त किया गया है जिनका मैं आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही यह भी बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर पार्टी एवं संगठन के हित में वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में काम किया जायेगा। फिरोज नियाजी को आम आदमी पार्टी के बालाघाट विधानसभा सहप्रभारी बनाये जाने पर शुभकामनाएं देने वालों में सुरेश कारे, रामचंद सिहोरे, भोलाराम सर्राटे, सरगराम सर्राटे, विनोदकुमार पारधी, डुलीचंद मरठे, प्रदीप देवसरे, राजेन्द्र कामड़े सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल है।

भूलनबाई राहंगडाले का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के सरपंच व्यंकटराव राहंगडाले की बड़ी माँ, बस्ताराम राहंगडाले की धर्मपत्नि 85 वर्षीय श्रीमती भूलनबाई राहंगडाले का 1 जून को अलसुबह 4 बजे हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार दोपहर 1 बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती भूलनबाई राहंगडाले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी एवं घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही थी। 1 जून को प्रात: 4 बजे अचानक तबियत अधिक खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. भूलनबाई राहंगडाले सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है। स्व. भूलनबाई राहंगडाले का बांदरी के मोक्षधाम में दोपहर 1 बजे शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं नाते-रिस्तेदार उपस्थित रहे।

कक्षा 5 वी एवं 8 वी की पुन: परीक्षा आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा कक्षा 5 वीं और 8 वीं में जो छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण हो चुके है उन्हे दोबारा परीक्षा में शामिल होने का अवसर प्रदान किया गया है। जिनकी परीक्षा 2 जून से प्रारंभ होगी जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा पूरी कर ली गई है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं बोर्ड कक्षाओं की पुन: परीक्षा के लिए 7 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जहां 2 जून को प्रात: 10 बजे से कक्षा 5 वीं की हिन्दी/अंग्रेजी एवं कक्षा 8 वीं की हिन्दी/अंग्रेजी प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा प्रारंभ हो जायेगी और छात्र-छात्राएं अपने-अपने विषय का प्रश्नपत्र हल करेगें। जिसकी तैयारी सभी 7 परीक्षा केन्द्रों में पूरी कर ली गई है एवं यह परीक्षा प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होगी और आगामी 9 जून तक चलेगी। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा गत माह कक्षा 5 वीं, 8 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है जिसमें जो ब%चें अनुत्तीर्ण हो चुके है या फिर अनुपस्थित रहे है। ऐसे बच्चों को उत्तीर्ण करने के लिए दोबारा अवसर प्रदान किया गया है, जिनकी पुन: परीक्षा 2 जून से प्रारंभ होगी। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं की पुन: परीक्षा संपन्न करवाने के लिए 7 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जिसमें शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल खमरिया, सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उमावि. अमोली, शास. उमावि. कनकी, शास. उमावि. बिरसोला, शास. उमावि. नेवरगांव ला. एवं शास. उमावि. जाम शामिल है। श्री तुरकर ने बताया कि 2 जून को प्रात: 10 बजे से कक्षा 5 वीं, 8 वीं की हिन्दी मीडियम के बच्चों की हिन्दी एवं अंग्रेजी मीडियम के बच्चों की अंग्रेजी विषय के प्रथम प्रश्नपत्र के साथ पुन: परीक्षा शुरू हो जायेगी जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। साथ ही यह भी बताया कि कक्षा 5 वीं का 3 जून को गणित, 4 जून को पर्यावरण, 5 जून को अंग्रेजी/हिन्दी। इसी तरह कक्षा 8 वीं का 3 जून को गणित, 4 जून को विज्ञान, 5 जून को सामाजिक विज्ञान, 6 जून को अंग्रेजी/हिन्दी, 9 जून को संस्कृत विषय के पेपर के साथ पुन: परीक्षा संपन्न हो जायेगी। श्री तुरकर ने बताया कि यह परीक्षा प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होकर 12 बजे संपन्न होगी एवं परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर जल्द परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

खबर प्रकाशन के बाद मानपुर के अस्पताल कालोनी की नाली एवं झाड़ियों की करवाई गई सफाई

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही होने के कारण नालियों के आजू-बाजू में खरपतवार (झाड़िया) उग चुकी थी। जिसका झुकाव रोड़ की ओर आ चुका था। साथ ही नाली की सफाई व झाड़ियों की कटाई नही होने के कारण गंदे पानी की निकासी भी नही हो पा रही थी और पानी जमा रहने से गंदगी का अंबार लगा हुआ था। जिसकी दुर्गंध से आने-जाने वाले लोगों एवं निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहे थे जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर निवासरत लोगों को सता रहा था। उक्त समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में अस्पताल कालोनी मानपुर की नालियों की सफाई नही होने से गंदगी का अंबार नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद पंचायत प्रशासन हरकत में आया और अस्पताल कालोनी (मानपुर) की नाली एवं उसके आजू-बाजू में उगी लंबी झाड़ियां (खरपतवार) की कटाई व सफाई का कार्य करवाया जा रहा है। जिसकी सफाई होने से अब पानी की निकासी होगी एवं झाड़ियों की कटाई व सफाई होने से आवागमन में सुविधा होगी। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाले अस्पताल कालोनी वार्ड नं. 3 सहित अन्य वार्डों में लंबे समय से नालियों की साफ-सफाई नही होने के कारण नाली चोक होने के साथ ही गंदा पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा था। साथ ही गंदगी की दुर्गंध आने से वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना भी करना पड़ रहा था। वहीं नालियों के दोनों ओर खरपतवार (झाड़िया) उग जाने से उनका झुकाव रोड़ की ओर अधिक आ जाने के कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा था। ऐसी स्थिति में अगर कोई दुपहिया एवं चौपहिया वाहन इस मार्ग से तेज गति से गुजरते समय हर समय दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। नाली की सफाई नही होने एवं नाली के आजू-बाजू में उगे झाड़ियों के कारण हो रही परेशानियों को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिम्मेदार हरकत में आये और नाली एवं रोड़ व नाली किनारे उगे खरपतवार की कटाई कर साफ-सफाई करवा दिया गया है। इस तरह से नाली के साथ ही खरपतवारों की सफाई हो जाने से अब पानी की निकासी अ'छे से होगी और निवासरत लोगों व आने-जाने वालों को सुविधा होगी। वहीं मानपुर पंचायत के सरपंच-सचिव ने अस्पताल कालोनी में निवासरत लोगों से नाली में कुड़ा-करकट न फेंकने और स्वच्छता बनाये रखने की अपील की है।

सुरक्षा निधि बढ़ाएगा बिजली बिल का भार

सालभर में तीन किश्तों में उपभोक्ताओं से वसूली जाती सुरक्षा निधि

भोपाल। बिजली उपभोक्ताओं को तीन महीने तक सुरक्षा निधि का भार बिजली बिल में वहन करना पड़ेगा। यानी जून में उपभोक्ताओं को बिजली का बिल बढ़ा हुआ मिलेगा, उनकी परेशानी जुलाई और अगस्त में भी कम नहीं होगी। इसकी वजह बिजली कंपनी द्वारा लगातार तीन माह तक सुरक्षा निधि की वसूली बिल के साथ की जाना है। अब तक गर्मी में हुई ज्यादा खपत से और अब अगस्त तक बिजली बिल में सुरक्षा निधि की राशि जुडक़र आने से बिल की राशि लगभग दोगुनी होगी। उपभोक्ता की बढ़ी हुई खपत से सुरक्षा निधि का समायोजन होगा। बीते साल करीब 20 फीसदी बिजली खपत बढ़ी है। ऐसे में अब अगले तीन माह इसी बढ़ी हुई खपत को तीन किस्तों में कंपनी आपसे वसूलेगी।

गौरतलब है कि सालभर में एक बार यह सुरक्षा निधि तीन किश्तों में उपभोक्ताओं से बिजली कंपनी द्वारा वसूली जाती है। बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार यदि किसी उपभोक्ता का बिल हर माह औसत 800 रुपए आता है तो उसे 1200 रुपए सालाना सुरक्षा निधि जमा कराना होती है, जो उसके बिल में 400-400 रुपए की तीन किश्त में जुडक़र आती है। सुरक्षा निधि की कुल राशि औसत बिल से डेढ़ गुना होती है तो इस पर 7 से 8 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। इस निधि की गणना के लिए 12 माह के बिल को जोड़ा जाता है। उस संख्या में 12 का भाग दिया जाता है, जो राशि आती है, उसमें डेढ़ का गुणा किया जाता है, जो राशि निकलती है वह सुरक्षा निधि होती है। 1 अप्रैल से 31 मार्च तक जो खपत होती है उसका औसत निकालकर 45 दिन के बराबर अमानत राशि होना चाहिए। सुरक्षा निधि प्रतिवर्ष लगाई जाती है। इसे तीन किश्तों में उपभोक्ता से लिया जाता है, तीन बिलों में इसे जोड़ा जाता है। सुरक्षा निधि पर ब्याज दिए जाने का प्रावधान है। उपभोक्ता के अकाउंट में सुरक्षा निधि जमा है तो उसके बिल में घटाव के चिन्ह के साथ राशि अंकित होती है। जमा सुरक्षा निधि पर बिजली कंपनी 7 से 8 प्रतिशत सालाना ब्याज देती है। ब्याज की राशि हर माह के बिल में घटाई जाती है। उदाहरण के तौर पर एक उपभोक्ता की 12 महीनों की औसत् मासिक खपूत 200 यूनिट है। वर्तमान टैरिफ के अनुसार, 200 यूनिट का मासिक बिल लगभग 1500 आता है। प्रतिदिन 50 रुपए की खपत हो गई। 45 दिनों में ये 2250 रुपए बनती है। अभी उपभोक्ता की 1500 रुपए सुरक्षा निधि जमा है तो अतिरिक्त 750 रुपए की तीन किस्तों में वसूली होगी। यानि अब 250 रुपए तीन माह तक अतिरिक्त जुडक़र आएंगे।

इस मरह बढ़ेगा बिजली बिल

इस माह आपके बिल में फ्यूल एंड पॉवर परचेस एडजस्टमेंट के नाम पर 4.67 फीसदी चार्ज जुड़ेगा। आगामी बिजली बिलों में उपभोक्ताओं को फ्यूल एंड पॉवर परचेस एडजस्टमेंट चार्ज भी बिल में देना होगा। बिजली बिल में ऊर्जा शुल्क का 4.67 फीसदी ये सरचार्ज जुड़ेगा। इससे 100 यूनिट पर करीब 50 रुपए अतिरिक्त राशि बिल में बढ़ जाएगी। मध्यक्षेत्र बिजली कंपनी के एमडी क्षितिज सिंघल का कहना है कि सुरक्षा निधि एडजस्टमेंट तय नियमों से होता है। उसके अनुसार ही इसे किया जाएगा। उपभोक्ताओं की राहत को देखते हुए ही इसे मानसून सीजन में तय किया जाता है। उधर, बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इस राशि में से पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा बाकि पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली के बाद दिया जाएगा।

जंगली सूअर के आतंक से क्षेत्र के किसानों में आक्रोश

फॉरेस्ट विभाग गंभीरता से ध्यान देकर जंगली सूअर से करें किसानों की रक्षा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम वारा ,बनियाटोला ,कायदी के छोटाटोला के किसान जंगली सूअर के आतंक से परेशान है। यह ग्राम की सीमाएं एक दूसरे से लगी हुई है जहां पर बड़ी संख्या में जंगली सूअर खेतों की तरफ दौड़ती हुई देखी जाती है। जिनके द्वारा युक्त स्थान पर स्थित नाला या तालाब में अपनी पैठ बनाकर रखी हुई है जहां पर झुंड में यह निवास करती है। इस समय सबसे ज्यादा समस्या जंगली सूअर से किसानों को हो रही है लोगों में काफी डर बना हुआ है। जो झुंड के माध्यम से खेतों में आना जाना कर रहे हैं जिनके द्वारा फॉरेस्ट विभाग से उक्त विषय पर गंभीरता से ध्यान देकर जंगली सूअर को जंगलों की तरफ खदेड़ने की मांग की जा रही है। परंतु विभाग के द्वारा उक्त विषय पर चुप्पी सादे हुए हैं जिसका कारण है की स्थिति यथावत बनी हुई है लोग भय के साथ खेतों में आना.जाना कर रहे हैं।

खरीफ की खेती की किसानो को हैं चिंता

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम वारा ,बनियाटोला और छोटाटोला में सबसे ज्यादा जंगली सुअरों की उपस्थिति बनी हुई है। जहां पर यह जंगली सूअर खेतों में भ्रमण और विचरण कर रही है जो खेतों से लगे ठंडे स्थान पर अपना डेरा जमा चुकी है जहां पर यह झुंड के माध्यम से १२ या उससे अधिक एक साथ रहते हैं। इनके द्वारा खेतों में दौड़कर फसल को नुकसान पहुंचाया जाता है तो वहीं खेतों को खोद दिया जाता है। अभी इनके द्वारा रबी की फसल को भी नुकसान पहुंचाया गया और उसकी कटाई के बाद खेतों की मेड को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है जहां पर छोटे बड़े गड्ढे खोद दिए जा रहे हैं। उक्त क्षेत्र में रोड़ किनारे खेतों में किसानों को बहुत कम डर है परंतु अंदर की तरफ जाने पर खतरा बना हुआ है जहां पर किसान लाठी डंडा लेकर दो तीन लोगो के झुंड में अपने कार्यों के लिए आना जाना कर रहे हैं। जिनके सामने सबसे बड़ी समस्या खरीफ की फसल बनी हुई है क्योंकि इस दौरान बारिश का भी दौर रहता है और पानी में सबसे ज्यादा जंगली सूअर आती है। ऐसे में किसान खेतों की मिट्टी भरी जमीन में भाग भी नहीं पता है जिसको लेकर वह बहुत चिंतित दिखाई दे रहे हैं। इनके द्वारा ग्राम में आने वाले फ रॅरेस्ट विभाग के अधिकारियों से लगातार उक्त वन्य प्राणी जंगली सूअर को उनके खेत क्षेत्र से बाहर जंगल की ओर खदेड़ने की बात कहीं जा रही है। किंतु वन विभाग के द्वारा यह कार्य असंभव बताया जा रहा है यह स्थिति बनी हुई है कि कई बार जंगली सूअर के द्वारा किसानों पर हमले का प्रयास किया गया है। हालांकि अभी कुछ समय से किसी को चोट आई नहीं है परंतु डर लगा हुआ। मामले में किसानों के द्वारा समस्या का समाधान करने की मांग वन विभाग से की जा रही है।

जंगली सूअर के आतंक से जान का जोखिम बना हुआ है-रमेश बाहेश्वर

किसान रमेश बाहेश्वर ने बताया कि जंगली सूअर खेत में आकर परेशान करती है मेरा खेत तुमाड़ी तरफ नाले के पास में लगा हुआ है। वहां पर जंगली सूअर नाले में रहती है करीब २५ जंगली सूअर है वह एक साथ रहती है और घूमती है वन विभाग को इस बारे में हमारे द्वारा बताया भी गया है। परंतु उन्होंने कुछ नहीं किया यह जानवर छिपे रहते हैं और अचानक लोगों पर हमला कर देते हैं इनको कई बार हमारे द्वारा देखा गया है। देखने से ही हमें डर लगा रहता है कई लोगों पर इन्होंने हमला भी किया वह आदमी देखकर सीधा दौड़ना प्रारंभ कर देते हैं। इसमें कई लोग घायल भी हुए हैं और कई लोग बच भी जाते हैं हम लोग तो अभी कुल्हाड़ी और डंडा लेकर दो तीन व्यक्ति साथ में जाते हैं। अकेले जाने में हमें डर लगता है विभाग को इन पर अंकुश लगाना चाहिए वरना जान का जोखिम बना हुआ है।

जंगली सूअर से किसानों में भय का वातावरण बना हुआ है-थानेंद्रसिंह राजपूत

ग्रामीण थानेंद्रसिंह राजपूत ने बताया कि वैष्णो देवी पहाड़ी है हमारे यहां उसके सामने फेंसिंग की गई थी जो अब टूट चुकी है। क्योंकि वहीं पर सामने आमा तालाब है जहां सबसे ज्यादा जंगली सुअरों का आना जाना लगा रहता है। वहां पर तालाब से किसानों की पूरी खेती लगी हुई है वहां पर लगी हुई पूरी फेंसिंग खराब हो गई है। लगातार किसानों पर हमले जंगली सूअर के हो रहे हैं परंतु लोग अपनी सतर्कता से बच रहे हैं खेतों में फ सल भी इनके कारण बर्बाद होती है। रबी में यह समस्या तो बनी रही परंतु कम लोग लगाते हैं तो दिक्कत नहीं थी सूखा समय था। अभी बरसात में खरीफ की फ सल लगाएंगे और यह हर कोई लगता है जैसे ही तालाब में और खेतों में पानी का स्तर बढ़ता है तो यह जंगली सूअर इधर आ जाती है। इनका कोई समय नहीं है यह घूमते रहते हैं फॉरेस्ट की भी कोई गतिविधि समझ नहीं आ रही है और यह अकेला कोई एक स्थान की समस्या नहीं है। हमारे ग्राम के चारों तरफ की यही स्थिति है अभी खेतों में बहुत कम जा रहे हैं परंतु दो चार लोग साथ में जाते हैं।

विकास ठाकरे का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ चयन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम नवेगांव तीन निवासी विकास ठाकरे ने अंग्रेजी साहित्य में सफलता अर्जित कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विकास ठाकरे का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी साहित्य के पद पर हुआ है। विकास ठाकरे ने बताया कि सफलता के लिए कठिन परिश्रम एवं लगन अनिवार्य है। सफलता के लिए उनके पिता डॉ भुवनलाल ठाकरे का मार्गदर्शन एवं प्रेरणा और माता श्रीमती प्रेमलता ठाकरे का समर्पित भाव से प्रेरित करने में योगदान रहा है। उनके छोटे भाई डॉ. आकाश ठाकरे इस समय एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। इनकी इस सफलता में दादा कुंजीलाल ठाकरे, दादी श्रीमती कौशल बाई ठाकरे का भी विशेष योगदान रहा है। बचपन से ही मेधावी विकास ठाकरे ने प्रारंभिक शिक्षा भारतीय विद्यापीठ नवेगांव ३ व गायत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगरमाली से प्राप्त की है। इसके बाद कक्षा आठवीं से १२ वीं तक आइडियल पब्लिक स्कूल वारासिवनी में अंग्रेजी माध्यम से पूरी की है। उनकी इस सफलता पर डॉ.भुवनलाल ठाकरे ,श्रीमती प्रेमलता ठाकरे, जे एल बिसेन प्राचार्य,डॉ. आकाश ठाकरे डॉ. भानु राहंगडाले ,श्रीमती पुष्पा राहंगडाले ,सतीश राहंगडाले ,सचिन राहंगडाले ,अजय सिंह बैस, सुखचंद राहंगडाले, श्रीमती सतवंता राहंगडाले,सुरेश, संध्या राहंगडाले ,बिकमचंद, विमला राहंगडाले ,रूपचंद राहंगडाले, तारन राहंगडाले एवं समस्त परिजन वह स्नेहीजनों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वन विभाग वारासिवनी की 4 समितियों में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य संपन्न

३२१० मानक बोरा लक्ष्य में ३४०९.१०० मानक बोरा जमा हुआ पत्ता

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परीक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी अंतर्गत समितियों में तेंदूपत्ता तोड़ाई कार्य संपन्न हो गया है। जहां पर बोरा भराई और परिवहन कार्य प्रारंभ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परीक्षेत्र कार्यालय अंतर्गत ४ लघु वनोपज वन समितियां है। जिसमें कनकी ,बुदबुदा ,मेंढ़की और नैतरा इन चारो समितियों में तेंदूपत्ता तुड़ाई कार्य किया जाता है। जो शासन के निर्देशानुसार वर्ष २०२५-२६ के लिए पत्ता तुड़ाई कार्य प्रारंभ किया गया था। जिसमें चारों समितियों को करीब ३२१० मानक बोरा पत्ता तुड़ाई का लक्ष्य दिया गया था जिन्होंने ३४०९.१०० मानक बोरा ही तेंदूपत्ता संग्रहण कर पाए है,जो निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा है। जिसमें १९९.१ मानक बोरा का लक्ष्य से अधिक संग्रहण किया गया है जिसमें लक्ष्य कम होने की बात समितियां के द्वारा कहीं जा रही है।

मेंढ़की ने सबसे ज्यादा तेंदूपत्ते का किया संग्रहण

वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत चार प्राथमिक लघु अनुपात सह समिति बनी हुई है जिसमें मेंढकी को ७४० मानक बोरे का लक्ष्य मिला था जिसने ९३१ मानक बोरा पत्ता तोड़ा गया। इसी तरह कनकी को ३७० मानक बोरे का जिसमें ३८४.६०० मानक बोरे पत्ता तोड़ा गया। बुदबुदा को ९०० मानक बोरे का जिसमें ९०१.५५० मानक बोरा पत्ता तोड़ा गया। नैतरा में १२०० मानक बोरा जिसमें ११९१.९५० मानक बोरा पता तोड़ा गया। जिसमें मेंढ़की समिति के द्वारा निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा पत्ता तोड़े गए। वहीं कनकी समिति ने भी लक्ष्य से ज्यादा पत्ता तोड़े परंतु नैतरा समिति के द्वारा लक्ष्य से कम तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया।

परिवाहन कार्य जारी

इस वर्ष के तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य खत्म हो गया है वर्तमान में भर्ती और परिवहन कार्य अंतिम दौर में है। जिसमें कनकी ,मेंढ़की ,बुदबुदा और नैतरा समिति का पत्ता ठेकेदारों के द्वारा खरीदी की गई है। परंतु इस वर्ष लक्ष्य से अधिक पत्ता संग्रहण कार्य किया गया जिसका कारण पत्तों में बहार को बताया जा रहा हैं कि जिस प्रकार से पेड़ो में पत्तों की बहार थी जिस कारण से निर्धारित लक्ष्य से १९९.१ मानक बोरा अधिक पत्ता संग्रहण हो सका।

लक्ष्य से अधिक पत्ता तोड़ा गया हैं -छत्रपाल सिंह जादौन

वनपरीक्षेत्र अधिकारी छत्रपाल सिंह जादौन ने बताया कि मुख्यालय भोपाल से जो निर्देश मिले थे उस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वारासिवनी की समितियों में पत्ता संग्रहण कार्यक्रम किया गया था। वर्तमान में ४ लघु वनोपज समिति है जिसमें कनकी ,बुदबुदा ,मेंढ़की और नैतरा इनमें संग्रहण कार्य पूर्ण हुआ है। श्री जादौन ने बताया कि संग्रहण कार्य पूर्ण होने के बाद बोरा भराई और परिवहन कार्य हो चुका है। जिसमें हमारी सभी समिति बिकी थी जिसमें चारों समिति को ३२१० मानक बोरा का लक्ष्य दिया गया था। जिसमें ३४०९ मानक बोरा लक्ष्य हासिल किया गया है। जो निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा है और इसमें नैतरा के अलावा ३ समितियां के द्वारा शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया हैं।

दिगंबर जैन मंदिर में श्रुत पंचमी महापर्व का हुआ आयोजन

जिनवाणी दिवस पर शोभायात्रा निकालकर किया नगर भ्रमण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के दिगंबर जैन मंदिर में दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वाधान में श्रुत पंचमी महापर्व जिनवाणी दिवस पर आयोजित किया गया। जिसमें दिगंबर जैन मंदिर में प्रात: स्वजातीय बंधु उपस्थित हुए जहाँ प्रात: ७ बजे अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात श्री जिनवाणी शास्त्र पुजन, सरस्वती पुजन के पश्चात भव्य विधान किया गया। जिसके बाद श्री जिनवाणी की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। यह शोभायात्रा मंदिर से निकालकर जैन मोहल्ले का भ्रमण करते हुए गोलीबारी चौक पहुंची। जहां से वापस मंदिर में शोभायात्रा का समापन हुआ। दिगंबर जैन पंचायत कमेटी अध्यक्ष मुकेश मॉडल ने बताया की लगभग २००० वर्ष पूर्व आचार्य श्रेष्ठ धरसेन ने लोक कल्याण की भावना से दो तरुण पुष्पदंत और भूतबली नाम के मुनिराजों को अध्ययन कराया। आचार्य धरसेन स्वामी के समाधिमरण के बाद पुष्पदंत महाराज ने और उनके बाद भूतवली महाराज ने १६ भागों में सूत्रवध्द षट्खंडागम का लेखन कार्य श्रुत पंचमी के दिन पूर्ण किया। इसी कारण इस दिन को जिनवाणी दिवस के रूप में माना जाता है। जिसका कार्यक्रम मंदिर में आयोजित किया गया जिसमें विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता माडल, श्रीमती इंदु जैन ,श्रीमती मंजुषा सिंघई ,श्रीमती साधना जैन, श्रीमती राजकुमारी पाईया, कल्पना पाईया ,अध्यक्ष मुकेश माडल, आलोक जैन , प्रदीप पाईया सहित समाज के पदाधिकारी सदस्य

रामपायली मंडल के ग्राम कौलीवाड़ा और रेंगाझरी में बूथ का किया विस्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा,प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ,जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के आदेश अनुसार रविवार को रामपायली मंडल के ग्राम रेंगाझरी के बूथ नंबर ११२ बूथ का विस्तार किया गया। बूथ अध्यक्ष और पूरी बूथ समिति के बाकी सदस्य को संगठित किया गया। जिसमें रामपायली मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ,मंडल उपाध्यक्ष शक्ति केंद्र प्रभारी मिथलेश दमाहे ,मंडल मंत्री श्रीमती पूजा मेश्राम, ग्राम सरपंच ईश्वरी बघेले,बूथ अध्यक्ष राधेश्याम देवहारे और मातृ शक्ति शामिल हुई। वहीं रामपायली मंडल के ग्राम कौलीवाड़ा के बूथ नंबर ९७ और ९८ में बूथ का विस्तार किया गया। जिसमें मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ,मंडल उपाध्यक्ष जानाजी गौतम, मंत्री महेश टेंभरे ,नागेंद्र पटले ,बूथ अध्यक्ष ९७ लोकचंद पटले ,बूथ अध्यक्ष ९८ ईश्वरी गौतम,ओंकार

दो व्यक्तियों पर मारपीट का अपराध दर्ज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत डोरली निवासी डिलेश गिरी गोस्वामी ने दो व्यक्ति मिथुन बेलगे और आशीष श्रीवास पर मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले में पुलिस के द्वारा विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी डिलेश पिता उमेद गिरी गोस्वामी ने रिपोर्ट दर्ज करवायी हैं की मैं ग्राम डोरली हमेशाटोला रहता हूँ। कक्षा १० वीं तक की पढाई किया हूँ जो ३० मई के रात्री करीबन ९ बजे की बात है मैं अपने घर के सामने रोड़ पर खड़ा था। तभी मिथुन बेलगे और आशीष श्रीवास दोनो निवासी डोरली के मेरे पास आये और रोड़ पर क्यों खड़ा है साले कहकर मुझे गंदी गंदी अश्लील गालियां देने लगे जो सुनने में बुरी लग रही थी। मैने गालियां देने से मना किया तो मिथुन बेलगे और आशीष श्रीवास दोनो एक राय होकर मेरे साथ हाथ मुको में मारपीट किये है। मारपीट करने से मुझे सीने और में चोट लगी है दर्द हो रहा है घटना को मेरी बहन करीना गिरी गोस्वामी और नवसल गोस्वामी ने देखे सुने बीच बचाव किये। तब जाते जाते मिथुन और आशीष बोल रहे थे कि इस बार तो बच गया दोबारा मिला तो जान से खत्म कर देंगे की धमकी दिये है। मेरे घर पर मेरी बहन और मेरी नानी थी मम्मी पापा नही थे काम से बालाघाट गये थे। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर मिथुन बेलगे और आशीष श्रीवास के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६,११५(२), ३५१ (३)३/५ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुग्धशाला की शक्ति का परिचायक है आत्मनिर्भरता

दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के वसा रहित दूध (स्किम्ड मिल्क) में कोलेस्ट्रॉल 2-5 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। पूर्ण वसा (फुल क्रीम) वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल 10-15 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। आंकड़ों के अनुसार एक स्वस्थ्य व्यक्ति 300 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल प्रतिदिन ले सकता है। अतएव दूध पीने से हृदयघात होने की संभावना नगण्य होती है। दूध में मुख्यत: केसिन और व्हेय नामक दो प्रोटीन पाए जाते हैं। दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है। जब प्रकाश इन मिसेल्स से टकराता है तो यह प्रकाश अपरिवर्तित होकर फैल जाता है। दूध में पाए जाने वाला वसा के कण (फैट ग्लोबुल्स) भी प्रकाश के प्रकीर्णन का कारण बनते हैं। अतएव दूध का रंग सफेद दिखाई देता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस दूध में जितना ज्यादा वसा (फैट) होगा उसका रंग उतना ही सफे द दिखाई देगा। गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा वसा (फैट) कम होता है और केसिन नामक प्रोटीन भी कम होता है। इसलिए गाय का दूध हल्का पीला दिखाई देता है। दूध में कैरोटीन और कैसिन नामक दो वर्णक (पिगमेंट) होते हैं जो उसके रंग को प्रभावित करते हैं। अतएव कैरोटीन की वजह से गाय के दूध में हल्का पीला रंग होता है, जबकि कैसिन की वजह से दूध का रंग सफेद होता है। भैंस के दूध में केरोटीन कम होता है और फैट ज्यादा। जबकि गाय के दूध में केरोटीन ज्यादा और फैट अपेक्षाकृत कम होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध एक अपारदर्शी, सफेद तरल उत्पाद है। डेयरी शब्द को दुग्ध उद्योग से जोड़ कर देख सकते हैं। दूध को विभिन्न डेरी उत्पादों में परिवर्तन के लिए प्रसंस्करण किया जाता है। दूध के विभिन्न उप उत्पाद भी होते हैं जिन्हे तकनीकी भाषा में मिल्क बाई प्रोडक्ट (दूध के उप उत्पाद) भी कहा जाता है। डेयरी उत्पाद में दूध प्राथमिक घटक के रूप में प्रयोग होता है। जैसे की दूध, दही, पनीर, आइसक्रीम। डेयरी उप उत्पादों में व्हेय, छाछ, स्किम मिल्क, घी के अवशेष (घी रेड्यू) आदि आते हैं। दूधऔर डेयरी (दुग्धशाला) का सम्बन्ध बगिया और माली जैसा है। जिस प्रकार एक माली अपनी बगिया को सींचता और सम्हालता है। उसी प्रकार एक माली रूपी डेयरी (दुग्धशाला), बगियारूपी दूध को सम्हालता और संरक्षित करता है। डेयरी (दुग्धशालाएँ) दूध की सुंदरता और उनकी दिव्यता का द्योतक है। दूध का रखरखाव और उसको ताजा बनाए रखने की जिम्मेदारी डेयरी (दुग्धशाला) की होती है। जिसको तकनीकी भाषा में शेल्फ लाइफ ऑ? मिल्क कहा जाता है। अर्थात दूध की पोषकता को लम्बे समय तक बनाए रखना। पोषकता का सम्बन्ध शुद्धता से होना चाहिए। शुद्ध दूध ही एक स्वस्थ्य शरीर का परिचायक है। डेयरी उद्योगों (दुग्धशालाओं) के लिए शुद्धता ही प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकांश डेयरी उद्योग (दुग्धशालाएं) शुद्धता का ख्याल रखते हैं और शुद्ध दूध को ही जन जन तक पहुँचाते हैं। भारत में ब्रांडेड डेयरी (दुग्ध्शाला) में अमूल, पारस, ज्ञान, नमस्ते इंडिया, सुधा, आदि डेयरी आती है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत सी लोकल सर्टिफाइड डेयरी (दुग्धशालाएँ) काम कर रही हैं। ये सभी गुणवत्ता व शुद्धता के मामले में काफी आगे हैं। ये सभी डेयरी दूर दराज में रहने वाले लोगों के लिए राम बाण साबित होती हैं। जिस शहर और क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की कमी होती है, वहाँ इन डेयरी (दुग्ध्शाला) द्वारा कमी को पूरा किया जाता है। कुल मिलाकर जनसँख्या के हिसाब से दूध की जितनी खपत है भारत दूध का उतना उत्पादन करने में सक्षम है। अतएव हम कह सकते हैं कि दुग्धशालाएं, दूध को संरक्षित और सुरक्षित करती हैं। विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की 25 वीं वर्षगाँठ मनाई जा रही है।

मोहन के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा है देश का हृदयप्रदेश एमपी

मध्यप्रदेश देश के हृदय स्थल में बसा एक ऐसा राज्य है जिसने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आज पूरे देश में नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों को महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनाया है। स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। मोहन सरकार की अनेक नीतियां और योजनाएं महिलाओं के उत्थान में सहायक साबित हो रही है।

मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जा रहा है। वर्तमान में, राज्य में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे लगभग 62 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। ये समूह महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, कौशल विकास, और सामुदायिक नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि स्व-सहायता समूह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का साधन हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी एक जन-आंदोलन है। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं जिनका प्रभाव राज्य के हर कोने में महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋ्रण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है।

लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। इससे न केवल आर्थिक रूप से महिलाओं की स्थिति बेहतर हो रही है बल्कि महिलाएं डिजिटल युग की सहभागी भी बन रही हैं। इस योजना के तहत 1.27 करोड़ महिलाओं को अब तक 35,329 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 25 लाख महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 882 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों में बचत को प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रूपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं।राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता हम होंगे कामयाब अभियान चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया।मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया है। सरकार का लक्ष्य 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित कर रही है।मध्यप्रदेश में 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिला है। इसके अलावा, रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्यरत महिलाओं को प्रति माह 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जिससे उनकी मासिक आय में इजाफा हो रहा है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मध्यप्रदेश में महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन समूहों ने न केवल महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उदाहरण के लिए, स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अब स्थानीय स्तर पर उत्पादक संगठनों के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं।महिलाओं के लिए 35त्न सरकारी नौकरियों में आरक्षण और निकाय चुनावों में 50त्न आरक्षण जैसे कदमों ने उनकी भागीदारी को और बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, जेंडर बजट में 19,021 करोड़ रुपये की वृद्धि और महिला सशक्तिकरण के लिए 1 लाख 21 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मोहन सरकार ने नारी सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता में रखा है। पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाई गई है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। महिला हेल्पलाइन और महिला पुलिस स्टेशन जैसी सेवाओं को भी मजबूत किया गया है। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को अब 112 आपात सेवा से जोड़ा गया है। वर्ष 2024-25 में लगभग 82 हजार 552 महिलाओं को त्वरित सहायता मिली है। योजना के प्रारंभ से अब तक एक लाख 57 हजार महिलाओं को लाभ मिल चुका है।

प्रदेश में देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर शुरू किया गया है। यह मिशन महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। इस मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों को स्टार्ट-अप अभियान से जोड़ा गया, जिसमें 8 करोड़ 10 लाख रुपये के निवेश पत्र वितरित किए गए। मोहन के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के लिए न केवल सशक्तिकरण के अवसर पैदा किए गए हैं, बल्कि अब महिलाएं पारंपरिक घरेलू कार्यों से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। सैनिटेशन और हाइजीन योजना के तहत प्रदेश की 19 लाख से अधिक बालिकाओं को 57 करोड़ 18 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है जिससे किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा मिला है। यूनिसेफ ने भी मध्यप्रदेश के इन प्रयासों की सराहना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए महिला सशक्तिकरण को नया आयाम दिया है। अहिल्या बाई ने महेश्वर से शासन चलाते हुए महिलाओं को साड़ी बुनाई जैसे कौशलों से जोड़ा, जिससे महेश्वरी साड़ियां विश्व प्रसिद्ध हुईं। इसी तरह, डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूहों को उद्यमिता और कौशल विकास से जोड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। यह प्रयास मध्यप्रदेश को नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे कृषि, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा और राजनीति जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है। नारी शक्ति मिशन के तहत हर जिले की महिलाओं को सशक्तिकरण की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। उनका मानना है कि यदि नारी सशक्त होगी, तो समाज और प्रदेश स्वत: सशक्त होगा। सरकार का लक्ष्य 2047 तक मध्यप्रदेश को विकसित भारत के साथ एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाना है, जिसमें महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। समाज में महिलाओं को समान अवसर देना न केवल उनके विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। एक तरफ आज जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं वहीँ लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना और नारी शक्ति मिशन जैसी अनेकों महिला केन्द्रित योजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश की महिलाएं सामाजिक रूप से भी सशक्त हो रही हैं। स्व-सहायता समूहों ने न केवल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि महिलाओं को समाज में सम्मान और स्वावलंबन की नई पहचान दी है।

-हर्षवर्धन पाण्डे

हम नहीं देख पाए, वो अब भी गा रहे थे- गांव की बाल्कनी से उड़ती स्मृतियाँ

शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से।

शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बाल्कनियों में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे साँस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह लेख उन्हीं स्मृतियों और अनुभवों की यात्रा है — एक गांव की बाल्कनी में बैठकर महसूस की गई उस दुनिया की, जो कभी हमारी थी, लेकिन जिसे हमने शहर के शोर में कहीं खो दिया।

जब मैं हाल ही में गांव आई, तो एक शाम अपनी बाल्कनी में बैठी थी। अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी — भूरे और सफेद रंग की, फुर्तीली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज़ आई — धौर्रईया! हाँ, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकट्ठा होता, तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते, उन्हें दाना डालते, और उनके नामों पर बहस करते। ये गौरैया नहीं, धौर्रईया है, मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता।

शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौए, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया — बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बाल्कनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं, और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है, और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है।

टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तितर की दौड़ — ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं।

शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से।

रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों — प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी।

जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौर्रईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, हाँ बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे।

इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं?

गांव की यह बाल्कनी एक खिड़की बन गई थी — केवल बाहर देखने की नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की। मुझे याद आने लगीं नानी की कहानियाँ, वो दोपहरें जब पेड़ की छांव में बैठकर चिड़ियों के घोंसलों को निहारा करते थे, वो मटर के खेत जिनमें तीतर भागते थे, और वो पोखर जहां जलमुर्गियाँ अपने बच्चों के साथ तैरती थीं।

हमारी पीढ़ी ने मोबाइल की स्क्रीन पर बर्ड इमोजी तो देखी, लेकिन उनके असली रंग नहीं। हमने गूगल पर बर्ड कॉल्स सुने, लेकिन कभी खुले आसमान के नीचे बैठकर चिड़ियों की सुबह की सभा नहीं देखी।

गांव आकर यह एहसास हुआ कि हमारी भागदौड़ में हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है, जिसे देखकर हमारी आत्मा मुस्कुराया करती थी। पक्षी केवल उड़ने वाले प्राणी नहीं हैं, वो हमारे अतीत के हिस्से हैं। हमारे लोकगीतों, कहानियों, और भावनाओं में बसे हुए साथी हैं। कागा सब तन खाइयो, चून-चून खइयो मांस — कबीर के इस दोहे से लेकर मीराबाई की कोयल और तुलसी की चातक तक, हर पक्षी हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहा है।

मुझे याद है जब पहली बार शहर आई थी, तो सोचती थी कि वहां की चकाचौंध ही जीवन का लक्ष्य है। लेकिन अब समझ में आता है कि रोशनी जरूरी है, पर हर रोशनी सूरज नहीं होती। कुछ रोशनियाँ ऐसी भी होती हैं जो आंखों को चौंधिया देती हैं, पर मन को अंधेरा कर देती हैं।

गांव की इस बाल्कनी में बैठे-बैठे एक नन्ही सी चिड़िया बार-बार आती है, कुछ पल बैठती है, फिर उड़ जाती है। उसे देखकर लगता है जैसे वो मेरी स्मृतियों में पंख लगा रही हो। हर बार जब वो उड़ती है, एक पुरानी याद हवा में तैर जाती है।

हम प्रकृति से जितना दूर होते जा रहे हैं, उतना ही खालीपन हमारे भीतर बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक दूरी तक, आधुनिक जीवन के संकटों का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि हम जमीन से, पेड़ों से, पक्षियों से और अपने मूल से कटते जा रहे हैं।

यह लेख एक आग्रह है — खुद से, और आप सबसे भी। गांवों में जाइए, खुली हवा में सांस लीजिए, चिड़ियों की आवाज़ पहचानिए, बच्चों को उनके नाम सिखाइए, और महसूस कीजिए कि जीवन केवल इंसानी शोर में नहीं, चहचहाहट में भी होता है।

शहर हमें ऊँचाई देता है, पर गांव गहराई देता है। शहर विकास की दौड़ है, गांव विरासत की गोद।

और सबसे जरूरी बात — ये पक्षी विलुप्त नहीं हुए हैं। वे अब भी गा रहे हैं, बस हमने सुनना छोड़ दिया है। आइए, फिर से सुनना शुरू करें। अपनी बाल्कनी से नहीं, अपने मन की खिड़की से।

- प्रियंका सौरभ

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का स्तर अपने वर्तमान स्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था; और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का स्तर वर्तमान स्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था। इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-ड्डद्बद्ब डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी। यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था। हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे. उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे. रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु। अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता. भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रस्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था।यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालाँकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अस्तित्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बस्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएँ और समुद्री पहाड़ियाँ - जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-ज़ोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन - भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं। इनमें से कई समुद्री संरचनाएँ बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएँ अटलांटिक तट के साथ आम हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएँ बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ। यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी। 2007 की शुरुआत में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंतत: ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया। हटाए नहीं गए खंडों में से एक रामायण की ऐतिहासिकता की कमी से संबंधित था, जिसने जल्द ही विवाद को जन्म दे दिया। संस्कृति मंत्री ने इस मामले पर अपना इस्तीफा दे दिया, जबकि वाणिज्य मंत्री, जो उसी राजनीतिक गुट से हैं, ने कहा कि यदि वे संबंधित विभाग के प्रमुख होते तो वे भी इस्तीफा दे देते। हिंदू मुन्नानी नामक एक धार्मिक समूह सेतुसमुद्रम परियोजना के विरोध में रामसेतु को राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा है। 2007 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर तीन याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेतुसमुद्रम परियोजना को स्थगित कर दिया गया। भारतीय पुरातत्व संस्थान (एएसआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रूप में, वैज्ञानिक तरीकों की वकालत करता है और पौराणिक मान्यताओं से खुद को दूर रखता है। इसने तर्क दिया कि वाल्मीकि रामायण, तुलसीदास की रामायण और अन्य पौराणिक ग्रंथ निस्संदेह भारतीय साहित्य का एक प्राचीन हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें ऐतिहासिक अभिलेख नहीं कहा जा सकता है जो निर्विवाद रूप से पात्रों के अस्तित्व या उनमें घटनाओं की घटना को साबित करते हैं। हालांकि, लीग के सदस्यों और समर्थकों के विरोध के सामने, सरकार ने भगवान राम की धार्मिक ऐतिहासिकता और हिंदू धर्म में उनके महत्व को कायम रखते हुए समझौता करने की कोशिश की। हलफनामा तैयार करने वाले भारतीय सामाजिक अनुसंधान संस्थान के दो सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट से वापस लेने के बाद निलंबित कर दिया गया था। धर्मनिरपेक्ष टिप्पणीकार प्रफुल बिदवई उन कई लोगों में से एक थे जिन्होंने सरकार की आलोचना की थी कि यह दृष्टिकोण स्वीकार करना कि आस्था को हमेशा इतिहास, पुरातत्व और यहां तक कि भूविज्ञान पर हावी होना चाहिए - जो एडम ब्रिज जैसी प्राकृतिक संरचनाओं के अस्तित्व की व्याख्या करता है - और यह स्वीकार करना कि परियोजना को तथ्यों के बजाय मिथकों और शास्त्रों के कारण रद्द कर दिया जाना चाहिए। दिसंबर 2008 में, इमेजेस ऑफ इंडिया नामक एक सरकारी प्रकाशन संसद में पेश किया गया था। भारत की राष्ट्रीय सुदूर संवेदन एजेंसी द्वारा प्रकाशित, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष जी. माधवन नायर की प्रस्तावना के साथ, यह पुस्तक एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जो पिछली ज्ञान-मीमांसा संबंधी विनम्रता को पलटते हुए मौन रूप से इस दावे का समर्थन करती है कि पुल मानव निर्मित हो सकता है।जिसकी प्रतिध्वनि प्राचीन भारतीय पौराणिक महाकाव्य, रामायण में है वाक्यांश महाकाव्य से संबंध दर्शाता है। जब शोध चल रहा था, एक पुस्तक ने दावा किया कि पुल को भारतीय पौराणिक कथाओं से जुड़े प्राचीन इतिहास के उदाहरण के रूप में देखा जाता है । इसके बाद, भाजपा प्रवक्ता प्रकाश जावड़ेकर (बाद में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री नियुक्त) ने कहा कि विज्ञान ने कांग्रेस की राजनीति पर विजय प्राप्त की है, और सरकार अब केवल भगवान राम को ही नहीं बल्कि राम सेतु को भी स्वीकार करने के लिए मजबूर है। विवाद पर बाद में टिप्पणी करने वाली निवेदिता मेनन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जबकि भारतीय राज्य लगातार धर्मनिरपेक्षता का हवाला देकर धार्मिक आस्था को वैज्ञानिक तथ्यों के खिलाफ खड़ा करता है, हिंदू दक्षिणपंथी वास्तव में इस बात पर जोर दे रहे थे कि संरचना मानव निर्मित थी।

- संजय गोस्वामी

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इन्दौर। कमजोर आवकों के चलते आलौच्य सप्ताह के दौरान आवकें ठंडी रहने से नारियल बाजार तेजी पर रहे। खाद्य तेलों में बाजार नरमी के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार सुस्ती के रहे। दलहनों में चना व मूंग में बाजार मंदी पर रहा।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। शक्कर में जून माह का कोटा अच्छी मात्रा में आने के बाद बाजार सुस्ती पर है। शक्कर में बाजार घटकर 4140-4170 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरे गोले में माल की अक्षत से बाजार तेजी के देखे गये। खोपरे गोले में बाजार 235-270 रू. प्रति किलो पर आ गये। सौंफ-जीरे में अचार मसाला निर्माताओं की लेवाली है, जिसके चलते भावों में तेजी की स्थिति रही। सूखे मेवों में पूछपरख सामान्य है। जिसके चलते भावों में हलचल का अभाव है। नारियलों में आवकें सुस्त रहने से बाजार तेजी की गिरफ्त में रहे। समीक्षा सप्ताह के दौरान नारियलों में बाजार 100-150 रू. प्रति थैले तक की तेजी आयी और नारियल 120 भरती मालों में बाजार 2650-2700 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। आयातित व देशी मालों की आवकें सामान्य से अच्छी रहने से बाजार सुस्ती पर नज़र आये। सींगदाना तेल इन्दौर लाईन पर 1410-1430 रू. से घटकर 1350-1370 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। सोया व कपास्या तेलों में 10-20 रू. प्रति किलो का नुकसान देखा गया। सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1235-1240 रू. से घटकर 1230-1235 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन पूछपरख के अभाव में बाजार 4300 रू. से टूटकर 4150 रू. प्रति क्विटल पर आ गया। सरसो व रायडा भी मजबूती के देखे गये।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार की मा9ा कम ही देखी गयी। चना बिकवाली दबाव से 50-75 रू. प्रति क्विंटल की गिरावट आयी और चना टूटकर 6050-6075 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। उड़द-मूंग में पूछपरख ठंडी रहने से बाजार मंदी के देखे गये। उड़द में बाजार 6800-7800 रू. प्रति क्विटल पर आ गये। मसूर में बाजार मंदी के देखे गये।

महाराष्ट्र में बारिश से प्याज की फसल को नुकसान, मांगा मुआवजा

मुंबई। महाराष्ट्र में प्याज उत्पादकों के एक संगठन ने पिछले महीने राज्य में भारी बारिश की वजह से किसानों को हुए फसल नुकसान के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा है। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है। महाराष्ट्र राज्य कांदा उत्पादक संगठन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) द्वारा पारदर्शी प्याज खरीद सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। महाराष्ट्र में मई में अभूतपूर्व बारिश हुई है। पत्र में कहा गया है कि जलगांव, धुले, नासिक, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे, सोलापुर, बीड, धाराशिव, सांगली, बुलढाणा, अकोला, परभणी और जालना जैसे प्याज उत्पादक जिले बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष और नासिक जिले के प्रमुख की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि छह मई से भारी बारिश के कारण पूरे राज्य में प्याज की फसल को काफी नुकसान हुआ है। एसोसिएशन ने कहा कि कई किसानों ने अपनी पूरी रबी सीजन की फसल कटाई से पहले ही गंवा दी है। उन्होंने इस नुकसान की भरपाई के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा है।

तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव 24 रुपये घटाये

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 24 रुपये कम कर दी है। यह नई दर 1 जून से लागू हो गई है। अब 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर 1,723.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियां नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और बाजार की स्थिति के आधार पर एलपीजी की दरें बदलती रहती हैं। इस साल की शुरुआत में 1 अप्रैल को भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 41 रुपये की कमी की गई थी। दूसरी ओर, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें स्थिर रखी गई हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में एलपीजी की कीमतें स्थानीय करों और परिवहन लागत के कारण भिन्न होती हैं। भारत में एलपीजी का लगभग 90 प्रतिशत उपयोग घरेलू रसोई में होता है, जबकि शेष 10 प्रतिशत कमर्शियल, औद्योगिक और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में खपत होता है। इससे पहले मार्च में केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की थी। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण लिया गया था। लेकिन मई 2025 में भारतीय क्रूड बास्केट की औसत कीमत घटकर 64.5 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो पिछले तीन साल में सबसे कम है।

आर्थिक आंकड़े और ग्लोबल रुझानों से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, वृहद आर्थिक आंकड़े और ग्लोबल रुझानों से तय होगी। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीद-फरोख्त और शुल्क से जुड़े घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा पर असर डाल सकते हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा कि आगे की ओर देखें, तो सभी की निगाह 6 जून को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणा पर रहेंगी। इसके अलावा नए माह की शुरुआत के साथ वाहन बिक्री और आर्थिक गतिविधियों का संकेत देने वाले अन्य आंकड़े आएंगे। साथ ही सभी की निगाह मॉनसून की प्रगति और विदेशी संस्थागत निवेशकों के फ्लो पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बॉन्ड बाजार के रुझान और जारी व्यापार वार्ताओं से जुड़े घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से ज्यादा तेजी से बढ़ी है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3,900 अरब डॉलर हो गया। जनवरी-मार्च तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.4 फीसदी रही। इस बीच सप्ताह के दौरान आने वाले विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए क्रय प्रबंधक सूचकांक आंकड़े भी बाजार के लिए अहम होंगे।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा। परिवार का कोई सदस्य काम के लिए कहीं बाहर जा सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई पर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आपको अपनी कमी को सुधार कर अपने कामों में जुटना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। पारिवारिक समस्याएं भी यदि लंबे समय से आपको घेरे हुए थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होंगी। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आपको किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रुप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। आपको शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय नहीं लेना है। आपको किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना भी पड़े, तो कीमती सामानों की सुरक्षा आवश्य करें। आईटी सेक्टर से जुड़े लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आप किसी समस्या को छोटा समझे, तो वह आज बढ़ सकती है। आप शारीरिक रूप से कमजोर रहेंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। आपने कोई राज यदि लंबे समय से छुपा रखा था, तो वह परिवार के सदस्यों के सामने उजागर हो सकता है। आपको पुराने झगड़े व झंझटों से छुटकारा मिलेगा। कोई कानूनी मामला आपको खुशी दे सकता है।

सिंह- आज आपको अपनी वाणी व व्यवहार पर संयम रखने की आवश्यकता है। आपके बॉस से आपके रिश्ते काफी बेहतर रहेंगे, लेकिन आपके आसपास कुछ शत्रु भी बने रहेंगे। आपको कोई चोट चपेट आदि लगने की संभावना है। आप यदि किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच रहे हैं, तो आपको उसमें थोड़ा धैर्य रखना होगा। आपका कोई सहयोगी आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश कर सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको कोई नौकरी से संबंधित खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम को लेकर बातचीत हो सकती हैं। कोई विवाद को लेकर जीवनसाथी से कहासुनी होने की संभावना है। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। परिवार में माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती है। आप घर से ज्यादा बाहर के कामों पर ध्यान लगाएंगे। आपको किसी काम को पूरा करने मे यदि कोई समस्या आ रही थी, तो उसके लिए आप अपने भाई से सलाह ले सकते हैं, लेकिन वाहनों का प्रयोग आपको थोड़ा सावधान रहकर करना होगा, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। आपके मन में यदि किसी बात को लेकर संशय बना हुआ है, तो आप उसमें बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों में कोई गड़बड़ी भी कर सकते हैं। आपके बॉस से आपके रिश्ते में थोड़ी कड़वाहट रहेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको कोई पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। पूजा पाठ में आपका खूब मन लगेगा। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आप अपने धन का निवेश बहुत ही सोच समझकर करें। संतान की फरमाइश पर आप किसी नए वाहन को घर लेकर आ सकते हैं। आपको किसी दूर रहे परिजन की याद सता सकती है। नौकरी में कार्यरत लोगों को कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। जो आपके व्यवसाय में धन लगाने में आपकी पूरी मदद करेंगे। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी से कोई भी बात सोच समझ कर बोले, उनके रिश्ते में खटास आने की संभावना है। आपको अपने मित्रों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपको टेंशन बनी रहेगी। भाग दौड़ भी अधिक रहेगी। नौकरी में आपके बॉस आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप कहीं घूमने फिरने जाएं, तो वहां किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोले।

मीन- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको आपका डूबा हुआ धन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहना होगा। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचे। संतान ने यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लिया था, तो उसमें उन्हें जीत मिलेगी। परिवार व प्रॉपर्टी को लेकर कोई घमासान छिड़ सकता है।

शब्दजाल - 7917

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	व	जी	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	ल	बा	दी	छ	स	आ	ब	ख	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	ति	ल	ल	चा	न	क्रो	धी	झ	च
या	ल	द	र	रा	झ	ली	ती	ण	घ	र
द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	बै	स	बा	व	स
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क
रा	म	ब	ल	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	म	प	द
क	ड	ल	प	या	क	र्त	व्य	ब	त	म

चुनौती, नसीब, द बर्निंग ट्रेन, क्रोधी, चरस, राम बलराम, अली बाबा चालीस चोर, गजब, कर्तव्य, कयामत

शब्दजाल - 7916 का हल

दा	क	जं	व	ग	द	रि	या	दि	ल	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	र्म	ल	बा	छ	पु	रा	रा	क	क
री	ज	क	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	आं	आं	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	खें	पू	ना	ण	र	को
ती	ग	ई	लि	या	प	बा	श	र	ला	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	र	लो	श	पा
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	ह	प	क
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	जा	न	रा	बा	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.09 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.23 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.39 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.01 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.16 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.32 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.37 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.24 बजे से
राहुकाल		मीन	00.57 बजे से
7.30 से 9.00		मेष	02.27 बजे से
बजे तक		वृष	04.07 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 153 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 20.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 22.56 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 08.20 बजे को समाप्त।
करण गर 08.12 बजे तदनन्तर वणिज 20.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872363
जूलियन दिन 2460828.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आपसी विश्वास

संत कबीर रोज सत्संग किया करते थे। दूर-दूर से लोग उनकी बात सुनने आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने पर भी एक आदमी बैठा ही रहा। कबीर ने इसका कारण पूछा तो वह बोला, 'मुझे आपसे कुछ पूछना है। मैं गृहस्थ हूं, घर में सभी लोगों से मेरा झगड़ा होता रहता है। मैं जानना चाहता हूं कि मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह कैसे दूर हो सकता है?' कबीर थोड़ी देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी से कहा, 'लालटेन जलाकर लाओ'। कबीर की पत्नी लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक देखता रहा। सोचने लगा इतनी दोपहर में कबीर ने लालटेन क्यों मंगाई। थोड़ी देर बाद कबीर बोले, 'कुछ मीठा दे जाना।' इस बार उनकी पत्नी मीठे के बजाय नमकीन देकर चली गई। उस आदमी ने सोचा कि यह तो शायद पागलों का घर है। मीठा के बदले नमकीन, दिन में लालटेन। वह बोला, 'कबीर जी मैं चलता हूं।' कबीर ने पूछा, 'आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी कुछ संशय बाकी है?' वह व्यक्ति बोला, 'मेरी समझ में कुछ नहीं आया।' कबीर ने कहा, 'जैसे मैंने लालटेन मंगवाई तो मेरी घरवाली कह सकती थी कि तुम क्या सठिया गए हो। इतनी दोपहर में लालटेन की क्या जरूरत। लेकिन नहीं, उसने सोचा कि जरूर किसी काम के लिए लालटेन मंगवाई होगी। मीठा मंगवाया तो नमकीन देकर चली गई। हो सकता है घर में कोई मीठी वस्तु न हो। यह सोचकर मैं चुप रहा। इसमें तकरार क्या? आपसी विश्वास बढ़ाने और तकरार में न फंसने से विषम परिस्थिति अपने आप दूर हो गई।' उस आदमी को हैरानी हुई। वह समझ गया कि कबीर ने यह सब उसे बताने के लिए किया था। कबीर ने फिर कहा, 'गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है। आदमी से गलती हो तो औरत संभाल ले और औरत से कोई त्रुटि हो जाए तो पति उसे नजरअंदाज कर दे। यही गृहस्थी का मूल मंत्र है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 6861

1		2	■	3		4	■	5	
	■	6			■		■		■
7	8		■	9	10		■	11	
■		■	12			■	13		■
14	■	15		16	■	17		■	18
19			■	20	21	■	■	22	
	■	23				■	24	■	
25	26		■	■	27	■		28	
■		■	29			■	30		■
31				■	■	32			■

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२. 'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारिक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6860

पि	या	का	घ	र	■	ह	थ	क	ड़ी
ता	श	■	गैं	■	दो	स्ती	■	न्या	■
■	ना	खु	दा	■	बा	■	अं	दा	ज
ह	■	श	■	कुं	द	न	■	न	■
म	ज	बु	र	■	न	ज	र	■	म
सा	या	■	त	ब्बू	■	श	■	डॉ	न
या	■	आ	न	■	कि	ना	रा	■	च
■	गै	र	■	मै	ला	■	म	वा	ली
प्या	■	पा	पी	■	■	रा	जा	■	■
सा	ग	र	■	रा	खी	■	ने	पा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7170

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7169 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8385

	1		2		3		4	
5							6	7
		8		9				
10						11		
		12			13			
14				15		16		17
			18		19			
20	21						22	
	23				24			

बाएँ से दाएँ

1.कवि की रचना,गजल-3
3.अनुमान,अंदाज-3
5.सदपुरुष-2
6.अयोग्य,असंगत -2
8.स्वार्थ,लोभ-4
10.सहयोग,सहकार-3
11.उन्माद,सनक-3
12.भगवान का अराधक-2
13.ठंडक,शीतलता-2
14.दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16.चांदी-3
18.गंवारपन,अशिष्टता-4
20.पैंदा,तला-2
22.वर्तमान दिन-2
23.बहने का भाव-3
24.गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन,आर्ट-2
2.बल,दम,जोर-3
3.समीप,नजदीक-3
4.गलत का विलोम-2
5.भ्रम,संदेह-3
7.उपनदी,कैनाल-3
8.नशे से भरपूर-4
9.लाख,सौ हजार-2
11.स्वभाव,आदत-4
14.स्वास्थ्य-3
15.इस जगह-2
17.तहजीब,शिष्टता-3
18.इकट्ठा होना-3
19.रेखा,लाइन-3
21.होठ,अधर-2
22.आगमन-2

शब्द पहेली - 8384 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप एक लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,01,369.5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 34,852.35 करोड़ रुपये की गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 59,233.61 करोड़ रुपये बढ़कर 6,03,120.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 19,589.54 करोड़ रुपये बढ़कर 7,25,036.13 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 14,084.2 करोड़ रुपये बढ़कर 10,58,766.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,462.15 करोड़ रुपये बढ़कर 14,89,185.62 करोड़ रुपये हो गया।

इस रुख के विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 17,909.53 करोड़ रुपये घटकर 12,53,486.42 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 7,645.85 करोड़ रुपये घटकर 19,22,693.71 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 4,061.05 करोड़ रुपये घटकर 5,70,146.49 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का 2,605.81 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 10,31,262.20 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 1,973.66 करोड़ रुपये घटकर 5,52,001.22 करोड़ रुपये रहा। इन्फोसिस की बाजार हैसियत में 656.45 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,49,220.46 करोड़ रुपये पर आ गई।

सीडीईएल पर आज रहेगी निवेशकों की नजर, शुक्रवार को हुआ भारी नुकसान

नई दिल्ली। कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर सोमवार को फोकस में रह सकते हैं। दिवालियापन से गुजर रही कंपनी ने बीते शुक्रवार को अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए थे। मार्च तिमाही में कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड का इंटीग्रेटेड नेट घाटा पिछले वित्त साल मार्च तिमाही में कम होकर 114.16 करोड़ रह गया था। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 296.40 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

बता दें कंपनी के शेयर शुक्रवार को 4 फीसदी तक टूटकर 31.82 रुपए पर बंद हुए थे। लंबी अवधि में इस शेयर ने निवेशकों को काफी नुकसान पहुंचाया। साल 2018 में इसकी कीमत 350 रुपए थी। कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में उसकी परिचालन आय 7 फीसदी बढ़कर 268.03 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 250.65 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 24 फीसदी बढ़कर 313.54 करोड़ हो गया। समीक्षा अवधि में सीडीईएल की कुल आय 8.35 फीसदी बढ़कर 279.23 करोड़ रुपए हो गई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में भी सीडीईएल का शुद्ध घाटा 143.20 करोड़ रह गया जो एक साल पहले 307.43 करोड़ था। पिछले वित्त वर्ष में, सीडीईएल की कुल एकीकृत आय मामूली रूप से बढ़कर 1,125.64 करोड़ रुपए हो गई है।

इस महीने में 12 दिन रहेगी बैंक कर्मियों की छुट्टी

नई दिल्ली। इस महीने जून में भी कई त्योहार की वजह से बैंक कर्मियों की छुट्टी रहेगी। जून के महीने में ही बकरीद का त्योहार है और महीने के आखिरी हफ्ते में रथयात्रा का भी त्योहार है। अलग-अलग शहरों में कुल मिलाकर 12 दिन जून के महीने में बैंक बंद रहेंगे। इसमें से 5 दिन रविवार की वजह से छुट्टी रहेगी। वहीं 2 दिन दूसरा और चौथा शनिवार भी शामिल है।

जून के महीने में इस प्रकार रहेगी बैंकों की छुट्टी-

6 जून 2025 - बकरीद - इस दिन कोच्चि और तिरुअननंतपुरम् में बकरीद की छुट्टी रहेगी।

7 जून 2025 - बकरीद - इस दिन अगरतला, बेलापुर, बेंगलुरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, देहारदून, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंफाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, न्यू दिल्ली, पणजी, पटना, रायपुर, रांची, शिलॉन्ग, शिमला, श्रीनगर में छुट्टी रहेगी। वहीं, तिरुअननंतपुरम्, कोच्चि, इटानगर, गंगटोक और अहमदाबाद में बैंक इस दिन खुले रहेंगे। वहां, बैंक कर्मियों की छुट्टी नहीं रहेगी।

11 जून 2025 - संत गुरु कबीर जयंती/सागा दावा - शिमला, गंगटोक में इस दिन छुट्टी रहेगी।

27 जून 2025 - रथयात्रा/कांग (रथजात्रा)- इम्फाल, भुवनेश्वर में इस दिन छुट्टी रहेगी।

30 जून 2025 - रेम्ना नी - इस शांति का दिन कहा जाता है। ऐजवाल में इस दिन छुट्टी रहेगी।

साप्ताहिक अवकाश-1 जून को बैंक बंद रहेंगे। रविवार की वजह से बैंक कर्मियों का अवकाश रहेगा। 8, 15, 22 और 29 जून को भी रविवार की वजह से बैंक में कारोबार नहीं होगा। 14 और 28 जून को दूसरे और चौथे शनिवार की वजह से बैंक में अवकाश रहेगा।

तीन वर्ष बाद भी पूर्ण नहीं हुआ सालेटेकरी मार्ग पर डिवाइडर विथ क्रास लाईटनिंग कार्य

देरी के साथ गुणवत्ता पर उठे सवाल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद अन्तर्गत लांजी सालेटेकरी मार्ग पर मुख्यमंत्री अधोसरचना तृतीय चरण अन्तर्गत सालेटेकरी मार्ग पर डिवाइडर विथ क्रास लाईटनिंग कार्य लागत 69.90 लाख से स्वीकृत हुआ था, जो कि सुभाष चौक कोटेश्वर द्वार से निस्तार डिपो तक होना था। जिसका विधिवत पूर्व विधायक रमेश भटेरे की उपस्थिति में 4 मई 2023 को भूमिपूजन किया गया था, किन्तु तीन साल बाद भी अधूरा है। कार्य की गति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि कार्य पूर्ण होने में यह पंचवर्षीय कार्यकाल का पूरा समय लगेगा। ज्ञात हो कि जनवरी 2024 में निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ तब बताया गया कि इस्टीमेट बढ़ जाने के कारण अब सड़क चौड़ीकरण एवं डिवाईडर निर्माण का कार्य कोटेश्वर द्वार से लेकर सरस्वती शिशु मंदिर तक सड़क के दोनों ओर देढ़-देढ़ मीटर चौड़ीकरण का कार्य एवं सड़क के मध्य डिवाईडर निर्माण कार्य कुल लंबाई 720 मीटर लागत लगभग 76 लाख रूपये से निर्माण कार्य किया जाना था, जिसकी नगर परिषद द्वारा निविदा लक्ष्मी ट्रेडर्स भोपाल के नाम वर्ष 2023 में स्वीकृत किया गया। उस समय भी सड़क के दोनों किनारो पर चौड़ीकरण कार्य हेतु खुदाई कर चार माह तक कोई कार्य नही किया गया था जिससे इस मार्ग के व्यापारियों तथा आवागमन कर रहे लोगो अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा था। सड़क किनारे खोदे गये गड्डो में कई दुर्घटनाऐं भी हुई थी। अंतत- जनता एवं व्यापरियों में आक्रोश व्याप्त होने पर तथा बाजार बंद करने व आंदोलन करने की सूचना देने के उपरांत कुछ कार्य को आगे बढाया गया। जो कुछ कार्य किया गया है उसमें भी यह शिकायत है कि ठेकेदार के द्वारा स्टीमेट के अनुरूप निर्धारित मापदण्डो के आधार पर कार्य नही किया गया है डबल्यू एमएम 60-40-20-10-6 एवं डस्ट जिसकी मोटाई 10 इंच होना चाहिये किन्तु ठेकेदार के द्वारा मटेरियल के नाम पर एक दम निम्र स्तर का अनुपयोगी मटेरियल डाला गया है, सड़क चौड़ीकरण में 60 एमएम, 40 एमएम, 20 एमएम का मटेरियल डाला ही नही गया है 40 एमएम के नाम पर फ्लेकी मेटल चपटा पत्थर, 10 एमएम के नाम मात्र की का मटेरियल है इसके बाद सीधे डस्ट का उपयोग किया गया है। प्रत्येक चरण मे मेटल डालकर पानी डालना था एवं उसके बाद रोलर चलाना था किन्तु पुरा मटेरियल एक साथ डालकर उस पर रोलर चलाकर डामरीकरण कर दिया गया है। जिसका तकनीकी अधिकारियों से परिक्षण कराया जा सकता है।

कछुआ गति से हो रहा डिवाइडर का निर्माण कार्य

सालेटेकरी मार्ग पर सरस्वती शिशु मंदिर के सामने से डिवाइडर का कार्य प्रारंभ किया गया है। इस निर्माण कार्य को कछुआ गति से भी नहीं कहा जा सकता, क्यों कि कछुआ गति से भी कार्य होता तो अधिकतम एक माह में पूर्ण हो जाता। वर्तमान में हो रहे निर्माण कार्य को देखें तो कार्य में गुणवत्ता की कमी नजर आ रही है व सबसे बड़ी बात इसमें पर्याप्त पानी की तराई नहीं हो रही। अभी डिवाइडर का आधा काम नहीं हुआ है, इसके बाद लाइटिंग का कार्य होना है। इसी गति से कार्य होता रहा तो 2026 में भी कार्य पूर्ण होगा या नहीं कहा नहीं जाता।

निर्माण कार्य का नहीं लगा है बोर्ड

सालेटेकरी मार्ग पर हो रहे सड़क चौड़ीकरण व डिवाइडर निर्माण व लाइटिंग का कार्य का 4 मई 2023 को भूमिपूजन किया गया , इसके उपरांत यहां कार्य के इस्टीमेट का बोर्ड लगें नहीं होने के कारण वास्तव में कितने लम्बाई में कार्य होना एवं क्या कार्य होना एवं इसकी वास्तविक लागत कितनी है एवं कब तक पूर्ण होना है ज्ञात नहीं है। बताया जा रहा है कि इस निर्माण कार्य का रिवाइज इस्टीमेट भी बनाया गया है एवं जिसकी लागत लगभग एक करोड़ रुपए की होना बताई जा रही है।

इनका कहना है

इस संबंध में नगर परिषद के उपयंत्री अमित नगपुरे से जानकारी लेने पर कहा कि रिवाइज इस्टीमेट बनाए जाने के कारण काम डिले हुआ है। लेकिन अब तक काम पूरा हो जाना था, अब क्यों ठेकेदार काम में देरी कर रहा है पता नहीं। काम में देरी पर हर बिल में ठेकेदार से 10 प्रतिशत की पेनाल्टी काटी जा रही है।

एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में एकता और अनुशासन के सिद्धांत का पालन करते हुए प्रशिक्षण लेंगे कैडेट्स

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शुक्रवार से प्रारम्भ हुए दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में कैम्प कमाण्डेन्ट ले. कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने कहाकि समस्त कैडेट्स एकता और अनुशासन के सिद्धांत का पालन करते हुए प्रशिक्षण लेंगे। उन्होंने बताया कि कैम्प का उद्देश्य कैडेटस् को जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित

कर भविष्य निर्माण के लिये अथक परिश्रम करना है। एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेटस् के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए होनहार नागरिक निर्माण करता है। उन्होंने शिविर के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए अनुशासन के साथ कर्तव्य निष्ठा, चरित्र एवं मानवीयता के साथ कार्य करने की प्रवृति पर जोर दिया। इसके साथ ही कैप्टन राजेन्द्र सिंह कुशराम ने व्यक्तित्व विकास के संबंध में कैडेटस को बताया कि किस प्रकार दिनचर्या होनी चाहिए, किसे अपनी जीवनशैली में अपनाना तथा किसे अपनी जीवनशैली से बाहर करना चाहिए। इसके पश्चात खेलकुद का अभ्याय एनसीसी अधिकारी कंचनदास महाजन एवं नवीता मैथ्यु के मार्गदर्शन में करवाया गया। इस अवसर पर कैम्प एनसीसी अधिकारी रामलाल डहेरिया, गजानन कटरे तथा अन्य सहयोगी एनसीसी अधिकारी के साथ प्रशिक्षक सुबेदार जोगिंदरलाल, यम बहादुर थापा एवं साथ सहयोगी पीआई भी उपस्थित रहे।

आदि गुरू शंकराचार्य की जयंती पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। म.प्र.जन अभियान परिषद विकासखंड लांजी में 1 जून को आदि गुरू शंकराचार्य जी की जयंती के अवसर पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्य आतिथ्य में तथा मुख्य वक्ता श्यामलाल पाण्डे, के आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती एवं आदिगुरू शंकराचार्य जी के छायाचित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर एवं अतिथिगणों को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संतोष नगपुरे विकासखंड समन्वयक म.प्र.जन अभियान परषिद लांजी द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई। इसके पश्चात श्यामलाल पाण्डे, अध्यक्ष गायत्री शक्तिपीठ लांजी ने अपने सत्र में बताये कि आदि गुरु शंकराचार्य, जिन्हें जगद्गुरु भी कहा जाता है एक महान दार्शनिक, विद्वान, और आध्यात्मिक गुरु थे। वे अद्वैत दर्शन के संस्थापक माने जाते हैं और उनका जन्म 8वीं शताब्दी में वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ था। शंकराचार्य का जन्म केरल के कालड़ी गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु था और माता का नाम आर्यम्बा था। वे बहुत ही कम उम्र में संन्यासी बन गए थे और मात्र 32 साल की उम्र में ही उनका निधन हो गया था।। श्री आदि शंकराचार्य का जन्म सन 788 ई में, केरल के आधुनिक एर्नाकुल्लम जिले में एक कलादी नामक गाँव में हुआ था। इन्होंने भारतवर्ष में चार कोनों में चार मठों की स्थापना की थी जो अभी तक बहुत प्रसिद्ध और पवित्र माने जाते हैं और जिन पर आसीन संन्यासी शंकराचार्य कहे जाते हैं। विधायक राजकुमार कर्राहे ने अपने उद्बोधन में बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती कार्यक्रम के तहत जो व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है यह एक प्रशंसनीय कार्य है। उन्होंने शंकराचार्य जी के विषय में जानकारी देते हुये कहा कि स्वंय भगवान शिव शंकराचार्य के रूप में जन्म लिए थे। उनका जन्म वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष पंचमी को हुआ था। उनका नाम शंकर रखा गया, जो आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए। शंकराचार्य को जगद्गुरु के रूप में मान्यता प्राप्त है। शंकराचार्य यह एक उपाधि है, जो हर युग में एक ऋषि को मिलती है। शंकराचार्य बहुत ही कम उम्र में संन्यासी बन गए थे। उन्होंने उत्तर दिशा में बद्रिकाश्रम में ज्योर्तिमठ, पश्चिम दिशा में द्वारिका में शारदा मठ, दक्षिण दिशा में श्रंगेरी मठ और पूर्व दिशा में जगन्नाथ पुरी में गोवर्धन मठ की स्थापना की। ये सभी मठ आगे चलकर शंकराचार्य पीठ कहलाए। आपने यह भी कहा कि म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड स्तर पर सामाजिक जागरूकता के बहुत से कार्य कर रहा है यह कार्य छोटे जरूर है किन्तु जनजागरूकता के लिए यह बहुत ही अच्छे एवं बडे कार्य है। मैं जन अभियान परिषद को इसकी स्थापना से जानता हूं। जन अभियान परिषद स्थापना से आज तक निरंतर जनजागरूकता के कार्य कर रहा है यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य। इसके पश्चात संतोष नगपुरे विकासखंड समन्वयक म.प्र.जन अभियान परिषद विकासखंड लांजी ने कार्यक्रम में उस्थित अतिथिगण एवं समस्त प्रतिभगीयों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र/छात्राऐं, परामर्शदाता अशोक घरते, निलेश्वर ठाकरे, विजय हटिले, ज्योति शक्करपुडे, नवांकुर संस्था युनिवर्सल ज्ञानदीप समिति लांजी से रमेश आसटकर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बडगांव (म) से घनश्याम पारधी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सांवरीकला से मुनेश पटले, स्पोर्ट एण्ड स्काउट गाईड आर्गेनाईजेशन लांजी से लवकुश यादव की उपस्थिति रही।

प्राचार्य सदाराम धारने को सेवा निवृत्ति पर शाला परिवार ने दी विदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा में पदस्थ प्राचार्य सदाराम धारने जिन्होने 31 मई को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये जिनका विदाई समारोह शाला परिवार के द्वारा विद्यालय परिसर में 31 मई को दोपहर 12 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सत्येन्द्र नारनौरे प्रभारी प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि सदाराम धारने प्राचार्य साडरा के आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष व विशिष्ठ अतिथियों द्वारा सदाराम धारने (प्राचार्य) के कार्य के संबध में बताया गया कि आप कर्मशील व्यक्तित्व के धनी हमारे मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत रहे है। आपका शैक्षणिक कार्यकाल बहुत ही सराहनीय रहा आप बहुत ही मिलनसार, सरल स्वभाव, मृदुभाषी, हमेशा सबके शुभचिंतक रहे । आपका मिलनसार व्यक्तित्व हम सब के लिए हमेशा अभिवंदनीय रहेगा। आप सेवानिवृत्ति पश्चात समाज सेवा करते रहे एवं आगे भी सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी रहे। इन्ही विचारों के साथ सभी उपस्थिती जनों ने श्री धारने को शॉल श्री फल एवं भेंट प्रदान कर शुभकानाऐं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान प्रमुख रूप से विशिष्ठ अतिथि श्रीमती लता लक्ष्मीप्रसाद बिल्हारे सरपंच साडरा, चंदशेखर जामुरे उपसरपंच साडरा,श्रीमती तारा बिल्हारे उपाध्यक्ष एसएमडीसी साडरा, कमल किशोर मेश्राम संकुल प्राचार्य कुम्हारीकलाँ, के सी गुरदे प्रधानपाठक वारी, बिशेश्वर सोनवाने माध्य शिक्षक , रविन्द्र घोरमारे इन्जीनियर ।शाला परिवार से परमानन्द धनोले , तिलकदास लिल्हारे, कुलदीप मेश्राम , प्रदीप कुराहे , होलीराम वाकडे , चुनेन्द्र ठाकरे, सोनम नागले ,

दिनेश नगपुरे, ओमप्रकाश नारनौरे , शिल्पा कावडे, रामकिशोर नगपुरे, सुरेश अगासे, अनिल धारने, ममता दूबे, गंगेश्वरी कटरे, दिनेश लिल्हारे, काजल गोव्हारे , पुरूषोत्तम दशहरे, संतोष भरने, विलास लिल्हारे, आकाश जामुरे, लीलाधर कटरे, हर्षिता बैस, रानी मस्करे, ममता बिल्हारे, शैलेन्द्र नारनौरे आभार प्रदर्शन सत्येन्द्र नारनौरे प्रभारी प्राचार्य, मंच संचालन महेन्द्र गुरदे के द्वारा किया गया।

शिक्षक पवन हरिनखेड़े की सुपुत्री ईशा का निधन, अंतेष्टि आज

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत देवरी के खामघाट निवासी शिक्षक पवन हरिनखेड़े की सुपुत्री 13 वर्षीय कु. ईशा हरिनखेड़े का 1 जून की रात 8 बजे दुखद निधन हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार 2 जून को प्रात: 10 बजे खामघाट वैनगंगा नदी मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी अनुसार शिक्षक पवन हरिनखेड़े की सुपुत्री ईशा हरिनखेड़े नवोदय विधालय वारासिवनी में कक्षा नवमी में पढ़ाई करती थी। अचानक 1 जून को तबियत खराब होने एवं हृदयगति रुक जाने से रात 8 बजे दु:खद निधन हो गया। इतनी कम उम्र में होनहार छात्रा का निधन हो जाने की खबर लगते ही चित परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त है। जिनका अंतिम संस्कार 2 जून को प्रात: 10 बजे खामघाट वैनगंगा नदी मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा।

ग्वालियर में सुरक्षा घेरे में 'संविधान निर्माता'

भोपाल। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर वकीलों के दो गुट आमने-सामने हैं। एक गुट का कहना है कि उन्हें प्रतिमा लगाने के लिए चीफ जस्टिस से स्वीकृति मिल चुकी है। आदेश के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने उसके लिए फाउंडेशन भी तैयार कर दिया था, लेकिन बार एसोसिएशन इसका विरोध कर रहा है। जबकि प्रतिमा लगाने का विरोध कर रहे गुट का दावा है कि चीफ जस्टिस की सहमति प्रक्रियात्मक गलती है। कोर्ट परिसर में किसी भी व्यक्ति का महिमा मंडन करने के लिए मूर्ति नहीं लगाई जाए। वैसे भी न्यायालय परिसर में तिरंगा लग चुका है। इससे बड़ा देश में कोई नहीं है। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 10 फीट ऊंची प्रतिमा बनकर तैयार है और मूर्तिकार प्रभात राय के स्टूडियो में है। प्रतिमा की सुरक्षा के लिए एक दर्जन से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। एक सब इंस्पेक्टर सहित 8 पुलिसकर्मी 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। स्टूडियो के जिस एरिया में मूर्ति है वहां किसी को आने-जाने की इजाजत नहीं है। फिलहाल ग्वालियर में हाईकोर्ट के दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बना रहे हैं। ग्वालियर में 29 जून को भीम सेना का 'भीमराव अग्निपथ महासभा' और आजाद समाज पार्टी ने 11 जुलाई को 'अंबेडकर महापंचायत' बुलाई है। साथ ही, प्रतिमा लगाने के पक्षधर वकीलों ने 31 मई को सांसद भारत सिंह कुशवाह को एक ज्ञापन दिया है, जिसमें उनसे मांग की है कि आप और केंद्रीय कानून मंत्री इस मामले में शामिल हो, जिससे कोर्ट परिसर में प्रतिमा स्थापित की जा सके।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पन्ना टाइगर रिजर्व में लगातार हो रही वन्य प्राणियों की मौत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया संज्ञान, अधिकारियों से लिया फीडबैक

भोपाल। टाइगर रिजर्व पन्ना में पिछले 20 दिन के अंतराल में 4 वन्य प्राणियों की मौत हुई है। इसे लेकर स्थानीय लोगों और वन्य जीव प्रेमियों में आक्रोश है। इसे लेकर खजुराहो सांसद और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा से जब सवाल किया तो उन्होंने बताया कि इस बारे में सीएम मोहन यादव से चर्चा हुई है और इसे लेकर वे गंभीर हैं। इसके अलावा उन्होंने खुद कलेक्टर और टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर से बात की है।

पन्ना टाइगर रिजर्व में मई महीने में 20 दिन के अंतराल में 4 वन्य प्राणियों की संदिग्ध मौत हो चुकी है। इसे लेकर पन्ना टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के बीच हडक़ंप मचा हुआ है। यहां 2

तेंदुए, 1 भालू और 1 बाघिन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले सामने आए हैं। इसके बाद यहां सभी मृत वन्य प्राणियों का पोस्टमार्टम करवाकर आंतरिक अंगों को जांच के लिए लैब भेजा गया है। जहां वन्य प्राणियों की मौत हुई है वहां पर सतना से डॉग स्क्वाड और एक्सपर्ट को बुलाकर सर्चिंग की गई है लेकिन आधिकारिक रूप से बताया गया है कि अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि के कोई सबूत नहीं मिले हैं।

मुख्यमंत्री तक पहुंची बात

29 मई को मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव का पन्ना में कार्यक्रम था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने बताया कि 4 वन्य प्राणियों की मौत के सिलसिले में मुख्यमंत्री को पूरी जानकारी दी गई है। सीएम हाउस में भी इसके बारे में चर्चा हो चुकी है। मुख्यमंत्री वन्य प्राणियों की मौत के सिलसिले में काफी गंभीर है। मैंने पूर्व में पन्ना टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर को वन्य प्राणियों की मौत की जांच कर

2009 में पन्ना टाइगर हो गया था बाघ विहीन

पन्ना टाइगर रिजर्व साल 2009 में बाघ विहीन हो गया था। इसके बाद 2010 में बाघ पुनर्स्थापना कार्यक्रम चलाया गया और अब साल 2025 में पन्ना टाइगर रिजर्व में करीब 100 से अधिक बाघ हैं, जो रिजर्व क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं और देश दुनिया के पर्यटक पन्ना टाइगर रिजर्व के बाघों का दीदार करने पहुंच रहे हैं। ऐसे में 20 दिन के अंतराल में 4 वन्य प्राणियों की मौत हो जाना चिंता का विषय है।

भोपाल में सरेराह कारोबारी से नोटों से भरा बैग लूटा

भोपाल। भोपाल में सरेराह लूट की घटना सामने आई है। भोपाल गेट के पास करीब दो आरोपियों ने सिर पर चाकू मारकर मोबाइल कारोबारी का नोटों से भरा बैग झपट लिया। बैग में करीब 35 हजार रुपए कैश रखे थे। वारदात को शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 1:30 बजे अंजाम दिया है। कारोबारी दुकान को बंद कर घर लौट रहे थे। पुलिस को रेकी के बाद लूट की आशंका है। फरियादी के करीबी और कर्मचारियों से भी पुलिस पूछताछ करेगी।

शाहजहांनाबाद पुलिस ने बताया कि राजेश अठवानी (40) पुत्र आनंदराम अठवानी प्रभुनगर ईदगाह हिल्स में रहते हैं। वह घोड़ानक्कास इलाके में मोबाइल की शॉप का संचालन करते हैं। देर रात दुकान बंद कर घर के लिए लौट रहे थे। भोपाल गेट के करीब कैंब्रिज स्कूल के पास में उन्हें बाइक सवार दो लडक़ों ने हाथ देकर रोक लिया। बदमाशों ने सिर में किसी धारदार चीज से हमला किया और राजेश के बैग को छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

परिचितों के साथ अस्पताल पहुंचे

फरियादी ने वारदात के बाद तत्काल परिजनों और परिचितों को कॉल किया। लहूलुहान हालत में उनके साथ अस्पताल पहुंचे और प्रारंभिक उपचार कराया। इसके बाद थाने पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने स्पॉट का निरीक्षण किया और तडक़े सुबह करीब तीन बजे एफआईआर दर्ज की है।

एसीपी बोले सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

एसीपी अनिल बाजपेयी ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए घटना स्थल के पास पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक टीम फुटेज खंगालने का काम कर रही है। वहीं, एक अन्य टीम फरियादी के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। जल्द आरोपियों का सुराग जुटाकर पूरे मामले का खुलासा करेंगे।

कलेक्शन एजेंट से लूट के आरोपी भी बेसुराग

फरियादी आदित्य आर्य (24) छोला इलाके में रहता है। वह बी.कॉम ग्रेजुएट है और फिलहाल नमक कंपनी में बतौर कलेक्शन एजेंट काम करता है। बुधवार सुबह कलेक्शन के लिए निकला था। पुराने शहर के ईदगाह हिल्स, शाहजहांनाबाद, काजी कैंप और टीला जमालपुरा से कंपनी का कैश कलेक्ट करते हुए अस्सी फीट रोड नई मंडी के पास पहुंचा था। वहां दो पहिया वाहन पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें चलती गाड़ी से गिराने के बाद लूट लिया था। इस मामले में भी आरोपी बेसुराग हैं।

पहली बार होगी एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं की दूसरी परीक्षा

भोपाल। पहली बार मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की द्वितीय परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसके लिए आवेदन करने की तारीख में वृद्धि कर दी गई है। अब विद्यार्थी आठ जून तक आवेदन कर सकेंगे। 10वीं की परीक्षा 17 जून से 26 जून तक एवं 12वीं की परीक्षा 17 जून से पांच जुलाई तक सुबह नौ से 12 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी।

अब तक साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों ने द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन किया है। इसके लिए प्रदेश भर में 1400 केंद्र बनाए गए हैं। माशिम की ओर से परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस बार 10वीं व 12वीं में 5.15 लाख विद्यार्थी फेल हुए हैं। ये विद्यार्थी द्वितीय परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विद्यार्थियों को दूसरा अवसर मिला है। इसलिए पहली परीक्षा में जो गलती हुई है, उसे दोहराएं नहीं बल्कि उससे सबक लेकर ठीक से साफ-सुथरा लिखें।

परीक्षा केंद्र पर एक घंटा पहले पहुंचना होगा

माशिम की ओर से जारी आदेश में विद्यार्थियों को निर्देशित किया गया है कि मुख्य परीक्षा की तरह ही यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें भी विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले यानी आठ बजे केंद्र पर पहुंचना होगा। 8.30 बजे परीक्षा कक्ष में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 8.45 बजे के बाद किसी भी विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

साक्षरता में छोटे राज्य बड़ों पर भारी

सरकार की कोशिशों के बावजुद मप्र का प्रदर्शन चिंताजनक

भोपाल। मप्र में शिक्षा की लौ जगाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। लेकिन सरकार की कोशिशों के बावजुद साक्षरता के मापदंड पर मप्र का प्रदर्शन चिंताजनक है। मप्र ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे दर्जन भर बड़े राज्यों का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा है। वहीं मिजोरम और गोवा जैसे छोटे राज्यों ने बड़े राज्यों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूर्ण साक्षरता प्राप्त किया है। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में पूर्ण साक्षरता को लेकर शिक्षा मंत्रालय की ओर से उल्लास नाम से शुरू किए गए नव साक्षरता मिशन के दो साल के भीतर ही यह सफलता मिली है। इस साल मई महीने में ही मिजोरम और गोवा को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया है।

गौरतलब है कि देश में 37 सालों से छिड़ी साक्षरता की मुहिम में मिजोरम और गोवा जैसे छोटे राज्यों ने पूर्ण साक्षरता का दर्जा हासिल एक नई अलख जगाई है। साथ ही इस बात की उम्मीद भी तेज की है कि 2030 तक देश को पूर्ण साक्षर बनाने का जो लक्ष्य भी रखा गया है, वह भी हासिल होगा। यह बात अलग है कि इस राह में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे दर्जन भर बड़े राज्यों का ढुलमुल रवैया एक बड़ी बाधा तो है लेकिन यह नामुमकिन भी नहीं है। देश में साक्षरता का मुहिम मई 1988 में शुरू हुई थी।

साक्षरता के मापदंड बदले

पहले सिर्फ हस्ताक्षर करने वाले को ही साक्षर मान लिया जाता था, लेकिन 2023 में इसके नए मानक निर्धारित किए। जिसमें साक्षर होने के लिए पढऩा, लिखना व संख्यात्मक ज्ञान होना जरूरी है। इस मुहिम में अब लोगों को उनके जीवन में काम आने वाले उपयोगी ज्ञान से परिचित कराया जा रहा है, जिसमें वित्तीय लेन-देन, चुनाव से जुड़ी जागरूकता, सामान्य कानूनी ज्ञान आदि शामिल है। पूर्ण साक्षरता का मतलब शत-प्रतिशत साक्षरता नहीं बल्कि 95 प्रतिशत साक्षरता होती है। यानी कोई भी राज्य या देश जब 95 प्रतिशत साक्षर हो जाता है तो उसे पूर्ण साक्षर घोषित कर दिया जाता है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक शत-प्रतिशत साक्षरता के असंभव लक्ष्य को देखते हुए यूनेस्को की सहमति से पूर्ण साक्षरता के मानकों में बदलाव किया गया है। रही बात गैर-साक्षर लोगों का पता लगाने की तो प्रत्येक दस वर्षों में होने वाली जनगणना से इसकी सही जानकारी मिलती है। इसके साथ राज्य भी अपने सर्वेक्षण से इसकी जानकारी जुटाते है।

अब पिछड़ राज्यों पर फोकस

शिक्षा मंत्रालय ने इस बीच देश के पूर्ण साक्षर होने के लक्ष्य में बाकी बचे पांच सालों को लेकर एक योजना बनाई है। जिसमें इस मुहिम में पिछड़े राज्यों पर खास फोकस किया है। इसमें गैर-साक्षर लोगों की पहचान कर सालाना लक्ष्य लेकर आगे बढऩे को कहा है। इनमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने अपनी योजना भी मंत्रालय के साथ साझा की है। जिसमें प्रत्येक स्कूली बच्चों और बीएड की पढ़ाई करने वाली बच्चों को साक्षरता की इस मुहिम से जोड़ा गया है। इनमें स्कूली बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में कम से कम दो गैर-साक्षर लोगों को पढ़ाने और बीएड छात्रों को पंद्रह गैर-साक्षर लोगों को पढ़ाने का जिम्मा दिया गया है। हाल ही में मिजोरम व गोवा ने अपने सर्वेक्षण में ही गैर-साक्षर लोगों की पहचान की। इनका रजिस्ट्रेशन नव साक्षरता से जुड़े उल्लास पोर्टल पर कराया। बाद में एनआईओएस के जरिए इनकी परीक्षा ली गई। पास-फेल की घोषणा की गई। इसके तहत राज्य साल में दो बार अपने यहां परीक्षा आयोजित करा सकते है। देश में लंबे समय से यह माना जा रहा था कि केरल देश का सर्वाधिक साक्षर राज्य है, लेकिन हाल ही में जैसे ही मिजोरम को देश का पहला साक्षर राज्य घोषित किया गया तो केरल को लेकर सवाल खड़ा हुआ। मंत्रालय ने यह साफ किया है कि निश्चित ही केरल एक समय देश का सर्वाधिक साक्षर राज्य था। लेकिन साक्षरता के नए मानक बाद यह प्रतिशत घट गया, दूसरा केरल ने हाल के वर्षों में इस ओर ध्यान भी नहीं दिया। मंत्रालय के मुताबिक अभी भी केरल में साक्षरता का प्रतिशत 93 प्रतिशत के आसपास है।

70 से ज्यादा आईएएस, 50 से ज्यादा आईपीएस बदलने की संभावना

तबादलों पर मंथन जारी, कभी भी जारी हो सकती हैं सूचियां

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रशासनिक कामकाज निपटाया। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ अधिकारियों के तबादलों पर भी चर्चा हुई है। बताया जा रहा है कि मोहन सरकार का अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करने जा रही है। जिसमें 70 से ज्यादा आईएएस अधिकारी और करीब 50 से ज्यादा आईपीएस अधिकारी प्रभावित होंगे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की तबादला सूची मई के शुरूआत में आना थी, लेकिन भारत-पाक सीमा के तनाव के चलते महीने के शुरूआत में सरकार आपात स्थिति से निपटने में जुट गई थी। फिर विभागीय तबादले और प्रधानमंत्री मोदी के भोपाल दौरे की वजह सूची टल गई। अब मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद आईएएस अधिकारियों की सूची कभी भी जारी हो सकती है। वहीं आईपीएस अधिकारियों की सूची पिछले 4 महीने से अटकी है। मुख्यमंत्री जनवरी के आखिर में जब जापान यात्रा पर गए थे, तब आईएएस की तरह आईपीएस अधिकारियों के तबादला होना था। लेकिन जीआईएस की तैयारी एवं अन्य कारणों की वजह से आईपीएस की सूची जारी नहीं हो पाई। हालांकि इस बीच कुछ आईपीएस अधिकारियों की एक या दो नाम की तबादला सूची जारी की गई। जबकि पुलिस में थोकबंद तबादले नहीं किए गए हैं। मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि आईपीएस के तबादलों को लेकर पूर्व में बैठकें हो चुकी है। शीर्ष स्तर पर एक और बैठक होना है। जिसके बाद आज-कल में या फिर 7 जून के बाद सूची जारी होगी।

मुरैना में बनेगा प्रदेश का पहला ई-म्यूजियम

6 करोड़ की लागत से बदलेगा पंडित राम प्रसाद बिस्मिल संग्रहालय का स्वरूप

भोपाल। मुरैना के अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल संग्रहालय को जल्द ही ई-संग्रहालय में परिवर्तित किया जाएगा। इसके लिए जिला पुरातत्व विभाग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है। यह मध्य प्रदेश का पहला ई-म्यूजियम होगा।

मुरैना जिला पुरातत्व अधिकारी अशोक शर्मा ने बताया कि वर्ष 2023 में भी इस संग्रहालय को ई-म्यूजियम बनाने का प्रयास किया गया था। उस समय 6 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की गई थी और दो करोड़ रुपए स्वीकृत भी हो चुके थे, लेकिन तकनीकी खामी और समयावधि बीत जाने के कारण यह प्रोजेक्ट निरस्त हो गया।

संस्कृति मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई डीपीआर एक माह में तैयार हो जाएगी, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। कार्य प्रारंभ होने में लगभग एक वर्ष का समय लग सकता है। ई-म्यूजियम में दर्शक किसी भी स्मारक के सामने स्थित बटन दबाकर उससे संबंधित पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रोजेक्ट को भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय को भेजा गया है। मंत्रालय की स्वीकृति के बाद ही इस पर आगे की कार्रवाई होगी।

नई ट्रेन पर भाजपा सांसदों में श्रेय लेने की होड़

सिंधिया और कुशवाह नई ट्रेन की मंजूरी को अपनी-अपनी उपलब्धि बता रहे

भोपाल। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ग्वालियर से बेंगलुरु के बीच एक नई ट्रेन को मंजूरी दी है। इसके लिए गुना सांसद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह के बीच श्रेय की जंग छिड़ी हुई है। दोनों ही सांसद इसे अपनी उपलब्धि बता रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दोनों नेताओं को नई ट्रेन में कुश्ती लडऩे की सलाह दी है। सिंघार ने कहा, मैं समझता हूं कि इन दोनों सांसदों को इस नई ट्रेन के एक ही कोच में बैठकर आरोप-प्रत्यारोपों पर कुश्ती करना चाहिए। जो कोच से बाहर आएगा वो जीतेगा और उसे श्रेय मिल जाएगा।

28 मई को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस नई ट्रेन के संचालन को मंजूरी दी है। इस ट्रेन की स्वीकृति दिए जाने का पत्र रेल मंत्री ने गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया और ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह को भेजा। रेल मंत्री ने दोनों ही सांसदों द्वारा इस रेल को शुरू करने के लिए लिखे गए पत्रों का उल्लेख किया।

सिंधिया ने जताया आभार

ट्रेन की मंजूरी मिलने पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट कर लिखा, ग्वालियर-चंबल के यात्रियों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही मांग को पूरा करने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता

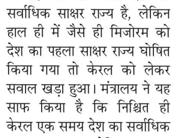

हूं। गुना क्षेत्र के यात्री विशेषकर बेंगलुरु में कार्यरत मेरे युवा साथी जल्द ही इस रेल सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

कुशवाह ने बताया ग्वालियर के लिए सौगात

रेल की मंजूरी मिलने के बाद ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने ट्वीट कर लिखा, ग्वालियर से बेंगलुरु के बीच सीधी ट्रेन संख्या 11085/11086 की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री जी, केंद्रीय रेल मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी का ग्वालियर अंचल की समस्त जनता-जनार्दन की ओर से बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद।

ग्वालियर सांसद बोले- मेरे पत्र पर मिली स्वीकृति

भोपाल में ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने दैनिक भास्कर से कहा, ग्वालियर अंचल की आवश्यकता थी कि बेंगलुरु के लिए एक नई ट्रेन शुरू की जाए। मैंने पत्र रेल मंत्री को दिया और प्रार्थना की। सिंधिया द्वारा गुना की उपलब्धि बताने पर ग्वालियर सांसद ने कहा, मैं इतना कहना चाहूंगा ग्वालियर सांसद होने के नाते मैं रेल मंत्री जी से अप्रैल की शुरुआत में मिला था। ग्वालियर के युवाओं, व्यापारियों की मांग पर ट्रेन का प्रस्ताव उन्हें दिया था। उसी पत्र पर रेल मंत्री जी ने स्वीकृति दी है। मेरी आदत रही है कि संबंधित क्षेत्र की जो भी समस्याएं हैं उनके समाधान के लिए मुख्यमंत्री जी और संबंधित विभागों के मंत्रियों से मिलूं। मैंने कैंट के व्यापारी, एग्रो व्यापारी और कई तरह के प्रतिनिधि मंडल, चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के साथ दिल्ली जाकर रेल मंत्री जी से मुलाकात की थी। मुझे खुशी है कि रेल मंत्री जी ने ग्वालियर वासियों की मांग पर यह ट्रेन ग्वालियर से बेंगलुरु के बीच स्वीकृत की है।

पचमढ़ी के राजभवन में 3 जून को होगी कैबिनेट बैठक

-परिसर में लग रहा डोम; राजा भभूत सिंह की स्मृति में होगा पार्क का नामकरण

नर्मदापुरम। मप्र के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में 3 जून को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक होगी। राजा भभूत सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाली इस बैठक की तैयारियां राजभवन में तीन दिन से चल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। मंत्रियों के 2 जून शाम से पहुंचने की संभावना है, जिनके लिए एमपी टूरिज्म की होटलों में ठहरने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री 3 जून को हेलीकॉप्टर से सीधे पचमढ़ी पहुंचेंगे और रविशंकर भवन में रुकने के बाद बैठक में शामिल होंगे। कलेक्टर सोनिया मीना सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने राजभवन का दौरा कर बैठक स्थल और मंत्रियों के आवास सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन राजा भभूत सिंह की स्मृति में एक पार्क के नामकरण की भी तैयारी कर रहा है।

पचमढ़ी में 7 साल पहले हुई थी कैबिनेट बैठक

पचमढ़ी में इससे पूर्व फरवरी 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई थी। इसके अलावा मार्च 2022 में चिंतन शिविर का भी आयोजन किया गया था।

पति-पत्नी को मिलती है किसान सम्मान निधि, तो दोनों के कटेंगे नाम

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने दिए पोर्टल से नाम अपात्र करने के निर्देश, वसूली भी की जाएगी

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के एक पत्र से मप्र में कई किसानों के नाम 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना से बाहर हो सकते हैं। कृषि मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे किसानों की छंटनी की जाए जो पति-पत्नी हैं और दोनों ही किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे हैं। ऐसे पति-पत्नी किसानों के नाम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किश्त आने से पहले पोर्टल से हटाए जाएं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं।

मध्य प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में एक ही परिवार के पति और पत्नी दोनों इस योजना का लाभ ले रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के पत्र के आधार पर आयुक्त भू-अभिलेख ने सभी जिलाधीशों को पत्र लिखकर योजना का लाभ ले रहे पति, पत्नी का पोर्टल से नाम अपात्र करने को कहा है। बताया गया कि पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किश्त जून के पहले सप्ताह में आने की संभावना है। इससे पहले पोर्टल से अपात्र घोषित किए जाएं। जब तक जांच पूरी नहीं होती और अधिक ली गई राशि का समायोजन नहीं हो जाता, तब तक ऐसे परिवारों को अगली किस्त नहीं दी जाएगी। यानी जो राशि ली गई है, उसे वापस भी देना पड़ेगा। हालांकि मप्र में इसको लेकर कई बार स्क्रूटनी हो चुकी है। राज्य कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया गया कि वैसे तो किसान सम्मान निधि का लाभ लेने वाले पति-पत्नी दोनों नहीं है। लेकिन जो महिलाएं अपनी पैतृक संपत्ति की इकलौती बारिश हैं, ऐसी महिलाएं जरूर किसान सम्मान निधि की पात्र हैं।

ई-केवायसी से पकड़ में आए दंपति

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने राशनकार्ड का ईकेवायसी कराया है। जिससे एक ही राशन कार्ड पर एक से अधिक पीएम किसान पंजीकरण और पिता व पति के नामों में समानता के कारण भी कई गड़बडिय़ों की पहचान हुई है। मप्र में परिवार में एक ही व्यक्ति को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए पहले ही स्क्रूटनी हो चुकी है। जिसमें ज्यादातर महिलाओं के नाम काटे गए थे। दरअसल, शुरू में हर भूस्वामी को किसान सम्मान निधि में शामिल किया गया था। बाद में सिर्फ एक को पात्र माना गया और अन्य के नाम हटा दिए गए थे।

साल में मिलते हैं छह हजार

पीएम किसान सम्मान निधि की पिछली किश्त आवंटन के समय मप्र में 85 लाख 60 हजार 646 पात्र किसान दर्ज किए थे। जिनमें से 85 लाख 199 लाभार्थियों के खातों में दो-दो हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी। पीएम किसान सम्मान निधि से पात्र किसान को साल में 6 हजार रुप मिलते हैं। तीन समान किश्तों में राशि जारी होती है। उल्लेखनीय है कि एमपी सरकार भी पीएम किसान लाभार्थियों को अलग से चार हजार रुपए की दो किस्तें देती है। इस तरह प्रदेश के किसानों को केंद्र और राज्य सरकार से सालाना कुल 10 हजार रुपए की सहायता प्राप्त होती है।

चार राज्यों के 380 बीएड कॉलेजों की मान्यता रद्द

मध्य प्रदेश के 11 बीएड कॉलेज

भोपाल। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा चार राज्यों के 380 बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त की गई है। इसमें सबसे अधिक 296 बीएड कॉलेज महाराष्ट्र के हैं। मध्य प्रदेश के 11 राजस्थान और छत्तीसगढ़ के 74 बीएड कॉलेज शामिल हैं।

मध्य प्रदेश के जिन बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त की गई है। उनमें मध्य प्रदेश सरकार का राजा भोज ओपन विश्वविद्यालय भी शामिल है। विश्वविद्यालय डिस्टेंस लर्निंग बीएड प्रोग्राम के तहत हर साल 1000 सीटों पर छात्रों को प्रवेश देता था। इसके अलावा सांई नाथ महाविद्यालय, ग्वालियर का ऋषि कुल ग्रुप आफ बीएड कॉलेज, फरीदा एजुकेशन सोसाइटी, रीवा का अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, नीराचलम शिक्षा महाविद्यालय सतना, स्वामी नारायणदास शिक्षा कॉलेज सागर के पंडित बीडी मेमोरियल बीएड कॉलेज तथा द्रोणाचार्य अकैडमी की मान्यता भी समाप्त हो गई है।

एकदिवसीय क्रिकेट में आईसीसी के नये नियम अगले माह से लागू होंगे

34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह जुलाई 2025 से एकदिवसीय क्रिकेट में नये नियम लागू करने जा रही है। जिससे कि खेल का रोमांच बढ़ सके। एक रिपोर्ट के अनुसार नये नियम से खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है अभी ये बल्लेबाजों के पक्ष में झुका हुआ है। अब , एकदिवसीय में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम को हटाया जा रहा है। अब 34 ओवर के बाद गेंद बदल दी जाएगी जिससे कि रिवर्स स्विंग करन आसान होगा और गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी बैठेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, एकदिवसीय मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद लेनी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से लागू होगा।

इसके अलावा, आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव की घोषणा की है। अब टीमें मैच शुरू होने से पहले रैफरी को 5 खिलाड़ियों की सूची सौंपेंगी, जिसमें एक विकेटकीपर, बल्लेबाज, तेज गेंदबाज, स्पिनर और ऑलराउंडर शामिल होंगे। यह नियम खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल की निष्पक्षता को बढ़ाने के लिए लाया गया है।

ये नियम टेस्ट क्रिकेट में 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गाले में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से लागू होंगे, जबकि टी20आई में बदलाव 10 जुलाई से प्रभावी होंगे। हालांकि, 11 जून से लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल वर्तमान नियमों के तहत ही खेला जाएगा। आईसीसी ने इन संशोधनों के बारे में अपने सदस्य बोर्डों को भी जानकारी दे दी है। ये बदलाव आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित किए गए हैं। इससे एकदिवीसय मैचों के लिए दर्शकों की रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष ने इंग्लैंड में खेली शतकीय पारी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने इंग्लैंड में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता में विगन क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए केवल 70 गेंदों में ही शतक लगा दिया। आशुतोष कैपिटल्स टीम के आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाने के बाद ही इंग्लैंड चले गये थे। आशुतोष को विगन क्रिकेट क्लब ने लिवरपूल और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए शामिल किया है। यह इंग्लैंड की ईसीबी प्रीमियर लीग का हिस्सा है। अपने पहले ही मैच में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए फॉर्मबी क्रिकेट क्लब के खिलाफ आक्रामक शतक लगाया। आशुतोष ने 73 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये।

उन्होंने सलामी बल्लेबाज अवीन दलुगोड के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी कर 153 रन बनाये। आशुतोष ने 8 चौके और 6 छक्के लगाए और 136.99 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की पर उनके आउट होते ही टीम फिर से मुश्किल में फंस गयी। आशुतोष शनिवार सुबह ही इंग्लैंड पहुंचे थे। उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में भी पंजाब किंग्स से फिनिशर की भूमिका निभाते हुए 167.25 की स्ट्राइक रेट से 189 रन बनाए थे। इस बार वह दिल्ली कैपिटल्स से उतरे और उन्होंने 29.14 की औसत और 160.62 की स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाए।

आशुतोष ने अब तक 14 लिस्ट ए मैच और 44 टी20 मैच खेले हैं पर अभी तक पेशेवर सफेद गेंद क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। उन्होंने 8 फर्स्ट क्लास मैच भी खेले हैं, जिसमें उनका औसत 28.46 और सबसे अधिक स्कोर 123 रन है। वहीं आशुतोष से पहले भारत के ही केएस भरत ने भी डलविच क्रिकेट क्लब की ओर से सरे चैम्पियनशिप में अपने पहले ही मैच में शतक लगाया था।

बुमराह ने वर्कलोड और जिंदगी को लेकर कही दिल की बात

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट 'बियॉन्ड 23' में अपने करियर, फिटनेस, पारिवारिक जीवन और वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए क्रिकेट से ज्यादा उनका परिवार अहम है। बुमराह ने कहा, मेरे लिए परिवार मेरे करियर से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक स्थायी रिश्ता है। मैं दो चीजों को बेहद गंभीरता से लेता हूं एक है मेरा परिवार और दूसरा मेरा खेल, लेकिन इनमें भी परिवार पहले आता है। उन्होंने आगे बताया कि उनके बेटे ने अभी से गेंद से खेलना शुरू कर दिया है, हालांकि यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है।

बुमराह की इस बातचीत के पीछे की एक अहम वजह हालिया चयन विवाद भी है। इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें कप्तानी का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला किया। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्क्वॉड की घोषणा के समय यह स्पष्ट किया था कि बुमराह पांचों टेस्ट नहीं खेलेंगे। अपनी फिटनेस को लेकर बुमराह ने कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए लंबे समय तक लगातार खेलते रहना मुश्किल होता है। मैंने यह लंबे समय तक किया है, लेकिन अब यह समझना जरूरी हो गया है कि शरीर किस दिशा में जा रहा है और कौन सा टूर्नामेंट अहम है। आपको स्मार्ट होकर तय करना पड़ता है कि कहां खेलना है और कहां आराम करना है।

बुमराह ने यह भी कहा कि वह कभी भी आंकड़ों या लक्ष्यों के पीछे नहीं भागते, क्योंकि जब भी उन्होंने ऐसा किया, वह उन्हें पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, मैं हमेशा मैदान पर पूरी ताकत झोंकता हूं, लेकिन नंबर्स और रिकॉर्ड्स पर ध्यान नहीं देता। मेरा फोकस सिर्फ बेहतर क्रिकेट खेलने पर होता है। बुमराह की यह सोच न केवल एक क्रिकेटर के रूप में उनकी परिपक्वता को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि वह खेल और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने को कितना जरूरी मानते हैं।

महेला जयवर्धने ने किया साई सुदर्शन की तारीफ

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में साई सुदर्शन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी गुजरात टाइटंस को हार से नहीं बचा सकी। मुंबई इंडियंस ने इस रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 20 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। साई सुदर्शन ने 49 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 80 रनों की जोरदार पारी खेली और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।

सुदर्शन के इस प्रदर्शन ने कई क्रिकेट दिग्गजों का ध्यान अपनी ओर खींचा हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच और पूर्व श्रीलंकाई कप्तान महेला जयवर्धने भी शामिल हैं। जयवर्धने ने युवा बल्लेबाज की तकनीक और मानसिक दृढ़ता की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुदर्शन की बल्लेबाजी देखकर उन्हें काफी आनंद आया और उन्होंने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 'शानदार' करार दिया। साथ ही, जयवर्धने ने इंग्लैंड दौरे को लेकर उम्मीद जताई कि सुदर्शन वहां भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करेंगे।

जयवर्धने ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन सुदर्शन में वहां भी सफल होने की काबिलियत है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह युवा खिलाड़ी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में बड़ा योगदान देगा। सुदर्शन ने इस आईपीएल सीजन में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक और एक शानदार शतक भी जड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोररों में शामिल हो गए।

गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में सुदर्शन सबसे भरोसेमंद नाम बनकर उभरे। हालांकि टीम का सफर यहीं खत्म हो गया, लेकिन सुदर्शन ने अपने दमदार प्रदर्शन से भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने क्वालिफायर 2 में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका मुकाबला फाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स से होगा, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

जेमी ओवरटन चोटिल होकर वेस्टइंडीज दौरे से बाहर, इंग्लैंड को बड़ा झटका

एजबेस्टन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे के बीच एक बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन हाथ की उंगली में चोट के चलते वनडे और टी20 सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान लगी, जब उन्होंने एक रिटर्न कैच पकड़ने की कोशिश की। इंग्लैंड ने उस मुकाबले में वेस्टइंडीज को 238 रन से करारी शिकस्त दी थी, लेकिन जीत के बावजूद ओवरटन की चोट टीम के लिए परेशानी का कारण बन गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि अब ओवरटन टीम से अलग होकर इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरेंगे। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वनडे टीम में उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टीम के पास मैथ्यू पॉट्स और ल्यूक वुड जैसे विकल्प रिजर्व के रूप में मौजूद हैं, जबकि स्पिन विकल्प के रूप में टॉम हार्टले पर भी विचार किया जा सकता है।

31 वर्षीय जेमी ओवरटन ने पिछले साल ही वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक उन्होंने कुल छह वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने सात विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने वर्ष 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण किया था, लेकिन इसके बाद उन्हें एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिल पाया है।

जेमी ओवरटन की गिनती इंग्लैंड के उन तेज गेंदबाजों में होती है जो अपनी रफ्तार के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी टीम को गहराई प्रदान करते हैं। उनका कद 6 फीट 5 इंच है और वह गेंद को स्विंग कराने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में हुए आईपीएल 2025 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। आईपीएल में उन्होंने कुल तीन मुकाबले खेले, हालांकि उन्हें सिर्फ छह ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में खेलने से पहले ओवरटन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल का हिस्सा थे। चोट के चलते अब वह न केवल वनडे सीरीज के बचे हुए मैचों से बल्कि आगामी टी20 मुकाबलों से भी बाहर हो चुके हैं, जो इंग्लैंड के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

रॉय 10,000 रन बनाने वाले इंग्लैंड के चौथे खिलाड़ी बने

लंदन। इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने यहां काउंटी टीम समरसेट के खिलाफ मुकाबले में अपने 10,000 रन पूरे किये हैं। इसी के साथ ही रॉय टी20 क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बने हैं। वहीं वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले विश्व में 17वें खिलाड़ी बने है। रॉय ने अब तक कुल 383 पारियों में 10,066 रन बनाए हैं। रॉय अभी सर्रे के लिए ब्लास्ट टी20 टूर्नामेंट खेल रहे हैं। पिछले दिनों समरसेट के खिलाफ उन्होंने 54 गेंदों पर 6 चौके और 7 छक्कों की सहाय से 92 रन बनाए हालांकि उनकी टी 146 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच में हालांकि समरसेट की टीम को जीत मिली। इंग्लैंड की ओर से टी20 में सबसे ज्यादा रन एलेक्स हेल्स के नाम हैं। हेल्स ने 492 पारियों में 13,698 रन बनाए हैं। वहीं जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के 422 पारियों में 12,561 रन हैं जबकि जेम्स विंस के 419 पारियों में 12,087 रन हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। वहीं डेविड मलान ने 355 पारियों में 9,929 रन बनाये हैं। रॉय टी20 क्रिकेट में अपनी राष्ट्रीय टीम के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड की ओर से टी20 लीग और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। रॉय ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है। टी20 क्रिकेट में 10,000 रनों का आंकड़ा हासिल करना मेरे लिए विशेष है, और मैं इसके लिए अपने साथियों और कोचों के समर्थन को श्रेय दिया है।

साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन, आजमाया आईपीएल 2025 में

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के पीछे छिपे कई राज खोले हैं। सुदर्शन ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी में इंग्लैंड में खेले गए काउंटी क्रिकेट का बड़ा योगदान है। काउंटी क्रिकेट के कुछ मैच खेलने के बाद उन्हें समझ आया कि बल्लेबाजी में बेसिक्स यानी बुनियादी तकनीक सबसे अहम होती है। इस अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले आत्मविश्वास भी दिया है।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 15 मैचों में 54.21 की औसत से कुल 759 रन बनाए और वे ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, उनकी इस बेहतरीन फार्म के बावजूद ग ु ज र ा त टाइटंस एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस से हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अब सुदर्शन का फोकस भारतीय रेड बॉल क्रिकेट पर है। उन्होंने पिछले सीजन में इंग्लिश काउंटी टीम सरे के लिए भी कुछ मैच खेले थे, जिससे उनकी तकनीक में सुधार हुआ।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को छह जून से नॉर्थम्पटन में भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे मैच में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण यह कम हो गया है। भारतीय टेस्ट टीम छह जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। सुदर्शन ने कहा, 卐काउंटी क्रिकेट में मैंने सात मैच खेले हैं, जिससे मेरी तकनीक और बुनियादी बातें बेहतर हुई हैं। मुझे एहसास हुआ कि बल्लेबाजी में बेसिक्स पर ध्यान देना कितना जरूरी है। अब मैं अपने अनुभवों से सीख लेकर और बेहतर बनना चाहता हूं।卐

सुदर्शन ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से सीमित ओवरों की क्रिकेट खेल रहे हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। उन्होंने कहा, तीन महीने के सफेद गेंद के क्रिकेट के बाद मेरी बल्लेबाजी में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन टेस्ट की तैयारी के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। अब मेरा ध्यान केवल बेसिक्स पर रहेगा।卐 जब उनसे आईपीएल के बाद टी20 टीम में चुने जाने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो सुदर्शन ने कहा, 卐देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है, मैं भी ऐसा चाहता हूं, लेकिन फिलहाल मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मुझे अपने खेल में सुधार करना है और जब भी मौका मिलेगा, मैं देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहूंगा।

बुमराह और तेवतिया जब आमने-सामने आये

मुल्लांपुर। मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और गुजरात टाइटंस के राहुल तेवतिया की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर मुकाबले में एकदूसरे से झड़प हो गयी थी हालांकि मामला बढ़ नहीं पाया। ये भिड़ंत उस समय हुई जब दोनो ही टीमें मैच जीतने जोर लगा रहीं थीं। इस मुकाबले में मुम्बई को आंखिरकार जीत मिली। ये मामला गुजरात की बल्लेबाजी के दौरान हुआ। तेवतिया ने बुमराह की गेंद में छक्का लगाया और जब वह अगली बार ऐसा करने गये तो वह अगली दो गेंदों में शॉट लगाने में विफल रहे।

इसके बाद तनाव के बीच ही तेवतिया ने कोई बात कही दी जिससे बुमराह भी बरस पड़े और उन्होंने कहा, मेरे से मत बोल। इसके बाद

तेवतिया ने कहा कि वह अपने से बातें कर रहे थे जिससे दोनो के बीच गलतफहमी दूर हो गयी। इससे बुमराह के चेहरे पर मुस्कान आ गई, जिन्होंने खुशी से हाथ उठाया और अपने गेंदबाजी करने चले गये। तब तक मैच में बदलाव आ गया था। 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम को तीन ओवर्स में 45 रनों की जरूरत थी पर बुमराह के ओवर के बाद टीम को 12 गेंदों पर 36 रन बनाने थे। अंतिम ओवर में गुजरात को जीत के लिए 24 रन चाहिए थे। मुंबई ने ये मुकाबला जीत कर गुजरात टाइटंस को खिताबी दौड़ से बाहर कर दिया।

रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई 8 जून को होगी

मुम्बई । क्रिकेटर रिंकू सिंह शीघ्र ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनकी शादी उत्तरप्रदेश के मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज से इसी साल नवंबर में होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की सगाई इसी माह 8 जून को लखनऊ में होने वाली है। रिंकू भारतीय टी20 क्रिकेट टीम से खेलते हैं। वहीं प्रिया समाजवादी पार्टी की टिकट से सांसद हैं। ऐसे में शादी में क्रिकेटरों के साथ ही कई बड़े राजनेताओं ओर जानी मानी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। वहीं प्रिया पेशे से वकील हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने पित की जगह पर उतरीं थीं। रिंकू और प्रिया दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं।

पीएसजी को जीत दिलाने वाले कोच एनरिक बेटी को याद कर भावुक हुए

म्यूनिख। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को पहला चैंपियंस लीग फुटबॉल खिताब जिताने वाले कोच लुइस एनरिक जीत के बाद अपनी छोटी सी बेटी जाना को याद कर भावुक हो गये। जाना की साल 2019 में मौत हो गयी थी। उसे लुइस टूट गये थे। जाना ऑस्टियोसारकोमा नाम की बीमारी से पीड़ित थी। यह एक प्रकार का हड्डी का कैंसर है। पीएसजी और इंटर मिलान के बीच फाइनल से पहले एनरिक ने जाना की हड्डी के कैंसर से संघर्ष के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मेरी बेटी 9 साल तक ही इस दुनिया में रही हालांकि वह आज भी हमारी यादों में जीवित है। उन्होंने कहा, मुझे मेरी बेटी के साथ एक शानदार तस्वीर याद है, चैंपियंस लीग जीतने के बाद, मैदान पर बार्सिलोना का झंडा लगाते हुए। उन्होंने कहा, काश मैं पीएसजी के साथ भी ऐसा ही कर पाता। वह शारीरिक रुप से वहां नहीं होगी पर वह आत्मा के रुप में वहां मौजूद होगी, और यह मेरे लिए बहुत अहम है। लुइस एनरिक और पीएसजी के फैंस ने जाना को फाइनल में याद किया था। पीएसजी के प्रशंसक एक बड़ा बैनर लेकर आए थे, जिसमें एनरिक हैं और उनकी बेटी जारा के हाथ में पीएसजी का झंडा था। वहीं एनरिक भी अपनी बेटी के लिए टीशर्ट पहने हुए थे। उनके हाथ में पीएसजी का झंडा था। चैंपियंस लीग में इंटर मिलान ने 5-0 की शानदार जीत के साथ अपना पहला खिताब जीता है। म्यूनिख में पीएसजी की जीत रिकॉर्ड अंदाज में हुई। किसी भी टीम ने इससे पहले चार गोल से अधिक के अंतर से यूरोपीय कप फाइनल नहीं जीता था।

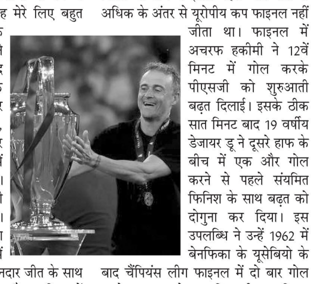

फाइनल में अचरफ हकीमी ने 12वें मिनट में गोल करके पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके ठीक सात मिनट बाद 19 वर्षीय डेजायर डू ने दूसरे हाफ के बीच में एक और गोल करने से पहले संयमित फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। इस उपलब्धि ने उन्हें 1962 में बेनफिका के यूसेबियो के बाद चैंपियंस लीग फाइनल में दो बार गोल करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना दिया। पीएसजी की आक्रमण शैली से इंटर की मुश्किलें बढ़ गयीं और वह संघर्ष करती नजर आई। पीएसजी ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया ने 73वें मिनट में एक शानदार जवाबी हमले के बाद चौथा गोल किया जबकि सब्सिट्यूट सेनी मयुलु ने पांचवां गोल किया। पीएसजी ने न केवल चैंपियंस लीग फाइनल में सबसे अधिक जीत हासिल की, बल्कि यूरोपीय सफलता का पीछा करने के एक दशक से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब भी जीता। 2015 में बार्सिलोना के साथ ट्रेबल खिताब जीत चुके कोच लुइस एनरिक अब पेप गार्डियोला के साथ दो अलग-अलग क्लबों के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले मैनेजर्स में से एक बन गए हैं।

शुभमन बोले, पांड्या के साथ मतभेद नहीं

नई दिल्ली । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ उनके किसी भी प्रकार के मतभेद नहीं हैं। दोनो के बीच ये मामला तब उठा जब एलिमिनेटर मुकाबले में टॉस के दौरान दोनों कप्तानों ने आपस में हाथ भी नहीं मिलाया। इस घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर आये हैं। इसके अलावा जब एलीमिनेटर मुकाबले में शुभमन के विकेट पर पांड्या आक्रामक हुए थे तब भी लगा कि इनके बीच सबकुड ठीक नहीं है। वहीं अब एक पोस्ट के जरिये शुभमन ने इस अटकलों को समाप्त कर दिया है। शुभमन ने पांड्या के साथ तस्वीर शेयर करते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, 'प्यार के अलावा कुछ नहीं साथ ही लिखा कि इंटरनेट पर जो कुछ भी आप देखते हैं उस पर भरोसा न करें।' इसी को साझा करते हुए पांड्या ने कहा , 'हमेशा शुभु बेबी।'

गौरतब है किक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने आईपीएल एलिमिनेटर मुकाबले में टाइटंस को 20 रनों से हराया है। अब मुम्बई का मुकाबला क्वालीफायर-2 में पंजाब से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम को फाइनल का टिकट मिलेगा और ये टीम आरसीबी से खेलेगी।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश ने मचाई तबाही, 24 घंटे कम से कम 32 लोगों की मौत

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश ने भीषण तबाही मचाई है। पिछले 24 घंटे में बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 32 लोगों की जान जाने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है। हालांकि बारिश से पूरी तरह निजात नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोत्तर में अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में मूसलाधार बारिश जारी रहने की संभावना है।उत्तरी बंगाल और मेघालय पर बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से असम, मिजोरम, मेघालय,नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो रही है। बाढ़, भूस्खलन और मकानों-होटलों के ढहने की वजह से कई लोग मारे गए हैं और कई अब भी लापता हैं।

मेघालय में 7 की मौत

मेघालय में तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। चेरापुंजी और मॉसिनराम में एक दिन में ही 47 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। नगालैंड के चूमौकेदिमा में सड़क पर चट्टान गिरने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई।

मिजोरम में घर और होटल ढहने की वजह से कम से कम 6 लोगों के मारे जाने की खबर है। इसमें म्यांमार के भी तीन नागरिक शामिल हैं। वे जिस होटल में ठहरे थे वह बारिश की वजह से ढह गया। मणिपुर में आइरिल और नांबुल नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

कार में बह गए दो परिवार

अरुणाचल प्रदेश में पानी के तेज बहाव की वजह से हाइवे से ही एक कार बह गई जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। ईस्ट कामेंग जिले में एनएच-13 पर पानी के तेज बहाव की वजह से कार बह गई। वहीं सुबानसिरी जिले में दो मजदूर भूस्खलन के चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिवार के लिए चार लाख रुपये मदद राशि का ऐलान किया है।

असम में कम से कम 9 की मौत

असम में भारी बारिश की वजह से कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। लखीमपुर जिले में रंगानदी डैम से ज्यादा पानी छोड़े जाने की वजह से कम से कम दो की जान चली गई। गुवाहाटी में तीन बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। बोंडा इलाके में भूस्खलन की वजह से एक शख्स की जान चली गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के पश्चिमी भाग में तीन जिलों में 'रेड अलर्ट' है और आठ अन्य जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। जबकि अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के ऊपरी इलाकों से आने वाले वर्षा जल ने राज्य में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से 58 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ प्रभावित 1,224 लोगों ने पांच राहत शिविरों में शरण ली है। यहां 11 अन्य राहत वितरण केंद्र भी खोले गए हैं।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड औरछत्तीसगढ़ में हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलेंगी। उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में भी 45 से 55 की गति से हवाएं चल सकती हैं और कई जगहों पर बौछार पड़ सकती है।

देश में 9 दिन में कोरोना केस 1300 प्रतिशत बढ़े

48 घंटे में 21 मौतें, 3783 एक्टिव केस, बेंगलुरु में वैक्सीन की तीनों डोज ले चुके मरीज की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 3783 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक, 22 मई को भारत में 257 केस थे। 9 दिन में कोरोना के मामलों में 1372 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। केरल में सबसे ज्यादा 1400 मामले हैं। वहीं महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 एक्टिव केस हैं।

जनवरी से अब तक कोरोना से 28 मौतें हो चुकी हैं। इसमें 21 लोग बीते 2 दिन में मरे हैं। शनिवार को बेंगलुरु में 63 साल के व्यक्ति की मौत हो गई है। उसे दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी। वहीं दिल्ली में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हुई है। महाराष्ट्र-केरल में सबसे ज्यादा 7-7 लोगों ने जान गंवाई है। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने दिक्कत होने पर तुरंत जांच करने को कहा है।

महाराष्ट्र में 9 हजार से ज्यादा कोविड टेस्ट

महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि शनिवार को कोविड के 68 नए मामले

सामने आए। जबकि मुंबई में जनवरी 2025 से अब तक कुल 749 केस मिले हैं। जनवरी से अब तक राज्य में 9592 कोविड-19 टेस्ट किए गए। वहीं, जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को कोविड-19 के दो मामले सामने आए थे। दोनों मरीज केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है।

यूपी के नए डीजीपी बने राजीव कृष्ण

लखनऊ। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का कार्यभार संभाला। एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई। वे भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1991 बैच के अधिकारी हैं और प्रशांत कुमार की जगह लेने वाले हैं। जो 31 मई को सेवानिवृत्त हो गए हैं। राज्य के गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अपने पूर्ववर्ती की तरह कृष्ण भी राज्य के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक होंगे। कृष्ण वर्तमान में सतर्कता और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के महानिदेशक (डीजी) के रूप में सेवा दे रहे थे। आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र कृष्ण, आईपीएस में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के अधिकारियों में से एक हैं। उन्होंने लखनऊ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), लखनऊ रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी), नोएडा के एसएसपी, लखनऊ जोन के महानिरीक्षक (आईजी) और आगरा जोन के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) सहित कई पदों पर सेवा दी है। वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के आईजी (ऑपरेशन) के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।

10 घंटे वाली ड्रिप महज 15 मिनट में खत्म, मरीज की गई

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज की दो स्टाफ नर्सों और वॉर्ड बॉय को निलंबित कर दिया है। उन पर आरोप है कि 10 घंटे में चढ़ाई जाने वाली ड्रिप महज 15 मिनट में लगा दी, जिससे मरीज की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएस की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन की गई है। कमिटी को 48 घंटे में अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।

वहीं मृतक के परिवारीजनों का आरोप है कि बीकापुर क्षेत्र के रजौरा गांव के रहने वाले नरेंद्र बहादुर सिंह को जब मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया था तो वह पूरी तरह से सामान्य थे। गोंडा में तैनात उनकी नर्स बेटी मीनाक्षी सिंह ने बताया कि उनके पिता को दी जाने वाली 10 घंटे की ड्रिप मात्र 15 मिनट में चढ़ाकर खत्म कर दी, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। नरेंद्र के बेटे ने कई बार डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से मदद की गुहार लगाई, लेकिन कोई समय पर नहीं पहुंचा। आखिरकार इलाज न मिलने से मरीज की मौत हो गई।

घटना के बाद परिवारीजन और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। भीड़ इकट्ठा होते देख कॉलेज के प्राचार्य को मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालनी पड़ी। शनिवार को नरेंद्र का पोस्टमॉर्टम कराया गया। घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद नर्स संगीता पाल और सुमन पाल की सेवाएं जांच पूरी होने तक रोक दी गई हैं। साथ ही संबंधित वॉर्ड बॉय की तत्काल हटा दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर वॉर्ड बॉय अखिलेश और संबंधित स्टाफ नर्स को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामले में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस ने शुरु किया संविधान लीडरशिप अभियान, आवेदन फार्म किया जारी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने संविधान लीडरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है। इस प्रोग्राम के तहत पिछड़े समाज के लोगों की प्रतिभा को दुनिया के सामने लाया जाएगा। इसके लिए, कांग्रेस ने एक फॉर्म जारी किया है। आवेदक को फॉर्म में सभी जानकारी भरनी होगी। इस कार्यक्रम में चयनित व्यक्ति बिहार के अपने-अपने क्षेत्रों और जिलों में कम्युनिटी ऑर्गेनाइज़र और मोबिलाइज़र के रूप में काम करेंगे। वे तय करेंगे कि दबे-कुचले समुदायों की गरिमा, अधिकार और आवाज़ें सुनी जाएं। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि हमारा उद्देश्य महिला, दलित, महादलित, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, अल्पसंख्यक और ईडब्ल्यूएस समुदायों से नेतृत्व की एक नई पीढ़ी को सामने लाना है। इस फॉर्म में नाम, पता, उम्र, राज्य, जिला, विधानसभा क्षेत्र, मोबाईल नंबर, जातीय वर्ग, जाति-उपजाति के साथ अपना फेसबुक आईडी लिंक भी शेयर करना होगा। आवेदक को यह भी बताना होगा कि क्या वह अभियान, बैठक और ट्रेनिंग के लिए यात्रा करने में सहज होंगे, साथ ही क्या वह व्हाइट टी-शर्ट पहनकर अपने जिले या विधानसभा क्षेत्र में काम करना चाहते हैं? इसके साथ आवेदक को यह भी जानकारी देनी होगी कि अभी वह वर्तमान में क्या काम कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें ऑप्शन दिया गया है, जिसमें सामाजिक नेता, सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर, छात्र-युवा नेता, आशा कर्मी, पॉलिटिकल प्रैक्टिशनर, निर्वाचित पंचायत सदस्य, इंडिया अलायंस एसोसिएट्स, मिड-डे मील रसोइया, आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका, पंचायत सहायक या अन्य के ऑप्शन पर टिक करना होगा। कांग्रेस ने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध युवाओं और कार्यकर्ताओं को संगठित करने और नेतृत्व के लिए तैयार करने का मंच है। हम उन युवाओं, ज़मीन से जुड़े नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया की मज़बूत आवाज़ों को कांग्रेस और व्हाइट टी-शर्ट आंदोलन से जोड़ना चाहते हैं, जो बदलाव की राजनीति के पक्षधर हैं। यह पहल श्रमिक अधिकारों, संसाधनों में न्यायपूर्ण हिस्सेदारी, और राजनीति में वंचित समुदायों की निर्णायक भागीदारी तय करने के लिए शुरु किया गया है।

विपक्ष पीएम मोदी का नहीं, भारत के सम्मान, शौर्य का अपमान कर रहा - कृष्णम

संभल। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर विपक्ष के आरोपों पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष को इस बात का डर है कि जब तक देश में पीएम मोदी रहेंगे उनकी सत्ता में वापसी तय नहीं है। रविवार को आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर कहा कि वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन वह बचकानी टिप्पणी कर रहे हैं। विपक्ष को मालूम है कि पीएम मोदी के रहते वह सत्ता में वापसी नहीं कर सकते हैं, इसलिए वह भारत के खिलाफ बोल रहे हैं, जबकि उन्हें भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए।

आचार्य प्रमोद ने कहा कि विपक्ष नरेंद्र मोदी का अपमान नहीं कर रहा है बल्कि वो भारत के सम्मान, शौर्य का अपमान कर रहा है। विपक्ष भारत की बेटियों के सिंदूर का अपमान कर रहा है। खड़गे को राफेल पर मजाक नहीं बनाना चाहिए। राफेल हमारे गौरव का प्रतीक है, लेकिन कांग्रेस मानसिक दिवालियापन का शिकार हो चुकी है। उन्हें राफेल की नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी की चिंता करनी चाहिए जो डूब रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कुछ राहु-केतु हैं जो कांग्रेस को बर्बाद कर रहे हैं, लेकिन इसकी चिंता खड़गे और राहुल गांधी को नहीं है। भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति क्या है, यह पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया देख रही है। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि हमारी सेना कैसे अपने दुश्मनों को करारा जवाब देती है, लेकिन अफसोस विपक्ष के नेताओं को समझ में नहीं आया कि भारत की बेटियों की सिंदूर की ताकत क्या है। विपक्ष के नेताओं की ओर से मजाक बनाया जा रहा है।

निजी अस्पतालों व फार्मेसी ने सरकार को लगाया करोड़ों का चूना

-1500 से अधिक महिलाओं के प्रोस्टेट टेस्ट जैसे मामलों से हुआ खुलासा

जयपुर। राजस्थान सरकार की हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में निजी अस्पतालों व फार्मेसी ने थोक में फर्जी दावे पेश किए और हैरानी की बात तो यह है कि भ्रष्ट तंत्र ने ये सारे बिल पास भी कर दिए। एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए आरजीएचएस के 'गबन' योजना की सच्चाई सामने लाने का प्रयास किया गया है।

इस रिपोर्ट के अनुसार 63 साल की महिला का गर्भावस्था में होने वाला टॉर्च टेस्ट और 1500 से अधिक महिलाओं का प्रोस्टेट टेस्ट कागजों में कर दिए गए। जबकि इस प्रकार के टेस्ट सिर्फ पुरुषों के लिए होते हैं। एक मरीज के जबड़े की 6 बार सीटी स्कैन और जुखाम-बुखार की 55 जांचें करवा दी गईं, मजे की बात यह है कि सभी बिल जांच के बाद पास भी हो गए। इसकी बड़ी वजह यह बताई गई है कि बिल पास करने की जिम्मेदारी राजस्थान सरकार ने निली एजेंसी को दे रखी है।

दरअसल, 2021 में योजना की शुरुआत से ही क्लेम को दो स्तरों पर जांच होती थी। पहले थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए) चेक करता और फिर सरकार की आधिकारिक क्लेम यूनिट इसकी जांच करती थी। लेकिन जनवरी 2023 से अचानक क्लेम यूनिट को बंद किया गयास। इसका कोई आदेश भी नहीं निकाला गया तब से क्लेम पास करने का पूरा जिम्मा टीपीए के पास है। जनवरी 2023 से अब तक 6500 करोड़ रुपए के क्लेम का भुगतान निजी अस्पतालों और दवा दुकानों को हो चुका है।

चिड़ावा के डीएसएम हॉस्पिटल के पर्चे के आधार पर हॉस्पिटल ने वृद्धा का गर्भावस्था के

दौरान होने वाला टॉर्च टेस्ट किया। 51 टेस्ट व दवाओं सहित 97 हजार का बिल क्लेम किया। टीपीए ने पास किया, भुगतान हुआ। इस तरह का एक मामला कालूराम हॉस्पिटल से सामने आया। यहां पुरुषों में होने वाला प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीजन टेस्ट महिलाओं का भी कर दिया। जयपुर के अमर जैन, इंडस व सीएसके हॉस्पिटल, जोधपुर के भारत हॉस्पिटल, चिड़ावा के डीएसएम हॉस्पिटल और सागवाड़ा के जील हॉस्पिटल ने भी महिलाओं पर यह टेस्ट किया। टीपीए ने क्लेम पास किए।

जोधपुर के एक अस्पताल ने हद ही कर दी, खांसी, जुकाम, बुखार के मरीज के 55 टेस्ट कर दिए। इनमें वे सभी टेस्ट शामिल हैं जो बड़ी सर्जरी से पहले किए जाते हैं।

राजधानी जयपुर में एक अस्पताल में तैनात डॉक्टर ने अधिकृत नहीं होने के बावजूद कैंसर और किडनी की महंगी दवाएं लिख दीं। उन्होंने दूसरे जिलों के मरीजों को भी दवाएं लिखीं। वहीं, श्रीगंगानगर के जिला चिकित्सालय में तैनात डॉक्टर ने अपने परिवार वालों का भला कर दिया और शासन को लाख का चूना लगा दिया। उन्होंने 416 बार में 38 लाख रुपए की दवाएं लिख दीं।

आरजीएचएस में रिजेक्शन रेट मात्र 0.8 प्रतिशत है। यानी टीपीए ने 99.2 प्रतिशत क्लेम को पास कर भुगतान भी कर दिया। जबकि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना में रिजेक्शन रेट 3.76 प्रतिशत और हेल्थ कवर देने वाली निजी इंश्योरेंस कंपनियों में यह आंकड़ा 5 से 10 प्रतिशत है। वह भी तब जब इसमें सिर्फ आईपीडी कवर होती है, जबकि आरजीएचएस में ओपीडी-फार्मेसी भी कवर होती है और इनमें ही ज्यादा घोटाला है।

वेतन आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति के बचे सिर्फ 7 माह

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने इस साल जनवरी में 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी थी और उसके बाद संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श शुरू हुआ था। ताकि संदर्भ की शर्तों (टीओआर) को अंतिम रूप दे सकें और संभावित आयोग के सदस्यों के काम शुरू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया जा सके। हालांकि, केंद्र ने अभी तक आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। पिछले महीने सर्कुलर जारी था जिसमें प्रतिनियुक्ति के आधार पर लगभग 35 पदों को भरने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी गई थी। इन पदों को भरने के लिए योग्य सरकारी कर्मचारियों से आवेदन मांगे गए थे। तब से, मीडिया में टीओआर और अंतिम रूप देने और सदस्यों की नियुक्तियों के बारे में अटकलें लगाने वाली कई रिपोर्टें आई हैं।

दरअसल मई का महीना खत्म हो गया है और इसके बाद 1 जनवरी 2026 की डेडलाइन पर इस लागू होने में सिर्फ 7 महीने शेष हैं। मौजूदा 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो रहा है। अब तक की प्रगति को देखकर कहना मुश्किल है कि सरकार 8वें वेतन आयोग को समय पर लागू कर पाएगी।

इसके बाद 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना काफी कम है। अब सवाल उठता है कि अगर कोई कर्मचारी 1 जनवरी 2026 या उसके बाद रिटायर होता है, लेकिन तब तक 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू नहीं हुई हैं, तब क्या उन्हें इसका लाभ मिलेगा? इसका जवाब है हां। इसतरह के सभी कर्मचारियों को एरियर के रूप में वेतन संशोधन का लाभ भी मिलेगा। ऐसा पहले भी हो चुका है। 7वें वेतन आयोग के समय करीब एक साल की देरी हुई थी, लेकिन सभी कर्मचारियों और पेंशनरों को बकाया दिया गया था।

हिमाचल के मंडी में दर्दनाक सड़क हादसा, पांच मजदूरों की मौत

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच मजदूरों की मौत हुई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तब हुआ जब एक पिकअप वाहन पुल की रेलिंग से टकरा गया। यह वाहन पंजाब के लुधियाना से मंडी स्थित आईआईटी कमांद की ओर जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया है कि वाहन के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण पिकअप पुल की रेलिंग से जा भिड़ी।

लॉ छात्रा शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी को लेकर राजनीति गर्माई

-बीजेपी ने किया गिरफ्तारी का विरोध

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे की एक लॉ छात्रा शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी को लेकर सियासत शुरू हो गई है। कई नेताओं ने गिरफ्तारी को सही बताया तो वहीं बीजेपी ने इसको लेकर ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर वीडियो शेयर करने के मामले में कोलकाता पुलिस ने छात्रा को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने 22 साल की छात्रा शर्मिष्ठा को 13 जून तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उस पर धर्म के आधार पर शत्रुता की भावना फैलाने का आरोप है।

शर्मिष्ठा पुणे की लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा है। इसके अलावा इन्स्टाग्राम पर उसके काफी फॉलोअर हैं। उनके फॉलोअर्स की सूची में एक पाकिस्तानी शख्स भी था जिसने पहलगाम हमले के बाद उनसे सवाल पूछा था। उसका जवाब देते हुए छात्रा शर्मिष्ठा ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने पहलगाम हमले पर बॉलीवुड के कलाकारों की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। इसके बाद विवाद शुरू हो गया था। विशेष धर्म पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कोलकाता पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पश्चिम बंगाल के बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि शर्मिष्ठा को उस वीडियो के लिए गिरफ्तार किया गया जिसके लिए उसने माफी भी मांगी और फिर डिलीट भी कर दिया। ना कोई दंगा ना कोई तनाव। इसके बाद भी बंगाल पुलिस ने कार्रवाई की। न्याय के लिए नहीं बल्कि तुष्टीकरण के लिए। टीएमसी नेता जब सनातन धर्म का अपमान करते हैं। तो वहां एक एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। ना ही कोई गिरफ्तारी होती है और ना ही कोई माफी मांगता है।

वहीं बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कहा कि मैं मानती हूं कि शर्मिष्ठा के एक्सप्रेशन में अप्रिय शब्द थे, लेकिन ऐसे शब्द आजकल युवा अकसर इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने अपने बयान के लिए माफी भी मांग ली है। उन्हें अब परेशान करने और धमकाने की जरूरत नहीं है। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि शर्मिष्ठा पनोली ने अपने वीडियो के लिए माफी मांग ली और इसके बाद भी उन्हें गिरफ्तार किया गया। जब कोई चुना गया सांसद सनातन धर्म को बुरा -भला कहता है तो लाखों लोग आहत होते हैं। जब किसी के धर्म को गंदा धर्म कहा जाता है तब कार्रवाई क्यों नहीं होती। तब माफी क्यों नहीं मांगी जाती। तब गिरफ्तारी क्यों नहीं होती?

कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम ने भी इस गिरफ्तारी को गलत बताया। उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर पुलिस पावर का गलत इस्तेमाल है। महाराष्ट्र के बीजेपी नेता नितेश राणे ने कहा कि रामगिरी महाराज जब सच बोलते हैं तो दिक्कत, शर्मिष्ठा सच बोलती हैं तो दिक्कत। माफी मांगो, पोस्ट डिलीट करो। जब पश्चिम बंगाल में रोज टीएमसी नेता सनातन पर हमला करते हैं तो माफी क्यों नहीं मांगी जाती?

क्या कांग्रेस के लिए गले की हड्डी बन गए शशि थरूर, खुद ले रहे कांग्रेस के मजे

नई दिल्ली। सांसद शशि थरूर हैं, वैसे कांग्रेस में ही, लेकिन बाकी नेताओं से बहुत दूर हो चुके हैं। कुछ कांग्रेस नेता हैं, थरूर जिनकी आंखों की किरकिरी बने हुए हैं। हो सकता है, राहुल गांधी के साथ ऐसा न हो, लेकिन उन्हें भी अपने नजदीकी सलाहकारों की बात सुननी होगी। अभी तक थरूर ने खुद नहीं कहा कि वे कांग्रेस छोड़ सकते हैं। लेकिन, परेशान होकर एक मलयालम इंटरव्यू में ये जरूर बोल दिया था कि उनके पास काम की कमी नहीं है। हालांकि, इसतरह के कामों की

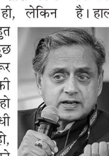

सूची में वे राजनीति की जगह अपनी किताबों और लेक्चर देने के निमंत्रण का ही जिक्र किया था। कांग्रेस सांसद थरूर को लेकर ताजा विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ विदेश दौरे पर जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में उनका नाम आया। जैसे ही प्रेस रिलीज आई, शशि थरूर ने स्वागत कर गर्व का इजहार किया। वहीं कांग्रेस को मिर्ची लग गई कि जो नाम दिए, उन्हें छोड़कर शशि थरूर को ले लिया गया। इस पर कांग्रेस नेता बवाल करने लगे। बाद में मोदी सरकार ने कांग्रेस की सूची से आनंद शर्मा को भी शामिल किया। रही सही कसर तब पूरी हो गई जब शशि थरूर ने ऐसी बात लिख डाली कि कांग्रेस में उनके सारे विरोधी परेशान हो उठें। थरूर ने लिखा, सितंबर, 2016 में ?पहली बार भारत ने एक आतंकी लॉन्च पैड पर सर्जिकल स्ट्राइक करने एलओसी को पार किया था... उससे पहले भारत ने ऐसा पहले कभी नहीं किया।

कई नई ट्रेनों की सौगात के बाद भी यात्रियों को घंटों करना पड़ रहा ट्रेनों आने का इंतजार

आरओआर बन रहा ट्रेन लेटलतीफी की वजह, ब्लॉक लगाने के काम चलने से ट्रेने हो रही लगातार लेट

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बीते कुछ महीनो से लगातार जनप्रतिनिधियों द्वारा बालाघाट से गुजरने वाली लंबी ट्रेनों की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी जा रही है। और बताया जा रहा है कि बालाघाट से होकर कई नई लंबी दूरी की ट्रेन गुजरेगी , तो वहीं बालाघाट सिंगल लाइन से डबल लाइन किए जाने को लेकर प्रयास किए गए हैं, ऐसे कई निर्देश और पत्र जनप्रतिनिधियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेषित किए जाते हैं, किंतु आज भी यदि वर्तमान स्थिति की बात करें तो बालाघाट स्टेशन में जिले की जनता को ट्रेनों के आने का कई घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है और ट्रेन लगातार कई घंटे लेट चल रही है। जिससे यहां के यात्रियों को अपने गंतव्य तक जाने के लिए परेशान होना पड़ता है । जब हमारे द्वारा कुछ यात्रियों से चर्चा की गई तो उनका सबसे पहले यही मानना था कि जनप्रतिनिधियों को बालाघाट रेल्वे स्टेशन से लंबी दूरी की ट्रेन चलाये जाने के लिये प्रयास करना चाहिये , यह अच्छी बात है , लेकिन जो ट्रेन चल रही है उन्हें सबसे पहले समय पर चलाए जाने के लिए प्रयास करना चाहिए और बालाघाट से गुजरने वाली ट्रेनों को निर्धारित समय पर चलाना चाहिए, जबकि अभी ही बालाघाट रेलवे स्टेशन से दो नई ट्रेन गुजरने वाली है जिसका भी जनप्रतिनिधियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी गई थी। कुछ लोग यह भी बता रहे हैं कि इन दिनों जो ट्रेन लगातार लेट हो रही है उसका प्रमुख

कारण गोंदिया में चल रहे निर्माण कार्यों का भी बताया जा रहा है।

आपको बता दे कि जिले के रेलयात्रियो के लिए रेल का सफर, मुसीबतों भरा है, जनप्रतिनिधि, नई ट्रेन चलाने की घोषणा पर ही वाहवाही लूट रहे है लेकिन यात्रियों को, रेलयात्रा में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यात्री, ट्रेन की देरी से परेशान है, जिसको लेकर रेलवे स्टेशन सहायक प्रबंधक सुधीर बाजपेयी, इसमें, वरिष्ठ स्तर से ही सुधार की बात कह रहे है। जबकि जेडआरयुसी सदस्य मोनिल जैन, बताते है कि रेलवे विभाग मैटेनेंस के चलते ब्लॉक लगा रहा है, चूंकि गोंदिया में बन रहे आरओआर का आगामी 4-5 जून को सीआरएस होना है। जिसमें आरओआर की सुरक्षा की जांच, की जाएगी। जिसके बाद 6 जून से इस पर गाड़ियों का ट्रायल शुरू हो जाएगा। जिसके कारण, यात्री ट्रेनो में देरी हो रही है। हमने, रेलवे विभाग से चर्चा की है कि यात्रियों को परेशानी ना हो, इसका पूर्ण ध्यान रखा जाए और काम स्पीड से किया जाए। जिसमें लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को सबसे पहले जो बालाघाट से होकर गुजर रही ट्रेन है, उन्हें समय पर चलाए जाने को लेकर प्रयास किया जाना चाहिए, किंतु आज कोई भी जनप्रतिनिधि ट्रेनों की लेट लतिफी पर ध्यान नहीं दे रहा है और सिर्फ नई ट्रेनों की सौगात के ही पत्र दिखाकर वाहवाही लूट रहे हैं । वह यह बिल्कुल नहीं देख रहे हैं कि कौन सी ट्रेन कितने समय आ रही है और यहां रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को कितनी परेशानी हो रही है। इसका कोई भी जनप्रतिनिधियों को इसे कोई मतलब नहीं है जबकि रेलवे स्टेशन पर घंटों इंतजार करने वाले यात्रियों का मानना है कि जनप्रतिनिधियों को यहां की लोकल सहित लंबी दूरी की चलने वाली ट्रेनों के समय को लेकर वरिष्ठ स्तर से चर्चा कर उन्हें समय पर चलाने के लिए प्रयास करना चाहिए। जेडआरयुसी सदस्य मोनिल जैन बताते है कि आरओआर, बालाघाट से चलने वाली, ट्रेनो के लिए आने वाले समय में काफी मददगार होगा। जिसके बाद, ट्रेन देरी की समस्या हल हो जाएगी। वहीं बालाघाट से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों को भी फायदा होगा।

ट्रेन देरी से चलने के कारण परेशान होना पड़ रहा है - कौशल्या

गोंदिया निवासी कौशल्या का कहना है कि उसे ढाई बजे की विदर्भ ट्रेन पकड़नी थी, लेकिन, ट्रेन में हो रही देरी के कारण, वह उसे अब नहीं मिल सकेगी। जिसके कारण, उसकी महंगा किराया देकर, बस से ही गोंदिया जाना होगा। महिला कौशल्या जैसे और भी यात्री है, जिनका मानना है कि यात्री ट्रेन देरी से चलने के कारण, हमें परेशान होना पड़ रहा है। दूसरी ओर जिले में विगत लंबे समय से प्रातः 6.45 बजे, बालाघाट से निकलने वाली लोकल पैसेंजर और रात्रि 10 बजे, गोंदिया से बालाघाट की ओर ट्रेन चलाए जाने की मांग कर रहे है। जो कोरोना कॉल के पहले चलाई जा रही थी लेकिन इसके बाद से बंद है। यह ट्रेन भी, बालाघाट के यात्रियों को गोंदिया से रायपुर और नागपुर के लिए कनेक्टिविटी की अच्छी ट्रेन थी।

खेत में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 4 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घोडंगाटोला खेत में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक 4 वर्षीय मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई जिसकी जिला अस्पताल लाते समय मौत हो गई।। 1 जून को 4:30 बजे करीब यह दुर्घटना उस समय हुई जब यह बच्ची श्रेया पिता संदीप बावीसताले घर के पास स्थित खेत में खेल रही थी। जिला अस्पताल पुलिस ने इस बच्ची का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम घोडंगाटोला निवासी संदीप बावीसताले खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी और दो बेटी श्रद्धा बावीसताले 6 वर्ष की है छोटी बेटी श्रेया बावीसताले 4 वर्ष की है। बताया गया की 1 जून को 4:30 बजे करीब श्रेया अपने घर के पास स्थित खेत में खेल रही थी। उसी समय एक ट्रैक्टर खेत से जुताई करके बस्ती की ओर आ रहा था। तभी श्रेया ने चलते ट्रैक्टर पर बैठने की कोशिश की और वह फिसल कर का ट्रैक्टर के नीचे आ गई। जो गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गई थी। इस दौरान ट्रैक्टर के पीछे भी घर परिवार के लोग ही थे। ट्रैक्टर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल श्रेया को तुरंत ही वहा से जिला अस्पताल लाये। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिये। श्रेया की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।

पुलिस कर्मचारियों की समझाइए के बाद पोस्टमार्टम करवाने माने परिजन

बताया गया कि ट्रैक्टर की चपेट में आने से मृत बच्ची श्रेया का शव उसके परिजन पोस्टमार्टम कराये बिना ही अस्पताल से ले जा रहे थे और उन्होंने इस बच्ची का शव अपनी कार में रख लिए थे। जिसकी जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल पुलिस चौकी के पुलिस कर्मचारी तुरंत जिला अस्पताल परिसर पहुंचे। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले, प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले और आरक्षक मुकेश मानेश्वर द्वारा दी गई समझाइए के बाद बच्ची श्रेया के परिजन शव पोस्टमार्टम करवाने के लिए तैयार हो गए। जिसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने परिजनों का बयान लिए मोके की आवश्यक कार्रवाई किये। जिसके बाद शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात श्रेया का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण नवेगांव भिजवा दी है।

ग्राम भालवा बलवा कांड

गौवंश के 8 तस्करों के विरुद्ध अपराध दर्ज

विश्व हिंदू परिषद के सदस्य और कार्यकर्ताओं से की थी मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भालवा में गौवंश की हो रही तस्करी को रोकने पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं पर गौ तस्करों द्वारा बलवा कर उन्हें मारपीट और चौपहिया वाहन को तोड़फोड़ करने के मामले में किरनापुर पुलिस ने 8 गौ तस्करों के विरुद्ध एक राय होकर मारपीट और तोड़फोड़ करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। यह घटना 30 मई को उस समय हुई थी जब इस गांव में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को गौवंश की तस्करी होने की जानकारी मिली थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 मई विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि ग्राम भालवा में कुछ लोग अवैध रूप से गोवंशों को क्रूरता पूर्वक हाँकते हुए भालवा तालाब के पास से ले जा रहे हैं। इस सूचना पर विश्व हिंदू परिषद प्रखंड किरनापुर के सदस्य रोहित पिछोड़े, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के साथ अपनी बोलेरो कार में भालवा पहुंचे थे। भालवा तालाब के पास रोड से कुछ लोग गोवंशों को ले जा रहे थे जिन्हें रोक कर गोवंशों को ले जाने के संबंध में पूछताछ कर रहे थे। ऐसी दौरान गोवंश को हाँकते हुए ले जाने वालों ने विश्व हिंदू परिषद के सदस्य और कार्यकर्ताओं पर बलवा करते हुए और एक राय होकर अश्लील गालियां देते हुए लोहे की राड,लोहे की नुकीली छुरी जैसे हथियार, हाथ बुकके लाठी डंडा से मारपीट करना शुरू कर दिए। गोवंश को हाँकने वालों द्वारा किए गए इस हमले में विश्व हिंदू परिषद प्रखंड किरनापुर के सदस्य रोहित पिछोड़े, कार्यकर्ता मुकेश ठाकरे, अजय ठाकरे, लेखराम खरे, डोमेश लिल्हारे, घायल हो गए इस दौरान गोवंश को हाँकने वालों ने 30,40 गोवंश को भगा दिए और दोबारा गौवंश को रोकने आने पर जान से खत्म करने की धमकी दे देदी ।इस दौरान इन लोंगो बोलेरो क्रमांक एमपी 50 बी सी 1060 को भी तोड़फोड़ कर दिए। इस वारदात में सभी घायलों का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वहीं विश्व हिंदू परिषद प्रखंड किरनापुर के सदस्य रोहित पिछोड़े द्वारा की गई रिपोर्ट पर अमृतलाल राहंगडाले , प्रमोद पांचे, प्रभु पांचे, धर्मेंद्र पांचे, इंद्रपाल चौधरी मधु पांचे फद्दल पांचे सभी ग्राम भालवा किरनापुर और संतोष ठाकरे ग्राम सरेखा बालाघाट निवासी के विरुद्ध धारा 296,115(2), 351(3), 191(2), 191(3), 324(4)भारतीय न्याय

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

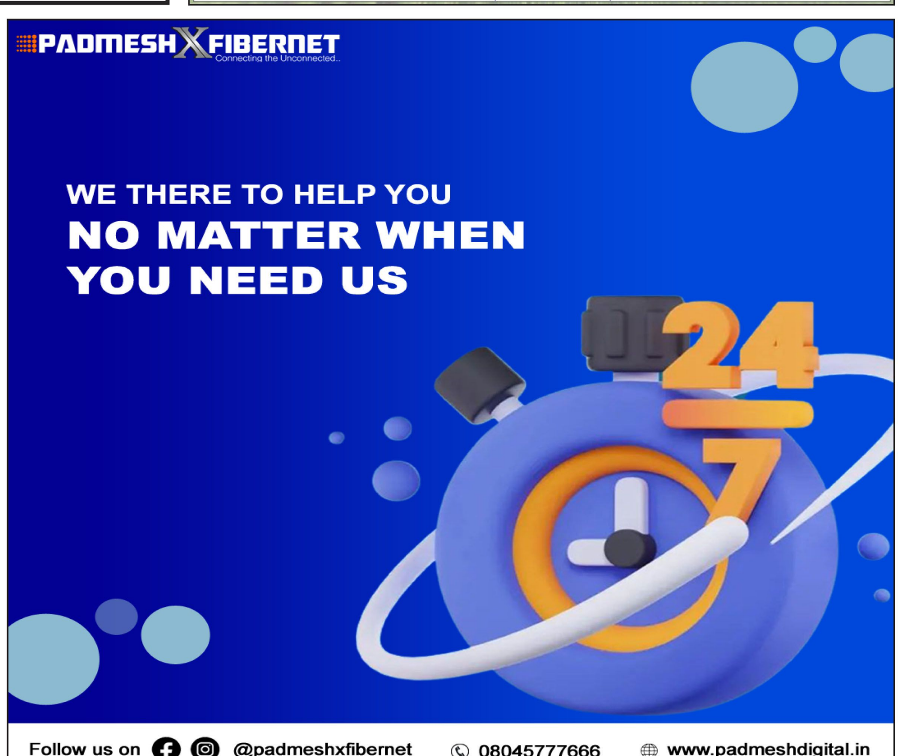

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट